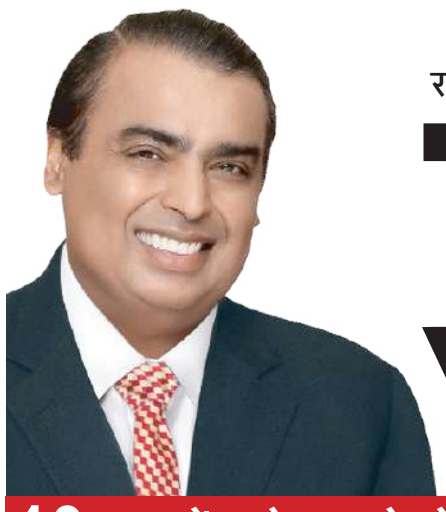

राष्ट्रीय दैनिक

प्रातः किरण

दिल्ली एवं पटना से प्रकाशित

हर खबर पर पकड़

/Pratahkiran /Pratahkiran /Pratahkiran

10 भारत में कारोबार समेटने की तैयारी में डिज्नी, ओटीटी पर भिड़ेंगे ...

मोदी के विजय रथ को रोकने के लिए बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने ... 12

वर्ष : 11 | अंक : 148 | पटना, रविवार , 08 अक्टूबर, 2023 | विक्रम संवत् 2080 | पेज : 12 | मूल्य ₹ : 03.00 | www.pratahkiran.com

मौसम

अधिकतम तापमान 31°C

न्यूनतम तापमान 25.0°C

हां	30%
नहीं	50%
कह नहीं सकते	10%

बाजार

सोना	59,340
चांदी	55,350
सेंसेक्स	63,327
निफ्टी	18,816

एशियाई खेलों में भारत ने रचा इतिहास, पहली बार 100 पदकों का आंकड़ा पार

पहली बार जीते 100 पदक

प्रात : किरण

पटना। चीन के हांगझोउ में आयोजित 19वें एशियाई खेलों में भारत ने ऐतिहासिक प्रदर्शन करते हुए 72 वर्षों में पहली बार 100 पदकों का आंकड़ा पार कर लिया है। शनिवार को कबड्डी में भारतीय महिला टीम ने स्वर्ण पदक को अपने नाम किया और यह मौजूदा खेलों में भारत का कुल 100वां पदक रहा। भारत ने कुल 25 स्वर्ण, 35 रजत और 40 कांस्य पदक जीते हैं। भारत सभी देशों की पदक तालिका में फिलहाल चौथे स्थान पर है। मेजबान चीन इस तालिका में शीर्ष पर है, जिन्होंने कुल 350 से ज्यादा पदक अपने नाम किए हैं। उनके बाद दूसरे और तीसरे स्थान पर क्रमशः जापान और कोरिया मौजूद हैं। इन शीर्ष 4 देशों के अलावा कोई भी देश कुल 100 पदक नहीं जीत सका है। एशियाई खेलों में भारत का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 2018 जकार्ता खेलों में रहा था। 19वें एशियाई खेल कई मायनों में भारत के लिए ऐतिहासिक साबित हुए। एथलेटिक्स में भारत ने अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए 29 पदक जीते, जिनमें छह स्वर्ण, 14 रजत और नौ कांस्य शामिल रहे। इसके अलावा निशानेबाजी में भी भारत का दबदबा रहा। निशानेबाजों ने 22 पदक भारत की झोली में डाले, जिनमें सात स्वर्ण, नौ रजत और छह कांस्य थे। घुड़सवारी की टीम ड्रेसेज स्पर्धा में भारत ने 41 वर्ष बाद स्वर्ण पदक जीता, वहीं व्यक्तिगत स्पर्धा में भारत को पहला पदक भी मिला। रोइंग और सेलिंग में भी भारत ने शानदार प्रदर्शन किया, इससे हम पदकों का शतक लगाने में सफल रहे।

भारत को महिला कबड्डी में स्वर्ण : भारतीय दल ने एशियाई खेलों में सौ पदक पूरे कर लिये जब महिला कबड्डी टीम ने चीनी ताइपै को शनिवार को रोमांचक फाइनल में 26.25 से हराकर स्वर्ण पदक जीता। भारतीय महिला कबड्डी टीम का यह तीसरा खिताब है। पिछली बार जकार्ता में उसने रजत पदक जीता था। उसकी खिताबी जीत के साथ ही भारत ने पहली बार एशियाई खेलों में पदकों का तिहरा अंक छुआ। फाइनल मुकाबले में चीनी ताइपै ने बेहद कड़ी चुनौती दी लेकिन भारत ने एक अंक से बाजी मारी। हाफटाइम तक भारत के पास पांच अंक की बढत थी। पूजा ने भारत के लिये कई अंक जुटाये।

ज्योति, देवताले की स्वर्ण की हैट्रिक : भारत की अनुभवी कंपाउंड तीरंदाज ज्योति सुरेखा वेन्नम और ओजस देवताले ने स्वर्ण पदकों की हैट्रिक लगाई जबकि अदिति स्वामी को कांस्य पदक मिला और इसके साथ ही भारतीय तीरंदाजों ने इन एशियाई खेलों में रिकॉर्ड नौ पदक अपनी झोली में डाल लिये। इससे पहले भारत ने इंचियोन में 2014 में हुए खेलों में तीन पदक जीते थे। मौजूदा विश्व चैम्पियन अदिति स्वामी ने कांस्य पदक के एकतरफा प्लेआफ मुकाबले में इंडोनेशिया की रातिह जिलिजाती एफ को हराया। बर्लिन में दो महीने पहले विश्व चैम्पियनशिप खिताब जीतने वाली 17 वर्ष की अदिति ने 146.140 से जीत दर्ज की। बाद में ज्योति ने दक्षिण कोरिया की सो चाएवोन को 149.145 से हराकर तीसरा स्वर्ण जीता। वह मिश्रित युगल और महिला टीम वर्ग का स्वर्ण जीत चुकी है।

पीएम मोदी ने भारतीय दल को दी बधाई: प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को चीन के हांगझू में चल रहे एशियाई खेलों में 100 पदक हासिल करने के अपने लक्ष्य को पार करने पर भारतीय दल को बधाई दी। पीएम मोदी ने एक्स पर 19वें एशियाई खेलों में शानदार प्रदर्शन के लिए भारतीय एथलीटों को बधाई और शुभकामनाएं दीं। पीएम मोदी ने अपने पोस्ट के माध्यम से जानकारी दी कि वह 10 अक्टूबर को एशियाई खेलों में भारतीय दल की मेजबानी करेंगे, उन्होंने कहा कि वह व्यक्तिगत रूप से उन एथलीटों के साथ बातचीत करेंगे, जिन्होंने देश को 100 तक पहुंचने में मदद करने के लिए व्यक्तिगत और टीम प्रदर्शन के साथ 19वें एशियाई खेलों में भारत को गौरवान्वित किया है। पीएम मोदी ने एक्स पर पोस्ट किया, एशियाई खेलों में भारत के लिए एक महत्वपूर्ण उपलब्धि! भारत के लोग रोमांचित हैं कि हम 100 पदकों की एक उल्लेखनीय उपलब्धि तक पहुंच गए हैं। मैं अपने अभूतपूर्व एथलीटों को हार्दिक बधाई देता हूं जिनके प्रयासों से भारत के लिए यह ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल हुई है। हर कोई आश्चर्यचकित है। प्रेरणादायक प्रदर्शन ने इतिहास रच दिया है और हमारे दिलों को गर्व से भर दिया है।

सीएम नीतीश ने दी बधाई, कहा गौरवान्वित महसूस कर रहे देशवासी: मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने एशियन गेम्स 2023 में भारत के शानदार प्रदर्शन करने और एशियन गेम्स में पहली बार 100 से अधिक पदक जीतने पर भारतीय खिलाड़ियों को बधाई एवं शुभकामनायें दी हैं। मुख्यमंत्री ने अपने संदेश में कहा कि एशियन गेम्स में भाग ले रहे भारत के सभी खिलाड़ी इस ऐतिहासिक उपलब्धि के लिये बधाई के पात्र हैं। सभी खिलाड़ियों ने अपनी बेहतरीन प्रतिभा का प्रदर्शन कर यह उपलब्धि हासिल की है। सभी देशवासी इस महत्त्वपूर्ण उपलब्धि पर गौरवान्वित महसूस कर रहे हैं।

संक्षिप्त खबरें

भारतीय नौसेना ने '360 डिग्री मूल्यांकन तंत्र' शुरू किया

नई दिल्ली। भारतीय नौसेना ने शनिवार को कहा कि उसने एक ''परिवर्तनकारी'' मूल्यांकन तंत्र को संस्थागत रूप दिया है क्योंकि वर्तमान प्रणाली में 'टॉप-डाउन' दृष्टिकोण की अंतर्निहित सीमा है। नौसेना ने कहा कि एक चुस्त, अनुकूल और उन्नत मानव संसाधन प्रबंधन अनिवार्य है और इस संबंध में विभिन्न पदोन्नति बोर्डों के लिए '360 डिग्री मूल्यांकन प्रणाली' की एक नई परिवर्तनकारी पहल को संस्थागत रूप दिया गया है। उसने कहा कि सफेद वर्दी में महिलाएं और पुरुष भारतीय नौसेना के 'शिप फर्स्ट' दृष्टिकोण के केंद्र में हैं और निकट भविष्य में भी इसकी सबसे बड़ी परिसंपत्ति बने रहेंगे। नौसेना ने एक बयान में कहा कि वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा गोपनीय रिपोर्टों के वर्तमान मूल्यांकन तंत्र में 'टॉप-डाउन' दृष्टिकोण की अंतर्निहित सीमा है। इसमें कहा गया है कि नए मूल्यांकन तंत्र का उद्देश्य ''पदोन्नति की खातिर विचार किए जा रहे प्रत्येक अधिकारी के लिए उनके साथियों और अधीनस्थों से बड़े पैमाने पर सर्वेक्षण करना है।

मोदी ने इजरायल पर आतंकी हमलों पर गहरा दुख जताया

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इजरायल में आतंकवादी हमलों पर गहरा दुख जताया है और इस कठिन समय में इजरायल के साथ एकजुटता व्यक्त करने के साथ ही निर्दोष पीड़ितों एवं उनके परिवारों के प्रति संवेदना प्रकट की है। प्रधानमंत्री मोदी ने एक्स पर पोस्ट किया, इजरायल में आतंकवादी हमलों की खबर से गहरा सदमा लगा। हमारी संवेदनाएँ और प्रार्थनाएँ निर्दोष पीड़ितों और उनके परिवारों के साथ हैं। हम इस कठिन समय में इजरायल के साथ एकजुटता से खड़े हैं। रिपोर्टों के अनुसार पवित्र यहूदी अवकाश सिमचट तोराह के दौरान हमास ने दक्षिण और मध्य इजरायल के शहरों और गांवों में आज तड़के हजारों राकेट एवं मिसाइल हमले किए जिसमें बड़ी संख्या में इजराइली नागरिक हताहत होने की खबरें हैं। इजरायल ने हमलों को युद्ध अपराध करार दिया है और इसके जवाब में ऑपरेशन स्वोर्ड्स ऑफ आयरन शुरू किया है। भारत में इजरायल के राजदूत नाओर गिलोन ने नई दिल्ली में एक बयान में कहा, इजरायल वर्तमान में समन्वित, बड़े और बहु-आयामी फि लिस्तीनी आतंकवादी हमलों को विफल करने के लिए लड़ रहा है।

वायु सेना को मिलेगा नया ध्वज

नई दिल्ली। वायु सेना को उसके 91वें स्थापना दिवस पर रविवार को नया ध्वज मिलेगा। वायु सेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल वी आर चौधरी स्थापना दिवस के मौके पर उत्तर प्रदेश के प्रयागराज में आयोजित समारोह में नये वायु सेना ध्वज का अनावरण करेंगे। इसके साथ ही यह दिन वायु सेना के इतिहास में ऐतिहासिक दिन के रूप में दर्ज हो जायेगा। रक्षा मंत्रालय ने शनिवार को एक विज्ञप्ति जारी कर कहा कि नया वायु सेना ध्वज भारतीय वायु सेना के मूल्यों को बेहतर ढंग से प्रकट करने के लिए बनाया गया है। इसके लिए ध्वज के ऊपरी दाएं कोने में फ्लाई साइड की ओर वायु सेना क्रेस्ट को शामिल किया जा रहा है। इस क्रेस्ट में राष्ट्रीय प्रतीक अशोक स्तंभ और उसके नीचे देवनागरी में सत्यमेव जयते लिखा है। नीचे एक हिमालयी ईगल है जिसके पंख फैले हुए हैं, जो भारतीय वायुसेना के रणकौशल को दशार्ता है। हल्के नीले रंग की एक अंगूठी जैसी आकृति हिमालयी ईगल को घेरे हुए है जिस पर भारतीय वायु सेना लिखा है।

किसानों की समृद्धि, मजबूत कृषि व्यवस्था के लिए जीवन खपा दिया स्वामीनाथन ने : मोदी

प्रात : किरण

नई दिल्ली, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हाल ही में दिवंगत हुए महान कृषि वैज्ञानिक प्रोफेसर एम. एस. स्वामीनाथन को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा है कि उन्होंने अपना पूरा जीवन किसानों को समृद्धिशाली बनाने एवं हितों की रक्षा करने के साथ ही वैज्ञानिक अनुसंधान की सहायता से कृषि व्यवस्था मजबूत बनाने के लिए समर्पित कर दिया।

मोदी ने आज यहां डॉ. स्वामीनाथन पर एक ब्लॉग लिखा और उन्हें कृषि वैज्ञानिक की जगह सच्चा किसान वैज्ञानिक करार दिया। प्रधानमंत्री ने लिखा कि प्रोफेसर स्वामीनाथन अब हमारे बीच नहीं हैं। हमारे देश ने एक ऐसे दूरदर्शी व्यक्ति को खोया है, जिन्होंने भारत के कृषि क्षेत्र में क्रांतिकारी परिवर्तन किए। हमने एक ऐसे महान व्यक्ति को खोया है, जिनका भारत के लिए योगदान हमेशा स्वर्णिम अक्षरों में लिखा जाएगा।

प्रोफेसर स्वामीनाथन भारत से प्रेम करते थे और चाहते थे कि हमारा देश और विशेषकर हमारे किसान समृद्धि के साथ जीवन यापन करें। वे अकादमिक रूप से प्रतिभाशाली थे और किसी भी करियर का विकल्प चुन सकते थे, लेकिन 1943 के बंगाल के अकाल से वह इतने द्रवित हुए कि उन्होंने तय कर लिया कि अगर कोई एक चीज, जिसे वे करना चाहेंगे, तो वो है – कृषि क्षेत्र का कायाकल्प। प्रधानमंत्री ने लिखा – प्रो स्वामीनाथन बहुत छोटी उम्र में डॉ. नॉर्मन बोरलॉग के संपर्क में आए और उनके काम को गहराई से समझा। 1950 के दशक में अमेरिका ने उन्हें एक शिक्षक के तौर पर जुड़ने का आग्रह किया, लेकिन उन्होंने इसे अस्वीकार कर दिया, क्योंकि वह भारत में रहकर देश के लिए काम करना चाहते थे। उन्होंने कहा कि आज हम सभी को दशकों पहले की उन चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों के बारे में विचार करना चाहिए, जिनका प्रो. स्वामीनाथन ने डटकर सामना किया और हमारे देश को आत्मनिर्भरता और आत्मविश्वास के मार्ग पर आगे ले गए। आजादी के बाद पहले दो दशकों में, हम कई चुनौतियों का सामना कर रहे थे और उनमें से एक थी– खाद्यान्न की कमी। 1960 के दशक की शुरूआत में, भारत अकाल से जूझ रहा था। इसी दौरान, प्रोफेसर स्वामीनाथन की दृढ़ प्रतिबद्धता और दूरदर्शिता ने कृषि सेक्टर के एक नए युग की शुरूआत की। कृषि और गेहूं की पैदावार जैसे विशिष्ट क्षेत्रों में उनके अग्रणी कार्यों से गेहूं उत्पादन में उल्लेखनीय वृद्धि हुई। ऐसे प्रयासों का ही परिणाम था कि भारत खाद्यान्न की कमी वाले देश से खाद्यान्न में आत्मनिर्भर वाले राष्ट्र के रूप में परिवर्तित हो गया। इस शानदार उपलब्धि की वजह से से उन्हें ह्यभारतीय हरित क्रांति के जनक की उपाधि मिली, जो बिल्कुल सही भी है। मोदी ने लिखा – हरित क्रांति में भारत की कैन डू यानी कर सकते हैं, की भावना झलकती है, यानी कोई भी लक्ष्य असंभव नहीं होता। अगर हमारे सामने करोड़ों चुनौतियां हैं, तो उन चुनौतियों पर विजय प्राप्त करने के लिए नवाचार की लौ जलाने वाले करोड़ों प्रतिभाशाली लोग भी हैं। हरित क्रांति शुरू होने के पांच दशक बाद, भारतीय कृषि पहले से अधिक आधुनिक और प्रगतिशील हो गई है। लेकिन, प्रोफेसर स्वामीनाथन द्वारा रखी गई नींव को कभी भुलाया नहीं जा सकता।

सोन में डूबने से तीन युवकों की मौत

प्रात : किरण संवाददाता

पालीगंज। शनिवार की शाम थाना क्षेत्र के महाबलीपुर गांव स्थित सोन नदी घाट पर स्नान करने गया तीन युवकों की मौत नदी में डूबने से हो गयी। जानकारी के अनुसार एक ओर शनिवार को पूरे इलाके में धूमधाम से पुत्रो की सलामती को लेकर माताएं जिउतिया का पर्व मना रही थी तो दूसरी ओर जिउतिया के अवसर पर नदी व नालों में स्नान करने के लिए भीड़ उमड़ पड़ी। जिसके दौरान उन नदी नालों में स्नान करने के दौरान डूबने से मौत का तांडव जारी है। ताजा मामला पालीगंज थाना क्षेत्र के महाबलीपुर गांव की है।

जहां जिउतिया पर्व के अवसर पर स्नान करने के लिए पर्व किये महिलाओं के साथ सोन नदी घाट पर शनिवार की शाम भीड़ उमड़ पड़ी। उसी दौरान दो युवक नदी के गहरे पानी मे जाने से लापता हो गया। लेकिन किसी को पता नही चला। लेकिन उसी दौरान उसी घाट पर स्नान करने के दौरान एक बच्चा गहरे पानी मे गया तो उसे देख महिलाएं शोर गुल मचाने लगी। शोर गुल की आवाज सुनकर नदी तट पर खड़े ग्रामीणों ने बच्चा को नदी से निकालने के लिए नदी में कूद पड़े। जहां ग्रामीणों ने काफी परिश्रम के बाद बच्चा की शव को नदी से बाहर निकाला। साथ ही बच्चा को निकालने के लिए नदी में कूदे ग्रामीणों ने पूर्व में डूबे दोनों युवकों के शव को भी नदी से बाहर निकाला। इस प्रकार एक ही समय एक ही स्थान पर तीन लोगो की मौत से वहां का वातावरण गमगीन हो गया। परिजनों की चीख व पुकार से सारा वातावरण गूंज उठा। खुशी के पर्व के अवसर पर मातम छा गया।

घटना की सूचना पाकर मौके पर पहुंची पालीगंज थाने की पुलिस शवों को कब्जे में ले लिया व कानूनों प्रक्रिया पूरी कर पोस्टमार्टम के लिए पालीगंज अनुमण्डल अस्पताल भेज दिया। मृतकों की पहचान पालीगंज थाना क्षेत्र के परियों गांव निवासी सत्येंद्र साव के 16 वर्षीय पुत्र गणेश कुमार, जामुन साव के 26 वर्षीय पुत्र कुश कुमार व महाबलीपुर गांव निवासी लवकुश प्रसाद के 14 वर्षीय पुत्र सागर कुमार के रूप में हुआ। बताया जा रहा है कि तीनों जिउतिया पर्व के अवसर पर स्नान करने पालीगंज थाना क्षेत्र के महाबलीपुर गांव स्थित सोन नदी घाट पर गया था। जहां घाट पर पानी के अंदर काफी कीचड़ भरी है। वही स्नान करने के दौरान तीनो कीचड़ के अंदर चला गया व बाहर नही निकल पाया। साथ ही पानी के अंदर कीचड़ में ही सभी ने दम तोड़ दिया।

कुशल नर्सों की कमी को पूरा करेगा अलय फातिमा कॉलेज : डॉ एए हई

अलय फातिमा कॉलेज ऑफ नर्सिंग एंड टेक्नोलॉजी का मुख्यमंत्री ने किया उद्घाटन

प्रात : किरण

पटना। पारस एचएमआरआई हॉस्पिटल के परिसर में स्थित अलय फातिमा कॉलेज ऑफ नर्सिंग एंड टेक्नोलॉजी औपचारिक रूप से चालू हो गया। भव्य उद्घाटन समारोह में शनिवार को मुख्य अतिथि मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार ने इसका उद्घाटन किया। उद्घाटन समारोह में विशिष्ट अतिथि के रूप में बिहार के मुख्य सचिव आमिर सुबहानी मौजूद रहे। 60 विद्यार्थियों की क्षमता वाले इस कॉलेजी में दो तिहाई महिलाएं प्रशिक्षित होंगी। यहां बीएससी नर्सिंग की समुचित पढ़ाई करायी जाएगी। इस कॉलेज में पढ़ने वाले विद्यार्थियों के लिए सेंट्रली

एयर कंडिशन हॉस्टल की भी व्यवस्था की गयी है। तमिलनाडू के डॉ. दामोदरन को इस कॉलेज का प्राचार्य जबकि केरल के अब्दुल रहमान मशंगल को उप प्राचार्य बनाया गया है। उद्घाटन के मौके पर कॉलेज के प्रेसिडेंट डॉ. एए हई ने कहा कि नर्सिंग किसी भी अस्पताल की रीढ़ मानी जाती है। कुशल नर्सिंग स्टाफ की हमेशा जरूरत रहती है। इसके लिए नर्सों की अच्छी और समुचित ट्रेनिंग की व्यवस्था होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री की हार्दिक इच्छा है कि राज्य में स्वास्थ्यकर्मियों की शिक्षा ज्यादा से ज्यादा बढ़ाई जाय। अलय फातिमा कॉलेज ऑफ नर्सिंग एंड टेक्नोलॉजी, उनकी इसी इच्छा को पूरा करने का एक छोटा सा प्रयास है। आगे इस कॉलेज में जीएनएम और पोस्ट बेसिक नर्सिंग की पढ़ाई भी की जाएगी। उन्होंने कहा कि आने वाले समय में सिर्फ पीएमसीएच में ही हर दिन एक सिफ्ट में कम से कम एक हजार नर्सों की जरूरत पड़ेगी। इसके लिए राज्य में ज्यादा से ज्यादा नर्सिंग कॉलेजों की स्थापनी की जरूरत पड़ेगी। डॉ. एए हई ने कहा कि नर्सों की जरूरत सिर्फ राज्य में ही नहीं बल्की पूरे देश और पूरे विश्व में है। आने वाले समय में नर्सों के लिए काफी विकल्प है। अमेरिका सहित विकसित देशों में नर्सिंग स्टॉफ की काफी जरूरत है। डॉ. एए हई के छोटे भाई व अमेरिका निवासी डॉ. महमूद अब्दुल हई तथा डॉ. महमूद की पत्नी एन्ट अब्दुल हई ने विद्यार्थियों को संबोधित किया। दोनों ने इस कोर्स में पूरी सहायता देने का वादा किया। गौरतलब है कि डॉ. महमूद अब्दुल का प्रोस्टेट सर्जरी पर काम पूरी दुनियाभर में सराहनीय है जबकि उनकी पत्नी अन्नेटे अब्दुल हई अमेरिका में पिछले 35 वर्षों से नर्सिंग से जुड़ी हुई हैं। उद्घाटन समारोह में पारस हेल्थ की ग्रुप सीओओ डॉ. सैंटी साजन, जोनल डाइरेक्टर डॉ. विक्रम सिंह चौहान एंव पारस एचएमआरआई के वरिष्ठ डॉक्टर भी मौजूद थे।

विमोचन पर्यटन विभाग की रेडी रेकनर 2.0 व लघु फिल्म का किया गया विमोचन

बिहार में घूमे बिना देश को जानना संभव नहीं : तेजस्वी

प्रात : किरण

पटना। ज्ञान भवन में दो दिवसीय ट्रैवेल और टूरिज्म फेयर 2023 का उद्घाटन बिहार सरकार के उपमुख्यमंत्री सह पर्यटन मंत्री तेजस्वी प्रसाद यादव, उद्योग मंत्री समीर कुमार महासेठ, पर्यटन विभाग के सचिव अभय कुमार सिंह, पर्यटन निगम के निदेशक नंदकिशोर ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया। उपमुख्यमंत्री ने अपने संबोधन में कहा कि बिहार ने पर्यटन क्षेत्र में 2019 में पर्यटकों की संख्या 3.5 करोड़ से छलांग लगाकर 2023 में अब तक लगभग 5.75 करोड़ तक पहुंच गई है। जो पर्यटक यहां आते हैं उन्हें हम कैसे 4 से 5 दिनों तक बिहार में रोक सकें ये हमारी चुनौती है। उपमुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार का धार्मिक, रामायण, बुद्ध, जैन, सिख और अन्य सर्किट पर विशेष ध्यान है। बिहार में जल्द ही नए अनूठे प्रस्तावों के साथ अपनी नई पर्यटन नीति लॉन्च करेगा। बिहार में काम कर रहे टूरिस्ट गाइड को सरकार ने ट्रेनिंग के साथ ही ड्रेस भी दिया है। वे अच्छे से बिहार के बारे में दूसरे प्रदेश व विदेश से आए लोगों को बता सकें इसके लिए उन्हें प्रशिक्षण दिया गया है। उपमुख्यमंत्री ने कहा कि बिहार में जबतक आप घूमेंगे नहीं तबतक देश को जानना असंभव है। बिहार न केवल धार्मिक बल्कि आध्यात्मिक रूप से कई पर्यटकीय स्थलों का संगम है। यहां भगवान बुद्ध, महावीर, गुरु गोबिंद सिंह जी हुए, सीता मैया की जन्मभूमि यहीं है, समुंद्र मंथन जिस पर्वत से हुआ, वह मंदार पर्वत यहीं है। ऐसे सभी पर्यटकीय स्थलों का प्रचार प्रसार और वहां सुविधाओं का निर्माण करना सरकार का मुख्य उद्देश्य है। आज हर क्षेत्र में बिहार आगे जा रहा है। जीडीपी ग्रोथ रेट में बिहार देश में नंबर 1 है। तेजी से आधारभूत संरचना का विकास हो रहा है। बिहार के बारे में दूसरे प्रदेशों में ज्यादा गलत खबरें फैलायी जा रही है।

बिहार की छोटी घटनाओं को भी बढ़ा कर पेश किया जाता है जिससे बिहार की छवि धूमिल हो रही है। कुछ लोग राजनीतिक फायदे के लिए बिहार की छवि खराब कर रहे हैं हम उनसे कहना चाहते हैं कि बिहार ने आपको बहुत कुछ दिया है। इसकी छवि धूमिल न करें। केंद्र सरकार की संस्था एनसीआरबी अपराध के आंकड़े जारी करती है उसमें बिहार 24वें स्थान पर है। वहीं देश की राजधानी दिल्ली जहां तमाम बड़े लोग रहते हैं वह इसमें पहले स्थान पर है। तेजस्वी यादव ने कहा कि कम संसाधन में भी हम बेहतर कर रहे हैं। अगर बिहार को विशेष

पैकेज और विशेष राज्य का दर्जा मिल जाए तो बिहार देश के प्रमुख विकसित चार-पांच राज्यों की श्रेणी में होगा। उपमुख्यमंत्री ने कहा कि हमलोग बिहार में कृषि आधारित उद्योगों की स्थापना के लिए काम कर रहे हैं। मखाना, केला, भुट्टे से बनने वाली वस्तुओं के विकास पर काम कर रहे हैं। आज सभी लोग बिहार को सराह रहे हैं। पर्यटन के क्षेत्र में बिहार में बहुत काम कर रहे हैं। टीटीएफ जैसे आयोजन हर साल होने चाहिए। इससे पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा। राज्य के इतिहास के बारे में हम लोगों को अधिक से अधिक बता सकेंगे। बिहार सरकार के माननीय उद्योग मंत्री समीर कुमार महासेठ ने अपने संबोधन में कहा कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की सोच को उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव जी आगे बढ़ा रहे हैं। बिहार में पर्यटन के क्षेत्र में विकास हो रहा है। रामायण सर्किट, बुद्ध सर्किट पर विकास कार्य हो रहा है। आज लोग बिहार को बढ़ता बिहार के नाम से जानते हैं। यहां प्रकृतिक संसाधनों की कमी नहीं है। अधिक से अधिक पर्यटक इस तरफ आ सकते हैं।

समारोह को संबोधित करते हुए पर्यटन विभाग के सचिव अभय कुमार सिंह ने कहा कि बिहार पर्यटन क्षेत्र में बिजनेस 2 बिजनेस जुड़ाव को बढ़ाना चाहता है। राज्य में छह नए जगहों पर जल्द ही इसकी शुरूआत होगी। कैमूर व रोहतास की पहाड़ियों में एडवेंचर स्पोर्ट्स के विकास पर पर्यटन विभाग काम कर रहा है। राज्य में पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए प्रचार प्रसार पर जोर दिया गया है। सोशल मीडिया पर भी हमारी मजबूत पहुंच हो गई है। गया में विष्णुपद मंदिर तक श्रद्धालुओं की आसानी से पहुंच के लिए भी कार्य किया जा रहा है।

कार्यक्रम में बिहार समेत 10 राज्यों के पर्यटन, आतिथ्य, ऑपरेटर और ट्रैवल क्षेत्र के प्रतिनिधि और टूर ऑपरेटर ले रहे हैं भाग : कार्यक्रम में उपमुख्यमंत्री सह पर्यटन मंत्री तेजस्वी प्रसाद यादव ने पर्यटन विभाग की पुस्तक रेडी रेकनर 2.0 व विपसना पर केंद्रित पोस्टर धम्म बिहार का विमोचन किया। इस मौके पर बिहार के पर्यटन पर केंद्रित लधु फिल्म व विपस्यना पर केंद्रित लधु फिल्म भी दिखाई गई। कार्यक्रम में धन्यवाद ज्ञापन पर्यटन विभाग के निदेशक विनय कुमार राय ने किया। कार्यक्रम में बिहार समेत 10 राज्यों के पर्यटन, आतिथ्य, ऑपरेटर और ट्रैवल क्षेत्र के प्रतिनिधि और टूर ऑपरेटर भाग ले रहे हैं। कार्यक्रम में तीन देशों नेपाल, श्रीलंका और बांग्लादेश के व्यापारिक प्रतिनिधि भी हिस्सा ले रहे हैं।

समारोह की अध्यक्षता आयोजन सचिव बी.आर. शंकरानंद जी और आईआईटी पटना के निदेशक प्रोफेसर टी. एन. सिंह करेंगे। जैसा कि केंद्रीय मंत्रिमंडल ने देश में स्कूल और उच्च शिक्षा प्रणालियों में परिवर्तनकारी सुधारों का मार्ग प्रशस्त करने के लिए तीन साल पहले राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 को मंजूरी दी थी, इसे जमीन पर उतारने के लिए अभी भी एक लंबा रास्ता तय करना बाकी है। एनईपी 2020 एक समावेशी, प्रगतिशील और उत्पादक राष्ट्र बनाने की भारत की प्रतिबद्धता का एक प्रमाण है। यह शिक्षा के तीन स्तंभों – समानता, गुणवत्ता और स्थिरता को कुशलतापूर्वक संतुलित करता है। आजादी के बाद यह पहली ऐसी शिक्षा नीति है, जिसमें दो साल तक लोगों की राय ली गई और उसके बाद राष्ट्रीय शिक्षा नीति का मसौदा तैयार किया गया और राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में स्थानीय भाषाओं को बढ़ावा देने पर जोर दिया गया है। इन बातों को ध्यान में रखते हुए और भारत को फिर से ज्ञान गुरु बनाने के लिए शिक्षा को सबसे महत्वपूर्ण हथियारों में से एक मानते हुए, आईआईटी पटना ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 पर चर्चा करने के लिए विविध शैक्षिक परिदृश्य से राष्ट्रीय स्तर पर प्रसिद्ध विद्वानों को एक साथ लाने एवं अपनी अंतर्दृष्टि और अनुभव साझा करने की जबरदस्त पहल की है। उद्घाटन सत्र के बाद विभिन्न प्रतिष्ठित संस्थानों के प्रसिद्ध शिक्षाविदों द्वारा तकनीकी सत्र आयोजित किए जाएंगे।

संक्षिप्त खबरें

गंगा स्नान कर रहे महिलाओं के जितिया व रुपए लेकर हुए फरार

दानापुर। थाना क्षेत्र के अंतर्गत पीपापुल घाट पर गंगा स्नान कर रही चार महिलाओं के बैग से सोने का जितिया व नगद रुपए निकाल कर नाबालिग भाग निकले। शोर मचाने पर दो नाबालिगों को पकड़ कर पुलिस के हवाले कर दिया गया। जहां पुलिस दोनों आरोपितों से पूछताछ कर रही है। दानापुर थाने में दिये आवेदन में न्यू मुबारकपुर कृषि फार्म निवासी इंदू देवी, सावित्री देवी, नितू कुमारी एवं माधुरी देवी ने बताया कि वह सभी पीपापुल घाट पर जितिया पूजा का स्नान करने गये थे। वे सभी अपना सोने का जितिया एवं चार हजार रुपए एक बैग में रखकर स्नान कर रहे थे। तभी बैग के आसपास मंडरा रहे पांच से छह की संख्या में लड़के मौका देखते ही सोने का सभी जितिया व रुपए लेकर भाग खड़े हुए। वे महिलाएं पानी से बाहर निकल शोर मचाने लगी। आसपास मौजूद लोगों ने दो नाबालिग को पकड़ कर पुलिस के हवाले कर दिया गया। पूछताछ के क्रम में पकड़े गए नाबालिग ने कल्लू नामक लड़के को सभी जितिया लेकर फरार होने की बात बताया है। वहीं स्थानीय पुलिस फरार लड़कों की तलाश कर रही है।

प्रॉपर्टी डीलर के खिलाफ मामला दर्ज

दानापुर। थाना क्षेत्र के अंतर्गत एक मोबाइल कर्मी ने प्रॉपर्टी डीलर को लाखों रूपए देने के बाद भी जमीन का बैए वासिका नहीं करने से परेशान एक मोबाइल कर्मी ने प्रोपर्टी डीलर के खिलाफ मामला दर्ज कराया है। दानापुर पुलिस मामला दर्ज कर अनुसंधान में जुट गई है। जीडी पथ न्यू पाटलिपुत्रा निवासी एक मोबाइल कंपनी में कार्यरत ऋषि कांत सिंह ने दानापुर थाना में न्यू मैनपुरा खरंजा रोड निवासी प्रोपर्टी डीलर चन्द्र शेखर कुमार उर्फ शेखर के खिलाफ मामला दर्ज कराया है। ऋषि ने बताया कि तीन साल पहले शेखर से मुलाकात हुई थी। शेखर ने लखनीबिगहा में जमीन बेचने की बात कही।जिस पर दो कट्ठा जमीन खरीदने के लिए ऋषि तैयार हुआ।9/9/22 को 67 लाख रुपए का एक एकरारनामा बनाया गया। उसके बाद चेक और नगदी के जरिए सारे रूपए दे दिए।उसके बाद दो महीने में बैए वासिका करने की बात कही।जब नहीं किया और बहाने बाजी करने लगा तो रूपए वापस करने की बात कही।तब तीन चेक दिया,एकाउंट में रूपए नहीं रहने से चेक को वापस कर दिए। थानाध्यक्ष सम्राट दीपक ने बताया कि प्रोपर्टी डीलर चन्द्र शेखर के खिलाफ जालसाजी करने का एक मामला दर्ज किया गया है। छानबीन की जा रही है।

हथियार तस्कर राहुल गिरफ्तार, आर्म्स-गोली बरामद

पटना सिटी (प्राकि)। बिहार एसटीएफ एवं पटना जिला पुलिस के संयुक्त कार्रवाई में हथियार तस्कर राहुल कुमार को गिरफ्तार किया गया है। उसकी गिरफ्तारी अगमकुआं थाना क्षेत्र से की गई है। साथ ही अवैध हथियार भी बरामद किया गया है। बताया गया कि उक्त गिरफ्तार अपराधी के पास से एक .32 बोर का रेगुलर पिस्टल, 210 गोली (7.6७ 25 का) और दो मैगजीन के साथ ही अन्य सामान बरामद किया गया है।

ऑन स्पॉट वाहनों का काटा जायेगा चलान

दानापुर। थाना क्षेत्र का अंतर्गत बस पड़ाव एवं अन्य जगहो पर वाहन चालको के मनमानी से लगने वाली जाम पर थाना की पुलिस कल से अभियान शुरू करेगी। बिना ड्राइविंग, लाईसेंस हेलमेट एवं आवश्यक कागजात के वाहन चलाने वालो पर शिकंजा कसा जायेगा। थानाध्यक्ष सम्राट दीपक ने बताया कि ई चलान को लेकर स्वेपिंग मशीन उपलब्ध विभाग द्वारा कराया गया है। जिससे ऑन स्पॉट वाहनो को चलान काटा जायेगा। जिससे जाम की समस्या से भी काफी हद तक निजात मिलेगा। साथ बिना ड्राइविंग लाइसेंस एवं कागजात के वाहन चलाने वाले पर कार्रवाई की जायेगी। ऑन स्पॉट वाहन की जांच के साथ ई चालान कट जायेगा। मशीन में गाड़ी का नंबर डालते ही सारी जानकारी मिल जायेगी। जिससे काफी सहयोग मिलेगा। उन्होने बताया कि कल से ही जगह जगह पर विशेष अभियान शुरू की जायेगी। शाहपुर थानाध्यक्ष उतम कुमार ने बताया कि इस मशीन से अब बिना लाईसेंस के नाबालिंग चालको पर कार्रवाई की जायेगी।

निगम की ओर से हटाया गया अतिक्रमण

पटना सिटी (प्राकि)। पटना नगर निगम के अजीमाबाद अंचल की ओर से सड़कों को घेर दुकानदारी करने वालों के खिलाफ अभियान चलाया गया। इस दौरान डंका इमली, अंबेडकर गोलंबर, गायघाट के पास अतिक्रमण हटाने का अभियान चलाया गया। इस दौरान अतिक्रमणकारियों ने विरोध भी किया, मगर उनसबों की नहीं चली। अभियान के दौरान फुटपाथ और सड़क को घेर कारोबार करने वाले को हटाया गया। उन सबों को सड़क से दूर कारोबार करने की चेतावनी दी गई। ऐसा नहीं होने पर जुमार्ना करने और सामान जब्त करने की बात कही गई।

पर्यटन को बढ़ावा व सिख सर्किट पर बातचीत को तख्तश्री कमेटी को तेजस्वी ने बुलाया

सीएम के सार्थक पहल पर पटना साहिब में श्रद्धालुओं की संख्या बढ़ी

सफाई, हेल्थ, सिख सर्किट पर गया, मुंगेर, भागलपुर शहरों में हो काम

पटना सिटी, आनंद केसरी

पर्यटन विभाग के द्वारा बिहार में पहली बार पर्यटन के क्षेत्र में व्यापक प्रचार-प्रसार के लिए दो दिवसीय ट्रैवल एंड टूरिज्म फेयर यात्रा एवं पर्यटन मेला, 2023 का आयोजन किया गया। सम्राट अशोक कन्वेंशन सेंटर में आयोजित कार्यक्रम में पर्यटन विभाग के मंत्री सह डिप्टी सीएम तेजस्वी यादव के अलावा विभाग के अधिकारियों के साथ ही अन्य लोगों के अलावा तख्तश्री हरिमंदिर जी प्रबंधक कमेटी के पदाधिकारियों ने भी भाग लिया। इसमें अध्यक्ष जगजोत सिंह सोही, उपाध्यक्ष गुरुविंदर सिंह एवं महासचिव इन्द्रजीत सिंह शामिल हुए। पर्यटन विभाग द्वारा पैनल वार्ता में अध्यक्ष जगजोत सिंह सोही ने सिख सर्किट के अनेक महत्वपूर्ण विषयों पर अपनी बात रखी। इस उच्चस्तरीय आयोजन में उपमहाद्वीप के अनेक देशों समेत देश के सात प्रमुख राज्यों के प्रतिनिधिगण एवं बिहार के यात्रा, होटल व्यवसाय तथा पर्यटन संघ के प्रतिनिधियों ने भी भाग लिया। पैनल वार्ता के दौरान अध्यक्ष जगजोत सिंह ने कहा कि श्री गुरु गोविंद सिंह जी महाराज के अवतार स्थल तख्तश्री पटना साहिब के विकास व सौंदर्यीकरण में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार का पूरा सहयोग मिल रहा है। यहां आयोजित 350वें प्रकाश पर्व में जिस तरीके से बिहार सरकार के द्वारा व्यवस्था को अंजाम दिया गया, उससे देश-विदेश से आने वाले सिख श्रद्धालुओं के बीच एक सही संदेश गया। इसके बाद तो लगातार यहां श्रद्धालुओं के आने का सिलसिला जारी है। स्थिति यह है कि तख्तश्री कमेटी के पदाधिकारीगण के पास पैरवी के बाद भी लोगों को कमरा रहने के लिए उपलब्ध नहीं हो पा रहा है।

सवाल यह भी है कि आगे कितना सहयोग सिख समाज से और किस-किस क्षेत्र में चाहिए। आने वाले समय में सिख श्रद्धालुओं को पटना और पटना साहिब आने और लौटने की सुविधाओं के साथ ही रहने और खाने-पीने के साथ ही सबसे बड़ा ध्यान सफाई और ट्रैफिक व्यवस्था को लेकर है। पटना साहिब की कुछ बुनियादी समस्याएं हैं, जिसमें एक बड़ी समस्या सफाई और यातायात की है। निश्चित तौर पर तख्तश्री पटना साहिब में पर्यटन विभाग का कार्यालय है। यहां आपके कर्मचारी भी हैं, मगर यहां आपको यहां नोडल ऑफिसर देना होगा, ताकि वह व्यवस्थाओं को देखें। पटना साहिब आने वाले सिख श्रद्धालुओं की पहली पसंद आज राजगीर बन गया है। आज वहां श्री शीतल कुंड गुरुद्वारा भव्य बना है। उसके आसपास जितना विकास और सौंदर्यीकरण की बात की जाए, तो कम है। यहां आने वाली संगत को कमेटी अपने वाहन की मदद से वहां ले जाने और लाने का काम करती है। मगर पर्यटन विभाग को भी यहां से यात्रियों की सुविधा के लिए वहां वाहन बुकिंग सेंटर खोला जाना चाहिए। इससे उन्हें निजी ऑपरेटरों यानी ट्रैवल्स वालों के लफड़े में नहीं फंसना होगा और उनकी यात्रा सुरक्षित भी होगी। उन्होंने कहा कि हमें पटना एयरपोर्ट के साथ ही पाटलिपुत्र, पटना जंक्शन, राजेंद्र नगर और पटना साहिब स्टेशन पर ध्यान देने की जरूरत है। हम सबों ने अपने स्तर से रेल मंत्रालय को लगातार पत्र लिखकर और मिलकर यहां कुछ प्रमुख ट्रेनों के ठहराव की मांग की, जो अब तक पूरी नहीं हो पाई है। अभी दो दिनों पहले हावड़ा नांगलडैम सुपरफास्ट ट्रेन इसकी स्टॉपेज पटना साहिब में नहीं है, जबकि यह प्रमुख तख्त साहिब को जोड़ने वाली ट्रेन है और पटना साहिब में बिना ठहराव लिए हुए गुजर जाती है। अब इसमें जो सीनियर सिटीजन यात्रा करते हैं, उन्हें पटना जंक्शन उतरने के बाद प्लेटफार्म से बाहर आना और वाहन की मदद से गुरुद्वारा पहुंचना होता है। इस दौरान वे सब असुरक्षा, ठगी आदि के शिकार हो जाते हैं। इस पर ध्यान देने की जरूरत है। उन सबों के स्वास्थ्य की जांच के लिए भी स्टेशन और एयरपोर्ट पर सरकार को व्यवस्था करनी होगी। आपने टूरिज्म और सिख सर्किट पर पंजाब और दिल्ली में जो प्रचार प्रचार किया है, वह देश के हर राज्य के शहरों में और विदेशों में भी किए जाने की जरूरत है। राजगीर में भव्य शीतल कुंड गुरुद्वारा बन जाने के बाद आज प्रतिदिन तीन-चार सौ की संख्या में सिख श्रद्धालु राजगीर जाते हैं। यदि गया, मुंगेर, भागलपुर जैसे प्रमुख गुरुद्वारों के विकास और सौंदर्यीकरण पर काम किया जाए, तो संगत उन शहरों में भी जाने को जरूर तैयार होगी। श्री सोही की बातों को सुनने के बाद डिप्टी सीएम तेजस्वी यादव ने उन्हें एक योजना के साथ अगले सप्ताह बातचीत करने को बुलाया है।

18 को तख्तश्री पटना साहिब आएंगी राष्ट्रपति, तैयारियां शुरू

पटना सिटी, प्रात :किरण संवाददाता

देश की राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू 18 अक्टूबर को तख्तश्री हरिमंदिर जी पटना साहिब पहुंचेगी। इसे लेकर कमेटी के पदाधिकारी के बीच विचार-विमर्श और तैयारी का सिलसिला शुरू हो गया है। इस संबंध में प्रबंधक कमेटी, तख्तश्री हरिमंदिर जी पटना साहिब के अध्यक्ष जगजोत सिंह सोही ने बताया कि राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू 18 अक्टूबर को अपराह्न 4.30 बजे दशमेश पिता साहेब श्री गुरु गोविंद सिंह जी महाराज की अवतार स्थल पहुंचेंगीं। इस दौरान उनके साथ बिहार के राज्यपाल विश्वनाथ आर्लेकर भी आएंगे। पूरी संभावना है कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार भी इस दौरान तख्तश्री पटना साहिब पहुंचेंगे। उनका कार्यक्रम तय हो रहा है। महामहिम राष्ट्रपति के तख्तश्री पटना साहिब गुरुद्वारा आने को लेकर कमेटी के पदाधिकारी व सदस्यों में उत्साह है। उनके यहां दरबार साहिब में आकर मत्था टेकने, गुरु महाराज के जीवन से जुड़े धरोहरों का दर्शन कराने के साथ ही उन्हें यहां के इतिहास से भी अवगत कराया जाएगा। साथ ही राष्ट्रपति महोदय का तख्तश्री कमेटी की ओर से भी सम्मान करते हुए उन्हें बेहतर और धरोहर वाला प्रतीक चिन्ह सौंपने की दिशा में भी काम शुरू हुआ है। कमेटी के अध्यक्ष जगजोत सिंह, महासचिव इंद्रजीत सिंह, सचिव हरबंश सिंह, कनीय उपाध्यक्ष गुरुविंदर सिंह आपस में मंत्रणा कर एवं पटना से बाहर रहे अन्य पदाधिकारी व सदस्यों से भी बात कर रहे हैं। फिलहाल वरीय उपाध्यक्ष लखविंदर सिंह भी जल्द ही पटना साहिब पहुंचेंगे।

शौचालय की टंकी का जुगाड़ खोलने में दो मजदूरों की हुई मौत

सुलतानगंज थाना व मेवा साव गली के बीच निमार्णाधीन मकान में घटी घटना

पटना सिटी, प्रात :किरण संवाददाता

सुलतानगंज थाना के करीब सौ गज पूरब एक निमार्णाधीन मकान में शौचालय की टंकी का जुगाड़ खोलने के दौरान दो मजदूरों की दम घुटने के कारण मौत हो गई। घटना के बाद लोगों का जुटान हो गया। सूचना पुलिस को मिली। मौके पर पहुंची पुलिस ने लोगों की मदद से किसी तरीके से दोनों मजदूरों को शौचालय के बने टंकी से निकलवाने का काम किया। शव का पंचनामा करने के बाद उसे पोस्टमार्टम के लिए नालंदा मेडिकल कॉलेज भेजा गया। बताया जाता है कि मुआवजा की मांग को लेकर दोनों मृतक के परिजन शव को लेने से इनकार कर रहे हैं। घटना के बारे में स्थानीय लोगों ने बताया कि महाराजा बैंड के मालिक मो नौशाद के दो-तीन धूर से भी कम जमीन में मकान का निर्माण का कार्य चल रहा था। जमीन के आगे में एक बड़ा कमरा के बाद सीढ़ी के नीचे शौचालय की टंकी बना था। सुबह में करीब नौ बजे के लगभग मजदूर सब काम करने के लिए पहुंचे। करीब छह-सात मजदूर में से दो शौचालय के बने टंकी में काम करने के लिए रुक गया और बाकी ऊपर छत पर शंटरिंग खोलने और लगाने के लिए चले गए। बनाए गए शौचालय की टंकी में अंदर में कुछ पानी भरा था। इसी टंकी के अंदर रहे जुगाड़ और शंटरिंग को खोलने के लिए एक मजदूर उतरा। चूंकि शौचालय की टंकी को ढंक कर रखा गया था। इस कारण से उसमें खासा गैस बन गया था। जैसे ही मजदूर टंकी के अंदर उतरा, वह छटपटाते हुए चिल्लाने लगा। उसका दम घुटने लगा। इस दौरान ऊपर में रहे उसका दूसरा मजदूर साथी, टंकी के अंदर हाथ बढ़ाया, ताकि उसे खींचकर बाहर निकाला जा सके। मगर हुआ इसके ठीक उल्टा। टंकी के बाहर रहे मजदूर ने जब हाथ बढ़ाया, तो वह उसे खींच नहीं पाया और खुद वह नीचे खींचा गया। इस कारण से दोनों की दम घुटने के कारण शौचालय के निमार्णाधीन टंकी में ही मौत हो गई। घटना की जानकारी जैसे-जैसे लोगों को मिलती गई, वहां पर भीड़ जुटती गई। लोग एक झलक घटनास्थल को देखने और मामले को समझने के लिए जुटे थे। इसी दौरान सूचना मिलने पर सुलतानगंज थानाध्यक्ष नागमणि ने दारोगा दिनेश कुमार को घटनास्थल पर बल के साथ भेजा। किसी तरह रस्सी और बांस की मदद से दोनों के शव को बाहर निकाला गया। दोनों के शव का पंचनामा करने के बाद ठेला की मदद से नालंदा मेडिकल कॉलेज में पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया। इस दौरान दोनों के परिजनों को भी सूचना दी गई। थानाध्यक्ष नागमणि के अनुसार मामले की छानबीन की जा रही है। पोस्टमार्टम रूम के बाहर रहे परिजनों ने बताया कि मजदूर गजेंद्र उर्फ उपेंद्र राय पिता श्रद्धा उर्फ सरदार राय सुबह करीब पांच बजे गांव से काम करने के लिए पटना को चला था। उसने नरेश राय पिता फुदीना राय को भी अपने साथ ले लिया था। गजेंद्र उर्फ उपेंद्र के परिवार में पत्नी सुमन देवी के अलावा दो बेटा और एक बेटी है, जबकि नरेश राय को तीन बेटी 8 साल की अंशु, 6 साल की प्रिया और 4 साल की आराध्या है। पुलिस का कहना है कि शव का पोस्टमार्टम करा दिया गया है। मगर दोनों शव को उनके परिजन ले जाने से इनकार कर रहे हैं। उन सबों का कहना है कि दोनों का परिवार काफी गरीब है और छोटे-छोटे बाल-बच्चे भी हैं। आय का कोई दूसरा जरिया भी नहीं है। ऐसे में दोनों के परिजनों को पर्याप्त मुआवजा दिया जाए। इसके बाद ही वह शव को यहां से ले जाएंगे। शाम तक शव को परिजन रिसीव नहीं कर पाए थे। हालांकि पुलिस इस दिशा में प्रयासरत है कि मकान मालिक और काम कर रहे ठेकेदार एनामुल दोनों के परिवार को आर्थिक मदद दे। पुलिस पदाधिकारी इस बाबत प्रयासरत हैं कि पारिवारिक सुरक्षा योजना के तहत दोनों परिवार को 20-20 हजार और कबीर अंत्येष्टि के लिए राशि मिल जाए।

वार्ड अध्यक्ष एक सप्ताह में बनाएं बीएलए व बूथ कमेटी

राजद महानगर के कुम्हरार विस क्षेत्र की हुई बैठक

प्रात :किरण संवाददाता

पटना सिटी। राष्ट्रीय जनता दल पटना महानगर के कुम्हरार विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र के कार्यकताओं, वार्ड अध्यक्षों और वार्ड प्रभारी की बैठक मुसल्लहपुर हाट परिसर में हुई। इसकी अध्यक्षता राजद महानगर के प्रधान महासचिव उत्तम मेहता और संचालन युवा राजद के प्रदेश सचिव संतोष मेहता ने किया। बैठक में कुम्हरार विधानसभा क्षेत्र के 17 वार्ड के बूथ कमेटी और बूथ लेवल एजेंट (बीएलए) बनाने पर जोर दिया गया।सभी वार्ड अध्यक्षों को एक सप्ताह के भीतर बीएलए बनाकर महानगर अध्यक्ष के पास जमा करने का निवेदन किया गया। बैठक में मुख्य अतिथि के रूप में पूर्व विधान पार्षद आजाद गांधी ने संबोधित करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और उपमुख्यमंत्री तेजस्वी प्रसाद यादव ने बिहार में जातीय गणना कर, सूची प्रकाशन के लिए बधाई दिया गया। उन्होंने कहा कि बिहार जातीय गणना करा कर देश में एक उदाहरण पेश करने का काम किया है। बैठक में उत्तम मेहता ने वार्ड अध्यक्ष और अतिथियों को गमछा देकर सम्मानित किया। बैठक में प्रमुख रूप से राष्ट्रीय जनता दल के पूर्व प्रदेश महासचिव सह पूर्व पार्षद प्रदीप मेहता, राजद के प्रदेश महासचिव अरुण यादव, महानगर प्रवक्ता संजय सिंह, साबिर अली, उमेश यादव, कृष्णा ठाकुर, राजा सरकार, राजा ठाकुर, कृष्णा मेहता, सुरेंद्र कुमार मेहता, अरुण मेहता, शेषनारायण मेहता इत्यादि सभी वार्ड प्रभारी भी उपस्थित थे।

चाकू के वार से घायल युवक की इलाज के दौरान हुई मौत

पटना सिटी, प्रात : किरण संवाददाता

अगमकुआं थाना क्षेत्र के रसीदाचक गांव में आपसी विवाद में विक्की कुमार नामक युवक की जम कर पिटाई की गई। इसके बाद उसके शरीर पर चाकू से प्रहार कर गंभीर रूप से घायल कर दिया गया। शुक्रवार की रात उसे इलाज के लिए नालंदा मेडिकल कॉलेज अस्पताल के इमरजेंसी में भर्ती कराया गया, जहां इलाज के दौरान शनिवार को उसकी मौत हो गई। इस संबंध में पुलिस का कहना है कि विक्की को हत्या के मामले में जेल भेजा गया था। वह पिछले माह ही जेल से छूट कर आया था। मामले की छानबीन की जा रही है। रसीदाचक का रहने वाला विक्की महतो पिता तरुण महतो का गांव के ही कुछ युवकों से किसी बात को लेकर अनबन हो गया थी। इसी दौरान मारपीट की घटना हुई। इसमें उसे चाकू मार कर घायल कर दिया गया था। उसके गंभीर रूप से घायल होने के बाद मारपीट और चाकू मारने वाले युवक फरार हो गए। उसे रात में ही इलाज के लिए एनएमसीएच के इमरजेंसी में भर्ती कराया गया था। शनिवार को इलाज के दौरान ही उसने दम तोड़ दिया। अगमकुआं थाना के थानाध्यक्ष सुधीर कुमार ने कहा कि छोटी पहाड़ी के रसीदाचक के रहने वाले 19 साल के विक्की कुमार की गांव के लड़के से ही रात में मारपीट की घटना हुई थी। उसके पेट में चाकू मार दिया गया था। एनएमसीएच में उसकी मौत होने के बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए नालंदा मेडिकल कॉलेज भेजा गया। विक्की वर्ष 2022 में इस गांव के रविंद्र महतो के पुत्र शेरा उर्फ बादल हत्याकांड में जेल गया था। इसी मामले में वह 12 सितंबर को जेल से जमानत पर छूट कर बाहर आया था। विक्की के परिजन के बयान पर मामला दर्ज किया गया है।

रोटरी लीडरशिप मंडल स्तर के इंस्टीट्यूट में प्रशिक्षण

प्रात : किरण संवाददाता

पटना सिटी (प्राकि)। रोटरी पटना सिटी सम्राट के तत्वावधान में मंडल स्तरीय रोटरी लीडरशिप ट्रेनिंग इंस्टीट्यूट का उद्घाटन निजी होटल में किया गया। इंदौर से पहुंचे मुख्य अतिथि प्रशिक्षक सुधींद्र मोहन शर्मा के साथ विशिष्ट अतिथि पीडीजी संदीप नारंग तथा पीडीजी राजन गंडोत्रा ने उद्घाटन किया। ट्रेनिंग प्रोग्राम में आए अतिथियों का स्वागत प्रोजेक्ट चेयरमैन सुधीर प्रभात, मंच संचालन मंडल चेयरमैन डॉ सुशील पोद्दार तथा धन्यवाद ज्ञापन चयनित अध्यक्ष देवराज बल्लभ ने किया।

रोटरी सम्राट क्लब के अध्यक्ष मनोज कुमार ने बताया कि मंडल 3250 के विभिन्न रोटरी क्लब से प्रशिक्षण लेने इस शिविर में आए रोटरी सदस्यों को कल दीक्षांत रोटरी स्नातक सर्टिफिकेट प्रदान किया जाएगा। शिविर में भाग ले रहे रोटरी सदस्यों को रोटरी की बारीकियों से अवगत कराया जाएगा, ताकि वे भविष्य में समाज और रोटरी को अच्छा नेतृत्व दे सकें। कार्यक्रम को सफल बनाने में सहायक मंडलाध्यक्ष कुमुद रंजन, चार्टर अध्यक्ष विजय यादव, विनय लांबा, राजेश दीवान, कविता अरोड़ा अनूप कुमार, देवेश नवाडिया, राजकिशोर सिंह, प्रमोद कुमार आदि प्रमुख थे।

एकजुट हो तभी मिलेगी राजनीतिक और सत्ता में उचित भागीदारी : श्याम सुंदर केसरी

फतुहा। वैश्य समाज के सभी उपजातियां एकजुट हो तभी राजनीतिक और सत्ता में उचित भागेदारी मिलेगी उक्त बातें भाजपा नेता सह केसरवानी वैश्य समाज के प्रदेश मीडिया प्रभारी श्याम सुंदर केसरी ने कहा और बताया की वैश्य समाज की वास्तव जनसंख्या -22% है वैश्य समाज उपजातियों में बंटा है। इसलिए पता नहीं चलता है। बिहार सरकार द्वारा जारी जातिय जनगणना में वैश्य समाज के लोगों को अलग-अलग कर उपजातियों में बांटकर दिखाया गया है। वैश्य समाज को एकजुट होकर अब एक मंच पर आने का समय आ गया है। श्याम सुंदर केशरी ने कहा कि जब तक वैश्य समाज की सभी उपजातियां एकजुट नहीं होगी तब तक राजनीतिक और सत्ता में उचित भागेदारी नहीं मिलेगी। हालांकि भारतीय जनता पार्टी वैश्य समाज को उचित प्रतिनिधित्व दे रही है।

जलापूर्ति पाइप फटने से घरों मे गंदा पानी की आपूर्ति

माल सलामी थाना के सामने सड़क पर बह रहा पानी

प्रात :किरण संवाददाता

पटना सिटी। वार्ड 69 के मालसलामी थाना के सामने गली के पास पिछले अनेक दिनों से पानी आपूर्ति का पाइप फट गया है। इससे सड़क पर पानी का बहाव हो रहा है। जब भी बोरिंग चलता है तो जलापूर्ति पाइप से पानी सड़क पर बहता रहता है। इससे सड़क भी टूट रही है। स्थानीय नागरिकों का चलना दूभर हो गया है। जलापूर्ति पाइप फटने से घरों में नल से गंदा और बदबूदार पानी आने पर भैंसानी टोला, बड़ी बगैइचा आदि मोहल्ला की जनता परेशान है। इसकी शिकायत स्थानीय पार्षद और जल पर्षद के अभियंता से भी की गई है। स्थानीय नागरिकों की समस्या पर प्रदेश कांग्रेस पिछड़ा प्रकोष्ठ के महासचिव अशोक यादव ने पटना निगम के निगमायुक्त से दो दिनों में समस्या का निदान करने की मांग की है। उन्होंने कहा कि क्षेत्र मे गंदा पानी पीने से बीमारी फैलने की आशंका है। साथ ही जल्द समस्या का समाधान नहीं किया गया, तो जनता द्वारा सड़क जाम करने की चेतावनी दी गई है।

जिला स्तरीय प्रशिक्षण कार्यशाला आयोजित

प्रात : किरण संवाददाता

सहरसा। आगामी लोकसभा चुनाव के संदर्भ में शनिवार को जिला स्तरीय मास्टर प्रशिक्षक द्वारा प्रशिक्षण कार्यशाला आयोजित किया गया। इस अवसर पर वरीय पदाधिकारी सह अपर समाहर्ता, नोडल पदाधिकारी प्रशिक्षण सह वरीय उपसमाहर्ता,उप निर्वाचन पदाधिकारी एवं व्याख्याता गजेंद्र प्रसाद मेहता द्वारा विभिन्न विषयों पर प्रशिक्षण दिया गया। इस प्रशिक्षण के माध्यम से मतदान प्रक्रिया,ईवीएम, वीवी पैट,सहित आदर्श आचार संहिता पालन सहित जानकारी विस्तृत रूप से दी गई। साथ ही साथ प्रशिक्षक द्वारा समूह को सेक्टर ऑफिसर व सेक्टर मजिस्ट्रेट की भूमिका के संबंध में तथा संवेदनशील अति संवेदनशील चुनाव केन्द्र के संबंध में प्रशिक्षण के माध्यम से दिया गया।वही प्रशिक्षण प्राप्त करे कर्मियो को प्रपत्र भरवाकर सैद्धांतिक एवं प्रैक्टिकल कर तकनीकी जानकारी दी।

सीनेट सदस्यों ने जताया विरोध

आरा।सीनेट सदस्य प्रोफेसर बलिराज ठाकुर एवं राज्यपाल द्वारा नामित सीनेट सदस्य संतोष तिवारी ने कुलपति डॉक्टर शैलेंद्र कुमार चतुर्वेदी के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज कराए जाने पर शिक्षा विभाग के इस कदम को शरारतपूर्ण बताते हुए कहा है कि यह प्राथमिकी शीघ्र वापस ली जाए। विदित है कि शिक्षा विभाग के प्रधान सचिव डॉक्टर के.के.पाठक के दुर्भावनापूर्ण आदेश पर प्राथमिकी दर्ज हुई है। डॉक्टर के. के. पाठक ने अपनी सीमा के विरुद्ध यह कदम उठाया है। सीनेट सदस्यों ने कहा है कि बिहार विश्वविद्यालय में कथित वितीय अनियमितता से कुलपति डॉक्टर चतुर्वेदी का कोई संबंध नहीं है। बयान में कहां गया है कि एक प्रतिष्ठित कुलपति पद पर काम कर रहे डॉक्टर चतुर्वेदी के सम्मान के खिलाफ हुई दुर्भावनापूर्ण प्राथमिकी से शिक्षाझजगत हतप्रभ है।

क्या लेके आया बन्दे क्या लेके जायेगा- दूरदर्शन कलाकार रामदास कैली

प्रात : किरण संवाददाता

पटना। मीठापुर स्थित कबीर पंथी आश्रम कबीर साई मंदिर में आज शनिवारीय साप्ताहिक सत्संग का आयोजन मंहत ब्रजेश मुनि महाराज जी के पावन सानिध्य में आयोजित किया गया। इस अवसर मुख्य अतिथि के रूप में मोहाली चंडीगढ़ से पधारे कबीर पंथ अनुरागी दूरदर्शन कलाकार रामदास कैली साहेब ने सद्गुरु कबीर साहेब के भजन गाते हुए उन्होंने कहा क्या लेके आया बन्दे क्या लेके जायेगा। दो दिन की जिन्दगी है दो दिन का मेला। तुम जब इस संसार में आये थे तो क्या लेकर आये थे और क्या है जो तुम लेकर जाओगे। उल्लेखनीय है की जीवन के लिए धन, दौलत और साधन संपन्न होना जरुरी है। भारतीय संस्कृति कभी यह नहीं सिखाती है कि गरीब बन कर जीवन कोक्ष बिताओ। लेकिन यह भी गौरतलब है की कहीं धन दौलत कमाना कहीं "रोग" नहीं बन जाए। उतना काफी है जिससे यह जीवन आराम से चल सके बाकी साथ कुछ नहीं जाना है। तन के कपड़े भी यहीं रह जाने हैं। इस अवसर पर उन्होंने बिहार विधानसभा में स्थित बनी हुई कबीर वाटिका का अवलोकन किया और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को धन्यवाद दिया, जिन्होंने कबीर साहेब के नाम से बिहार विधानसभा में कबीर वाटिका का निर्माण किया। इस अवसर पर जेष्ठ पत्रकार हर्दय नारायण झा मानसरा शांति लोक कल्याण के सचिव करी पांडे आदि उपस्थित थे।

जातीय गणना के आंकड़ों पर महागठबंधन में आक्रोश

पटना सिटी। भाजपा के वरिष्ठ नेता एवं प्रदेश प्रवक्ता प्रभाकर कुमार मिश्र ने कहा कि जातीय गणना के आंकड़ों पर महागठबंधन के घटक दलों के नेताओं में गहरा आक्रोश है। जदयू के अनेक नेता आंकड़ों पर अपनी नाराजगी जता रहे हैं। श्री मिश्र शनिवार को जारी प्रेस विज्ञप्ति में कहा कि जदयू के सांसद सुनील कुमार पिंटू अकेले नहीं हैं, जो जातीय गणना के आंकड़ों पर विरोध दर्ज कर रहे हैं। लेकिन, जदयू के एक बड़बोले नेता भाजपा के प्रति पूर्वाग्रह से ग्रसित हैं। उन्हें हर बात के पीछे भाजपा नजर आती है। भाजपा न तो किसी को बुलाती है, न भगाती है। मगर यह सच है कि जदयू के अनेक नेता विकल्प की तलाश में हैं। जदयू में रहने से उनके राजनीतिक भविष्य पर संकट दिख रहा है। इसलिए यह तय है कि आने वाले दिनों में जदयू के अनेक नेता दूसरे दलों का दामन थामेंगे। जहां तक सुनील कुमार पिंटू की बात है, तो यह सच है कि वे भाजपा के सदस्य रहे हैं और भाजपा के टिकट पर सीतामढ़ी से अनेक बार विधानसभा चुनाव जीत चुके हैं। पिछले लोकसभा चुनाव में जब जदयू के पास कोई उम्मीदवार नहीं था, तब भाजपा ने जदयू को सुनील कुमार पिंटू के रूप में जिताऊ उम्मीदवार दिया था।

राज्य में बड़े पैमाने पर प्रशासनिक पदाधिकारियों का तबादला

सामान्य प्रशासन विभाग ने तबादला से संबंधित अधिसूचनाएं जारी की

पटना, प्रात : किरण संवाददाता

राज्य में बड़े पैमाने पर प्रशासनिक पदाधिकारियों का तबादला किया गया है। सरकार के सामान्य प्रशासन विभाग ने शनिवार को अफसरों से संबंधित तीन अधिसूचनाएं जारी की। भारतीय प्रशासनिक सेवा के एक अफसर को अतिरिक्त प्रभार दिए जाने की अधिसूचना के बाद एक लगातार दो ट्रांसफर आदेश जारी हुए। एक आदेश के तहत बिहार प्रशासनिक सेवा के 41 और दूसरे आदेश के तहत 29 अफसरों को ट्रांसफर किया गया। सामान्य प्रशासन विभाग द्वारा जारी अधिसूचना में कहा गया है कि बिहार प्रशासनिक सेवा के मूल कोटि के उप सचिव और अपर समाहर्ता स्तर के पदाधिकारियों का ट्रांसफर पोस्टिंग किया गया है। इनमें विज्ञान एवं प्रावैद्दिकी विभाग के संयुक्त सचिव अरुण कुमार सिंह को राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग में संयुक्त सचिव की जिम्मेदारी दी गई है। वहीं बेगूसराय से जिला परिवहन पदाधिकारी राजेश कुमार सिंह को अपर समाहर्ता (लोक शिकायत निवारण) सह जिला लोक शिकायत निवारण पदाधिकारी बनाया गया है। भोजपुर के जिला परिवहन पर अधिकारी जयप्रकाश नारायण को औरंगाबाद के अपर समाहर्ता सह जिला लोक शिकायत निवारण पदाधिकारी की जिम्मेदारी दी गई है। दरभंगा के जिला परिवहन पदाधिकारी राजेश कुमार को

कई जिलों के जिला परिवहन पदाधिकारी बदले गए

कैमूर के अपर समाहर्ता सह जिला लोक शिकायत निवारण पदाधिकारी की जिम्मेदारी दी गई है। मोतिहारी के जिला परिवहन पदाधिकारी प्रमोद कुमार को लखीसराय के अपर समाहर्ता सह जिला लोक शिकायत निवारण पदाधिकारी की जिम्मेदारी दी गई है। गोपालगंज के जिला परिवहन पदाधिकारी मनोज कुमार रजक को किशनगंज के अपर समाहर्ता शहर जिला लोक शिकायत निवारण पदाधिकारी की जिम्मेदारी दी गई है। जहानाबाद के जिला परिवहन पदाधिकारी मनोज कुमार को अपर समाहर्ता सह जिला लोक शिकायत निवारण पदाधिकारी, शिवहर की जिम्मेदारी दी गई है। खगड़िया के जिला परिवहन पदाधिकारी मनीष कुमार को अरवल के अनुमंडलीय लोक शिकायत निवारण पदाधिकारी की जिम्मेदारी दी गई है। नवादा के जिला परिवहन पदाधिकारी अनुराग कौशल सिंह को सामान्य प्रशासन विभाग के लोक शिकायत निवारण पदाधिकारी की जिम्मेदारी दी गई है। समस्तीपुर के जिला परिवहन पदाधिकारी चितरंजन प्रसाद को सामान्य प्रशासन विभाग के लोक शिकायत निवारण प्राधिकारी की जिम्मेदारी दी गई है। जमुई की वरीय उप समाहर्ता भारती राज को राजगीर अनुमंडल का लोक शिकायत निवारण प्राधिकारी बनाया गया। पूर्वी चंपारण मोतिहारी वरीय उपसमाहर्ता पूजा कुमारी को वरीय उपसमाहर्ता पटना का पदभार दिया गया। जहानाबाद की वरीय उपसमाहर्ता रत्न प्रियदर्शनी को औरंगाबाद की वरीय उपसमाहर्ता के पद की जिम्मेदारी दी गई है। नवादा सदर अनुमंडल के लोक शिकायत निवारण पर अधिकारी प्रशांत अभिषेक को गोपालगंज सदर अनुमंडल के लोक शिकायत निवारण पदाधिकारी की जिम्मेदारी दी गई है। नवादा की वरीय उपसमाहर्ता प्रियंका सिंह को गोपालगंज के हथुआ अनुमंडल के लोग शिकायत निवारण पदाधिकारी की जिम्मेदारी दी गई है। नवादा के वरीय उप समाहर्ता विश्वजीत कुमार को गया के टेकारी अनुमंडल के लोक शिकायत निवारण पदाधिकारी की जिम्मेदारी दी गई है। नवादा की जिला पंचायत राज पदाधिकारी अंशु कुमारी को वरीय उपसमाहर्ता गया की जिम्मेदारी दी गई है। गया की वरीय उपसमाहर्ता अमृता ओशो को रोहतास के वरीय उपसमाहर्ता के पद पर तैनात किया गया है। खगड़िया सदर अनुमंडल के लोक शिकायत निवारण पदाधिकारी नवाजिश अख्तर को राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग के विशेष कार्य पदाधिकारी के रूप में तैनात किया गया है। वैशाली की वरीय उपसमता रचना सिंह को शिवहर के अनुमंडलीय लोक शिकायत निवारण पदाधिकारी के रूप में तैनात किया गया है। सिवान की वरीय उपसमाहर्ता प्रियंका कुमारी को दरभंगा के वरीय उपसमाहर्ता के रूप में तैनात किया गया है। पूर्णिया की वरीय उपसमाहर्ता सुनीता कुमारी को किशनगंज के वरीय उपसमाहर्ता के रूप में तैनात किया गया है। भोजपुर की वरीय उपसमाहर्ता दीपिका कश्यप को वैशाली की वरीय उपसमाहर्ता के रूप में तैनात किया गया है।

अतिपिछड़ा समाज के लिए युगपुरुष हैं नीतीश : जदयू

- नीतीश की नीतियों का लोहा मान रहा है देश : राजीव

पटना। जदयू के राष्ट्रीय महासचिव व प्रवक्ता राजीव रंजन ने कहा कि कपूर्री ठाकुर के बाद नीतीश कुमार ऐसे पहले राजनेता हैं जिन्होंने अतिपिछड़ा समाज के दुःख दर्द को समझा और उन्हें दूर करने के लिए पूरी ईमानदारी से प्रयास किये हैं। यह उन्हीं की करायी जातिगत गणना की देन है कि जिस अतिपिछड़ा समाज को राजनीतिक दल वोटबैंक से अधिक महत्व नहीं देते थे, आज उसके विकास की बात राष्ट्रीय विमर्श बन चुका है। नीतीश जी के कारण ही आज भाजपा जैसे अतिपिछड़ा विरोधी दल को भी इस समाज के आगे-पीछे घुमने पर मजबूर होना पड़ रहा है। दरअसल, शनिवार को पटना के हार्डिंग रोड में अतिपिछड़ा समाज के प्रमुख नेताओं की एक महत्वपूर्ण बैठक का आयोजन किया गया। इस अवसर पर उपस्थित अतिपिछड़ा समाज के नेताओं ने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व मे आस्था जताते हुए उनके किये कार्यों को बिहार के जन जन तक पहुंचाने का संकल्प भी लिया। मौके पर मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को अतिपिछड़ा समाज का युगपुरुष बताते हुए उन्होंने कहा कि वास्तव में नीतीश जी की नीतियों का लोहा आज पूरा देश मान रहा है। बिहार की देखादेखी आज सभी राज्यों में जातिगत गणना करवाने की होड़ मच चुकी है। उड़ीसा से इसकी शुरूआत भी हो चुकी है, जहां अतिपिछड़ों की संख्या 45 प्रतिशत होने की बात सामने आ रही है। छतीसगढ़ और राजस्थान जैसे राज्यों में तो यह चुनावी वादा बन चुका है। वह दिन दूर नहीं जब केंद्र सरकार को भी इसे देशव्यापी स्तर पर करवाने को मजबूर होना पड़ेगा। हकीकत में नीतीश कुमार की इस पहल ने पूरे देश को अतिपिछड़ा समाज की ताकत दिखला दी है। इससे राजनीतिक दलों को समझ में आ गया है कि अब अतिपिछड़ों को बरगला कर उन पर शासन करने के दिन लद चुके हैं। अब अपनी संख्या के दम पर अतिपिछड़ा समाज खुद आगे बढ़ कर शासन की बागडोर थामने वाला है। केंद्र सरकार से देशव्यापी स्तर पर जातिगत गणना करवाने की मांग करते हुए जदयू महासचिव ने कहा कि बिहार के बाद ओड़िसा में अतिपिछड़ा समाज के बहुसंख्यक साबित होने के बाद यह तय है कि यदि राष्ट्रीय स्तर पर गणना करवाई जाए तो अतिपिछड़ा समाज की संख्या देश की आधी आबादी से भी अधिक हो सकती है। केंद्र सरकार से हमारी मांग है कि जल्द से जल्द पूरे देश में जातिगत गणना करवाए। इससे न केवल पूरे देश भर में अतिपिछड़ों की वास्तविक स्थिति पता चलेगी बल्कि उन्हें लक्षित कर के योजनायें बनाने में भी आसानी होगी। इस मौके पर जदयू अतिपिछड़ा प्रकोष्ठ के अध्यक्ष डॉ धर्मेन्द्र चन्द्रवंशी ने नीतीश कुमार को अतिपिछड़ा समाज का सबसे बड़ा हितैषी बताते हुए कहा कि नीतीश के इतने वर्षों के कार्यकाल में सरकार ने समाज के हर तबके को केन्द्रित करके काम किये हैं। उन्होंने कहा कि अतिपिछड़ा समाज के युवा विशेषकर बेटियां अशिक्षा से प्रभावित थी, लेकिन नीतीश सरकार द्वारा चलाई गयी साईकिल योजना, पोशाक योजना, छात्रवृत्ति योजना आदि ने पूरी तस्वीर बदल कर रख दी। इसी तरह बाल विवाह और शराब के खिलाफ उठाये गये कदमों का भी सर्वाधिक लाभ इसी समाज को मिला है। भारतीय धानुक महासंघ के अध्यक्ष शंकर प्रसाद व कानू विकास संघ के अध्यक्ष अजय कुमार ने अपने संबोधन में कहा कि श्री नीतीश सरकार के कारण ही आज बिहार के हर गांव में बिजली, पानी और सड़क की सुविधा पहुंच चुकी है. जीविका के माध्यम से ग्रामीण महिलाओं में स्वावलंबन की भावना जागृत हुई है. अतिपिछड़ा समाज के लोग इससे भी बड़ी संख्या में लाभान्वित हुए हैं। यह उन्हीं के किये कार्यों का प्रतिफल है कि आज बिहार की 10.98 की विकास दर, देश के विकास दर से भी अधिक है. राज्य के विकास में हुई यह बढ़ोतरी से आम बिहारवासियों के जीवनस्तर में भी सुधार हुआ है। उनकी आमदनी भी लगातार बढ़ रही है। आर्थिक सर्वेक्षण रिपोर्ट के मुताबिक बिहार में प्रति व्यक्ति सालाना आय 6400 बढ़कर 54,383 रुपए हो गई है। इसका सबसे अधिक लाभ अतिपिछड़ा समाज को ही मिला है। इसके अतिरिक्त सड़क, बिजली पानी की व्यवस्था में हुई सुधार ग्रामीण इलाकों में आई समृद्धि का लाभ भी इसी वर्ग को मिला है। बैठक में लोहार कल्याण समिति के अध्यक्ष सत्यनारायण शर्मा, धानुक महासंघ के संरक्षक कार्तिक प्रसाद, कानू विकास संघ के प्रधान महासचिव कृष्ण नंदन साव, धानुक महासंघ के उपाध्यक्ष विजय कुमार राय, चन्द्रवंशी समाज के वरिष्ठ नेता सुनील चन्द्रवंशी, गजेन्द्र सिंह, अशोक चन्द्रवंशी, अजित कुमार, प्रमोद महतो, शशिभूषण, पप्पू कानू आदि उपस्थित रहें।

भाजपा के वाशिंग मशीन की पूरी दुनिया में मार्केटिंग-ब्रांडिंग होनी चाहिए : ललन

पटना। जदयू के राष्ट्रीय अध्यक्ष सह लोकसभा सांसद राजीव रंजन सिंह उर्फ ललन ने शनिवार को एक वीडियो ट्वीट कर गृहमंत्री अमित शाह पर तंज कसा। राष्ट्रीय अध्यक्ष ने अपने ट्वीट में लिखा कि जिस वाशिंग मशीन से भाजपा भ्रष्टाचारियों को सदाचारी बनाती है, उस वाशिंग मशीन की पूरी दुनिया में मार्केटिंग-ब्रांडिंग होनी चाहिए। देश में तो बिक ही रहा है, पूरी दुनिया में खूब बिकेगा। दरअसल, जदयू के राष्ट्रीय अध्यक्ष ललन सिंह ने शनिवार को एक ट्विट किया है। इसमें उन्होंने पीएम मोदी, गृह मंत्री अमित शाह, भाजपा सहित एनडीए को निशाने पर लिया है। ललन सिंह ने एक वीडियो ट्विट में पीएम मोदी के नाम वाले डिटर्जेंट पावडर को दिखाया है जिसमे मोदी वाशिंग पाउडर नाम दिया गया है। ललन सिंह ने इस पोस्ट के साथ लिखा है कि इस वाशिंग मशीन की पूरी दुनिया में मार्केटिंग-ब्रांडिंग होनी चाहिए। देश में तो बिक ही रहा है, पूरी दुनिया में खूब बिकेगा।

श्यामनन्दन पासवान राजद के प्रदेश महासचिव मनोनीत

पटना। श्यामनन्दन पासवान राजद के प्रदेश महासचिव मनोनीत गया है। उक्त जानकारी उक्त जानकारी पार्टी के प्रदेश प्रवक्ता चित्तरंजन गगन ने दी है। उन्होंने बताया कि राजद के राष्ट्रीय अध्यक्ष लालू प्रसाद के परामर्श से प्रदेश अध्यक्ष जगदानन्द सिंह द्वारा बेउर पटना निवासी श्यमनन्दन पासवान को राजद का प्रदेश महासचिव मनोनीत किया गया है।

आयुक्त ने की जनसंवाद कार्यक्रमों की समीक्षा

- पारदर्शिता तथा उत्तरदायित्व सुनिश्चित करना प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता : आयुक्त

पटना, प्रात : किरण संवाददाता

प्रमंडलीय आयुक्त कुमार रवि ने कहा है कि आम जनता का एक-एक सुझाव बहुमूल्य है। सभी जिला पदाधिकारी जनसंवाद बैठकों में लोगों से प्राप्त फीडबैक, प्रतिक्रियाओं एवं सुझावों पर सरकार द्वारा निर्धारित प्रावधानों के अनुरूप त्वरित कार्रवाई करें। वे आज आयुक्त कार्यालय स्थित अपने कार्यालय प्रकोष्ठ में इस विषय पर आयोजित प्रमंडल-स्तरीय एक बैठक में पदाधिकारियों को संबोधित कर रहे थे। इसमें प्रमंडल अन्तर्गत सभी छः जिलों-पटना, नालन्दा, भोजपुर, बक्सर, रोहतास एवं कैमूर-के जिला पदाधिकारी उपस्थित थे। आयुक्त श्री रवि ने कहा कि राज्य सरकार के निदेश के आलोक में सभी ज़िलों में तीन स्तरों पर-ज़िला स्तरीय, अनुमंडल स्तरीय तथा प्रखंड स्तरीय- जनसंवाद कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है। उन्होंने इसपर हर्ष व्यक्त किया कि इन कार्यक्रमों को सफलतापूर्वक आयोजित किया जा रहा है। काफी बड़ी संख्या में लोग उत्साहपूर्वक से भाग ले रहे हैं, योजनाओं से प्राप्त लाभ पर अपना-अपना अनुभव साझा कर रहे हैं तथा जन-जन को जागरूक करने के सरकार के अभियान में भरपूर सहयोग प्रदान कर रहे हैं। यही जनसंवाद का मुख्य उद्देश्य है जिसकी पूर्ति सफलतापूर्वक की जा रही है। आयुक्त श्री रवि द्वारा सभी जिला पदाधिकारियों से एक-एक कर उनके जिले में जनसंवाद कार्यक्रमों के आयोजन तथा जनता से प्राप्त फीडबैक के बारे में जानकारी ली गई। जिला पदाधिकारियों ने आयुक्त के संज्ञान में लाया कि सरकार के निदेश के आलोक में उनके जिला के सभी प्रखंडों में आम जन को विभिन्न लोक-कल्याणकारी एवं विकासात्मक योजनाओं की जानकारी प्रदान करने तथा उनके सुझाव प्राप्त करने हेतु जनसंवाद बैठक का रोस्टर के अनुसार आयोजन किया जा रहा है। इन बैठकों में आम जनता को लगभग 24 विभागों की 54 योजनाओं की विस्तार से जानकारी दी जा रही है तथा योजनाओं के क्रियान्वयन के संबंध में उनका फीडबैक भी लिया जा रहा है। शिक्षा, कृषि, स्वास्थ्य, समाज कल्याण, आपदा प्रबंधन, अल्पसंख्यक कल्याण, खाद्य एवं उपभोक्ता संरक्षण, अनुसूचित जाति एवं जनजाति कल्याण, पिछड़ा एवं अति पिछड़ा वर्ग कल्याण, सहकारिता, पंचायती राज, ग्रामीण विकास, सामान्य प्रशासन, ग्रामीण कार्य, उद्योग, ऊर्जा, लोक स्वास्थ्य अभियंत्रण, जल संसाधन, पथ निर्माण, परिवहन, पशु एवं मत्स्य संसाधन, गृह, लघु जल संसाधन, श्रम संसाधन विभाग की जनहित की महत्वपूर्ण योजनाओं की जानकारी दी जा रही है ताकि वे इसका अधिकतम लाभ उठा सकें। सिविल सेवा प्रोत्साहन योजना, बिहार स्टूडेंट क्रेडिट कार्ड योजना, मुख्यमंत्री कन्या उत्थान योजना, कुशल युवा कार्यक्रम, जल-जीवन-हरियाली अभियान, मुख्यमंत्री उद्यमी योजना, मुख्यमंत्री चिकित्सा सहायता योजना, बिहार लोक शिकायत निवारण अधिकार अधिनियम, हर घर नल का जल, मुख्यमंत्री वास स्थल क्रय योजना, जलवायु अनुकूल खेती सहित सभी महत्वपूर्ण योजनाओं के बारे में जन-जन को जागरूक किया जा रहा है। योजनाओं का उद्देश्य एवं प्रगति, लाभ प्राप्त करने की प्रक्रिया, योजनाओं का आम जनता के जीवन में सकारात्मक प्रभाव तथा जन-सहभागिता पर बारीकी से प्रकाश डाला जाता है। लाभार्थियों द्वारा अपना अनुभव साझा किया जा रहा है।आयुक्त श्री रवि ने कहा कि सरकार की लगभग 100 से अधिक योजनाओं तथा कार्यक्रमों ने आम जनता की जीवन शैली पर सकारात्मक प्रभाव डाला है। सरकार की सफल नीतियों के कारण मानव संसाधन विकास के हर सूचकांक पर हमलोग अच्छा कर रहे हैं। आयुक्त ने कहा कि आम जनता योजनाओं का भरपूर लाभ उठाएं। आयुक्त श्री रवि ने कहा कि योजनाओं के सफल क्रियान्वयन हेतु संपूर्ण प्रशासनिक तंत्र सजग, तत्पर तथा संवेदनशील है। इस बैठक में पुलिस उप महानिरीक्षक शाहाबाद रेंज नवीन चन्द्र झा, जिलाधिकारी, पटना डॉ. चन्द्रशेखर सिंह, जिलाधिकारी नालन्दा शशांक शुभंकर, जिलाधिकारी भोजपुर श्री राज कुमार, जिलाधिकारी बक्सर अंशुल अग्रवाल, जिलाधिकारी कैमूर श्री सावन कुमार, रोहतास नवीन कुमार, सभी जिलों के वरीय पुलिस अधीक्षक/पुलिस अधीक्षक, आयुक्त के सचिव प्रीतेश्वर प्रसाद, क्षेत्रीय विकास पदाधिकारी डॉ. विद्यानन्द सिंह एवं अन्य भी उपस्थित थे।

बेऊर जेल में छापेमारी से कर्मियों सहित बंदियों में मचा हड़कंप

पटना, प्रात : किरण संवाददाता

बेऊर जेल में छापेमारी की खबर से कर्मियों व बंदियों में हड़कंप मच गया। शनिवार सुबह-सुबह पुलिस टीम छापेमारी के लिए पहुंची। बताया जा रहा है कि इस छापेमारी में पटना सदर डीएसपी स्वीटी सहरावत और एसडीएम सहित कई बड़े अधिकारी भी जेल पहुंचे हैं। फिलहाल छापेमारी में क्या क्या मिला है, यह स्पष्ट नहीं हो सका है। वहीं इस छापेमारी के बाद बंदियों से लेकर जेल की सुरक्षा में मौजूद कर्मियों में हड़कंप मच गया है। बेऊर के अलावा फुलवारी जेल में पुलिस टीम ने दबिश दी है। सुबह पौने छह बजे से साढ़े आठ बजे तक चली। वहीं जेलों मे सघन रूटीन छापेमारी बताया गया है। पटना जिलाधिकारी के निर्देश पर छापेमारी को लेकर दो अलग अलग टीम गठित की गई थी। बताया जा रहा है कि शनिवार को अचानक एसडीओ सदर,एएसपी दानापुर,सिटी २स्त्र पश्चिमी, बीएमपी के जवान समेत बिहार पुलिस के दर्जनों जवान के साथ अलग अलग टीम द्वारा छापेमारी किया गया है। बताया जा रहा है कि इस छापेमारी में बेऊर जेल से कुछ भी हासिल नहीं हुआ है। हालांकि फुलवारी जेल से बताया जा रहा है कि नशीली दवाएं बरामद की गई है। मामले में आगे की कार्रवाई की जा रही है।

स्व रामविलास पासवान की पुण्य तिथि में आज शामिल होगें केन्द्रीय मंत्री पारस

पटना। राष्ट्रीय लोक जनशक्ति पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष सह केन्द्रीय खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्री पशुपति कुमार पारस तीन दिवसीय दौरा पर शनिवार को पटना पहुँचें। प्रदेश प्रवक्ता ललन कुमार चन्द्रवंशी ने बताया कि श्री पारस के पटना आगमन पर पार्टी के पदाधिकारियों और कार्यकताओं ने फूल मालाओं से भव्य स्वागत किया। आगे चन्द्रवंशी ने बताया कि 8 अक्टूबर को लोजपा और दलित सेना के संस्थापक पद्म भूषण स्व रामविलास पासवान जी की पूण्य तिथि पार्टी कार्यालय में मनाई जा रही है जिसका मुख्य वक्ता केन्द्रीय मंत्री पशुपति कुमार पारस होगें तथा पुण्य तिथि की अध्यक्षता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष व समस्तीपुर सांसद प्रिंस राज जी करेगें। आगे प्रवक्ता ने बताया कि केन्द्रीय मंत्री श्री पारस पार्टी मुख्यालय पटना आने के बाद पार्टी पदाधिकारियों से विचार-विमर्श की तथा पूण्य तिथि को भव्य तरीके से मनाने पर चर्चा एवं उनकी तैयारियों का जायजा लिया। आगे चन्द्रवंशी ने बताया कि कल के पूण्य तिथि कार्यक्रम में राष्ट्रीय लोजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष केन्द्रीय मंत्री पशुपति कुमार पारस एवं प्रदेश अध्यक्ष सांसद प्रिंस राज सहित पार्टी के सभी सांसद, विधान पार्षद एवं नेतागण श्रधैय रामविलास पासवान जी को श्रद्धांजली अर्पित करेगें।

बिहार के राज्यपाल राजेंद्र विश्वनाथ अर्लेकर होंगे कार्यशाला के मुख्य अतिथि

- भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान में 10 को राष्ट्रीय शिक्षा नीति के कार्यान्वयन में शिक्षकों की भूमिका पर एक दिवसीय कार्यशाला का होगा आयोजन

पटना। भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान में मंगलवार को आईआईटी पटना में भारतीय शिक्षा मंडल के सहयोग से राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी 2020) के कार्यान्वयन में शिक्षकों की भूमिका पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन कर रहा है। कार्यशाला के मुख्य अतिथि बिहार के राज्यपाल राजेंद्र विश्वनाथ अर्लेकर होंगे। प्रोफेसर बिंदे कुमार, निदेशक, जबकि आईजीआईएमएस पटना और प्रोफेसर विनीता सहाय, निदेशक, आईआईएम बोधगया विशिष्ट अतिथि होंगे। समारोह की अध्यक्षता आयोजन सचिव बी.आर. शंकरानंद जी और आईआईटी पटना के निदेशक प्रोफेसर टी. एन. सिंह करेंगे। जैसा कि केंद्रीय मंत्रिमंडल ने देश में स्कूल और उच्च शिक्षा प्रणालियों में परिवर्तनकारी सुधारों का मार्ग प्रशस्त करने के लिए तीन साल पहले राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 को मंजूरी दी थी, इसे जमीन पर उतारने के लिए अभी भी एक लंबा रास्ता तय करना बाकी है। एनईपी 2020 एक समावेशी, प्रगतिशील और उत्पादक राष्ट्र बनाने की भारत की प्रतिबद्धता का एक प्रमाण है। यह शिक्षा के तीन स्तंभों - समानता, गुणवत्ता और स्थिरता को कुशलतापूर्वक संतुलित करता है। आजादी के बाद यह पहली ऐसी शिक्षा नीति है, जिसमें दो साल तक लोगों की राय ली गई और उसके बाद राष्ट्रीय शिक्षा नीति का मसौदा तैयार किया गया और राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में स्थानीय भाषाओं को बढ़ावा देने पर जोर दिया गया है। इन बातों को ध्यान में रखते हुए और भारत को फिर से ज्ञान गुरु बनाने के लिए शिक्षा को सबसे महत्वपूर्ण हथियारों में से एक मानते हुए, आईआईटी पटना ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 पर चर्चा करने के लिए विविध शैक्षिक परिदृश्य से राष्ट्रीय स्तर पर प्रसिद्ध विद्वानों को एक साथ लाने एवं अपनी अंतर्दृष्टि और अनुभव साझा करने की जबरदस्त पहल की है।

भारत में है दम, चांद पर पहुंचे हम की थीम को छात्र छात्राओं ने लोक नृत्य में उतारा

पटना। रोटरी क्लब पाटलिपुत्र द्वारा 42वाँ इन्टर स्कुल लोक नृत्य प्रतियोगिता का आयोजन बापू सभागार गांधी मैदान में किया गया। कार्यक्रम का प्रारम्भ अमर कुमार सिन्हा, रेनू सिन्हा, अमित मनकानी, विनय सिंह, सरवन कुमार व मंचासीन अतिथियों ने मंत्रोच्चारण के बीच दीप प्रज्वलन कर के किया। अध्यक्ष समीर झुनझुनवाला ने सब का स्वागत किया। चैयरमेन प्रेम मित्तल ने इन्टर स्कुल लोक नृत्य कमपीटीशन के बारे में बताते हुये कहा कि इस बार 18 विद्यालय की 34 टीमो के माध्यम से 516 प्रतिभागी भाग ले रहे हैं। जिनमे से 10 टीम जूनियर ग्रुप, 13 टीम सीनियर ग्रुप, 11 टीम इस वर्ष की थीम भारत में है दम चांद पर पहुंचे हम पर नृत्य पेश कर रही है। संदीप सर्राफ ने थीम भारत में है दम, चांद पर पहुंचे हम पर विशेष प्रकाश डाला। कार्यक्रम संचालन नवीन गुप्ता, वीणा जैन, शिल्पी चाचान ने किया। कार्यक्रम के मुख्य सहयोगी नटराज सेन्ड एंड स्टोन के निदेशक अमर कुमार प्रसाद सिन्हा रहे। मुख्य अतिथि के रूप में उद्योग मंत्री समीर महासेठ ने इस अदभुत कार्यक्रम के लिए रोटरी पाटलीपुत्र को बधाई दी एवं बच्चों को प्रेरणा सन्देश देते हुए कहा कि पटना में बच्चों की कला को समाज के सामने प्रस्तुत करने का इतना बड़ा कार्यक्रम 1978 से होता आ रहा है इस के लिये रोटरी पाटलिपुत्र के सभी सदस्य का सम्मान करता हूँ. सुबोध जैन, मधु, रुचिका ने कार्यक्रम के ज्यूरी पैनल का सबसे परिचय करवाया। नीति झुंझुनवाला ने प्रतियोगिता के नियम की जानकारी दी। अमित मनकानी, हरी लाल स्वीट्स के संयोजन में बच्चों के लिये व्यंजन मेले का आयोजन किया गया, जिसमें प्रत्येक प्रतिभागियों को निःशुल्क कूपन दिये गये। सचिव स्वाति मोदी ने क्लब के द्वारा किये जा रहे अन्य प्रोजेक्ट्स के बारे मे अवगत कराया। नवीन कुमार सिन्हा ने सभी अतिथियों का स्वागत किया। संयोजक अशोक अग्रवाल ने बताया कि इस प्रोग्राम के लिए एक महीने पहले से तैयारी करनी पड़ती है. क्लब के सभी सदस्यो ने बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया एवं प्रोग्राम को सफल बनाया। रोटरी के अनेक गणमान्य सदस्यों कि उपस्थिति ने कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई, सभी प्रतिभागियों को सर्टिफिकेट एवं हर ग्रुप के विजेता स्कूलों को ट्रॉफी दी गयी। अंत मे अखौरी विश्व प्रिय ने धन्यवाद ज्ञापन दिया।

आयुक्त की अध्यक्षता में विधि-व्यवस्था संधारण के संबंध में प्रमंडल-स्तरीय बैठक का आयोजन

आयुक्त ने कहा: विधि-व्यवस्था संधारण से किसी भी तरह का समझौता नहीं किया जा सकता है

पटना, प्रात : किरण संवाददाता

प्रमंडलीय आयुक्त कुमार रवि ने कहा है कि सुदृढ़ विधि-व्यवस्था संधारण सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। सभी पदाधिकारी इसके लिए सजग, तत्पर एवं प्रतिबद्ध रहें। वे आज आयुक्त कार्यालय स्थित सभाकक्ष में इस विषय पर आयोजित प्रमंडल-स्तरीय एक बैठक में पदाधिकारियों को संबोधित कर रहे थे। इसमें पुलिस महानिरीक्षक, केन्द्रीय प्रक्षेत्र, पटना श्री राकेश राठी, पुलिस उप महानिरीक्षक शाहाबाद रेंज, प्रमंडल अन्तर्गत सभी छः जिलों-पटना, नालन्दा, भोजपुर, बक्सर, रोहतास एवं कैमूर-के जिला पदाधिकारी, वरीय पुलिस अधीक्षक/पुलिस अधीक्षक, अनुमंडल पदाधिकारी, अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी एवं अन्य अधिकारी उपस्थित थे। आयुक्त श्री रवि ने कहा कि पर्व-त्योहार का समय आ रहा है। दुर्गा पूजा, दीपावली एवं छठ पर्व, 2023 के अवसर पर विशेष सतर्कता बरतें। सभी जिला पदाधिकारी एवं वरीय पुलिस अधीक्षक/पुलिस अधीक्षक उत्कृष्ट भीड़-प्रबंधन, सुचारू यातायात तथा अचूक सुरक्षा-व्यवस्था सुनिश्चित करें।सार्वजनिक स्थलों पर भीड़-नियंत्रण के मानकों के अनुसार दण्डाधिकारियों एवं पुलिस पदाधिकारियों की प्रतिनियुक्ति करें। ड्रोन से गतिविधियों पर नजर रखें। जिला पदाधिकारी एवं वरीय पुलिस अधीक्षक/पुलिस अधीक्षक स्वयं भ्रमणशील रहें एवं क्षेत्र का जायजा लें। क्षेत्रीय पदाधिकारीगण सभी हितधारकों (स्टेकहोल्डर्स) से सार्थक संवाद कायम रखें। शांति समिति की ससमय बैठक कर लें। सभी अनुमंडल पदाधिकारी एवं अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी अपने-अपने क्षेत्रों में तैयारियों का पर्यवेक्षण करें। आसूचना तंत्र को सुदृढ़ एवं सक्रिय रखें। सोशल मीडिया मॉनिटरिंग सेल को सतत क्रियाशील रखें। अफवाहों का त्वरित खंडन करें। पूर्व की घटनाओं में शामिल लोगों के विरूद्ध निरोधात्मक कार्रवाई करें। भीड़ की गतिविधियों पर सीसीटीवी से निगरानी करें तथा इस आशय का फ्लेक्स/बैनर जगह-जगह प्रदर्शित करें कि आप सीसीटीवी की नजर में हैं। किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए क्विक रिस्पांस टीम(क्यूआरटी) एवं क्विक मेडिकल रिस्पांस टीम(क्यूएमआरटी)तैनात रखें। मद्य-निषेध अधिनियम का उल्लंघन करने वालों के विरुद्ध सख़्त कार्रवाई करें। आयुक्त श्री रवि द्वारा सभी जिलों के जिला पदाधिकारियों तथा वरीय पुलिस अधीक्षक/पुलिस अधीक्षकों से एक-एक कर उनके-उनके जिले में तैयारियों के बारे में पृच्छा की गई।आयुक्त श्री रवि ने कहा कि दुर्गा पूजा में विभिन्न मंदिरों तथा सावर्जनिक दुर्गा पूजन स्थलों पर श्रद्धालुओं की काफी भीड़ होने की संभावना है। पटना में वृहद तैयारी की आवश्यकता पड़ती है। गाँधी मैदान, पटना में रावण-वध कार्यक्रम होता है। अन्य स्थानों पर भी यह होता है। अतः पटना के साथ बाकी जिलों को भी सतर्कता के साथ तैयारी सुनिश्चित करनी होगी। सभी जिला पदाधिकारी एवं पुलिस अधीक्षक यह सुनिश्चित करेंगे कि प्रतिनियुक्त दंडाधिकारी तथा पुलिस पदाधिकारी भीड़ प्रबंधन के मानकों का दृढ़ता के साथ परन्तु विनम्रतापूर्वक अनुपालन कराएंगे। गश्ती दल द्वारा रेगुलर पेट्रोलिंग की जाए। नियंत्रण कक्ष से भीड़ पर निगरानी रखी जाए। सीसीटीवी कैमरा एवं वीडियोग्राफी के माध्यम से अनुश्रवण किया जाए। मेडिकल कैम्प एवं मे आई हेल्प यू काउण्टर भी क्रियाशील रहे। यथेष्ट प्रशासनिक सतर्कता, यथोचित निगरानी तथा सुरक्षामूलक कार्रवाई करें। आयुक्त ने सभी जिला पदाधिकारियों एवं पुलिस अधीक्षकों; अनुमंडल पदाधिकारियों एवं अपर पुलिस अधीक्षकों/अनुमंडल पुलिस पदाधिकारियों को ससमय शांति समिति की बैठक आयोजित करने का निदेश दिया। अंचल/थाना/अनुमण्डल स्तर एवं जिला स्तर पर शांति समिति की बैठक में स्थानीय स्तर पर सक्रिय युवकों, गणमान्य व्यक्तियों एवं सिविल सोसाईटी के सक्रिय सदस्यों को भी आमंत्रित करते हुए उनसे सुझाव प्राप्त किया जाय तथा बैठक की विधिवत उपस्थिति पंजी एवं कार्यवाही तैयार करायें। सभी पदाधिकारी संवेदनशील एवं अतिसंवेदनशील स्थानों पर विशेष सतर्कता बरतेंगे तथा असामाजिक तत्वों के विरूद्ध निरोधात्मक एवं दण्डात्मक कार्रवाई करेंगे। कॉम्युनिकेशन प्लान सुनिश्चित कर विधि-व्यवस्था का संधारण करेंगे।

बिहार में धार्मिक पर्यटन की अपार संभावनाएं : अभय

धार्मिक पर्यटन के लिए बिहार की संभावनाएं: बौद्ध, जैन, सिख पर्यटन विषय पर हुआ विमर्श

पटना, प्रात : किरण संवाददाता

बिहार में धार्मिक पर्यटन की अपार संभावनाएं हैं। पर्यटन विभाग इस पर गंभीरता से काम क

संक्षिप्त खबरें

शिक्षक के निधन पर शोक

सरायरंजन, समस्तीपुर। सरायरंजन प्रखंड के प्राथमिक मकतब गोपालपुर बरबट्टा में कार्यरत शिक्षक मो० मुबारक हुसैन (42) का शनिवार की सुबह आकस्मिक निधन हो गया। वे काफी मिलनसार, ईमानदार एवं कर्तव्यनिष्ठ शिक्षक थे। वे जोड़पुरा, पटोरी के रहने वाले थे। वे अपने पीछे पांच पुत्र-पुत्रियों से भरापूरा परिवार छोड़ गए हैं। उनके निधन पर बिहार पंचायत नगर प्रारंभिक शिक्षक संघ के जिलाध्यक्ष रामचंद्र राय, महासचिव कुमार गौरव, अंचल प्राथमिक शिक्षक संघ के सचिव अभिराम झा, नवीन कुमार, सुनील कुमार झा, कमलेश कुमार राय, सुभाष कुमार राय, आदित्य कुमार झा, निरंजन कुमार कंठ, संजीव कुमार, सुजीत कुमार, सरोज कुमार झा, रामानंद सहनी, सविता कुमारी, नीतू कुमारी आदि ने शोक जताया है।

गंगसारा पंचायत के निरीक्षण में सभी कर्मचारी राहे मौजूद

सरायरंजन प्रखंड पंचायती राज पदाधिकारी अजय कुमार ने शुक्रवार को गंगसारा पंचायत कार्यालय का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान सभी पंजीयों एवं अभिलेखों की जांच की गई। निरीक्षण में सेवानिवृत्ति पंचायत सचिव तारिणी प्रसाद राय के द्वारा उनके कार्यकाल के दौरान किए गए कार्यों से संबंधित अभिलेख जमा नहीं किए जाने पर उनके विरुद्ध नोटिस जारी करने का आदेश दिया गया। वहीं पंचायत में चल रहे डब्लू पी डब्लू के निर्माण का निरीक्षण के साथ अन्य जन कल्याणकारी योजनाओं की जांच की गई, जिसमें ग्राम पंचायत के द्वारा किए गए कार्यों पर संतुष्टि जताई गई। इसके पश्चात ग्राम पंचायत के प्रतिनिधियों एवं कर्मचारियों के द्वारा एक आवेदन दिया गया। आवेदन में कुछ और असामाजिक तत्वों द्वारा फेसबुक तथा व्हाट्सएप ग्रुप पर भ्रामक तथा अफवाह फैलाने का जिक्र किया गया। वहीं ऐसे असामाजिक तत्वों के विरुद्ध विधिसम्मत कार्रवाई की मांग की गई। मौके पर पंचायत की मुखिया मीना कुमारी, उपमुखिया संतोष कुमार, पंचायत सचिव प्रभात राय, लेखपाल गुंजन कुमारी, तकनीकी सहायक रीना राजभर, कार्यपालक सहायक जगदीश कुमार आदि मौजूद रहे।

बीडीओ ने मुखिया से मांगा स्पष्टीकरण

कल्याणपुर समस्तीपुर। कल्याणपुर प्रखंड विकास पदाधिकारी देवेंद्र कुमार ने सोरमार पंचायत के मुखिया पूनम कुमारी से दो दिन के अन्दर उपस्थित होकर स्पष्टीकरण मांगा है। सोरमार पंचायत के सभी वार्ड सदस्य ने लिखित आवेदन देकर बीडीओ से शिकायत किया है। प्रखंड विकास पदाधिकारी ने पंचायत में हो रहे योजनाओं की जांच की थी जांच क्रम में लोहिया स्वच्छ बिहार अभियान के तहत खरीदे गए ठेला साईकिल बदहाली की स्थिति में मिली थी तथा पंचायत भवन में हो रहे निर्माण कार्य में तकनीकी सहायक और पंचायत सेवक के द्वारा योजना की जानकारी नही दिया गया तथा पंचायत में विना बोर्ड के ही योजना किया जा रहा थ। उन पर लगाए गए सभी आरोप सही पाया गया। वहीं सरकारी योजनाओं को विफल करने का प्रयास करना, राशि का दुरुपयोग करना, कर्तव्यहिंता, लापरवाही और मनमाने ढंग से कार्य जैसे आरोप लगाया है।

पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर विदेशी शराब किया बरामद

कल्याणपुर, समस्तीपुर। चकमेहसी थाना क्षेत्र के डरिया गांव के एक लीची बगान से पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर विदेशी शराब बरामद किया है। इस मामले एसआई मनीषा कुमारी ने बताई की मैकडॉवेल कंपनी का 85.5 लीटर विदेशी शराब बरामद किया गया है। शराब के साथ एक बाइक को भी बरामद किया गया है। कारोबारी भागने में सफल रहा। वहीं थाना अध्यक्ष ने बताया कि बाईक के कागजात के आधार पर प्राथमिक की दर्ज करते हुए आगे कार्रवाई की जाएगी।

भगदड़ संबंधित जोखिम एवं बचाव के संदर्भ में दी जानकारी व मॉक ड्रिल

समस्तीपुर, प्रात : किरण संवाददाता

दुर्गा पूजा, दशहरा मेला व छठ पूजा के नजदीकता के मद्देनजर जिले के सभी प्राथमिक, मध्य एवं उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में मुख्यमंत्री विद्यालय सुरक्षा कार्यक्रम तहत सुरक्षित शनिवार मनाया गया। जिला कार्यक्रम पदाधिकारी सर्व शिक्षा अभियान मानवेंद्र कुमार राय के निर्देशन एवं संभाग के समन्वयक हरिश्चंद्र राय नेतृत्व में जिले के सभी विद्यालयों के फोकल शिक्षकों ने दशहरा, छठ, मोहर्रम आदि पर्वों में भीड़-भाड़ एंव भगदड़ संबंधित जोखिम एवं बचाव के संदर्भ में जानकारी व मॉक ड्रिल का आयोजन कर बच्चों को जानकारी दी। इस दौरान प्रभावती रामदुलारी इंटर विद्यालय कपूर्रीग्राम में बाल प्रेरक का चयन एवं आपदा प्रबंधन समिति का गठन किया गया। इससे पूर्व विद्यालय के बच्चों को राज्य स्तरीय मास्टर ट्रेनर सुभीत कुमार सिंह, फोकल शिक्षक घनश्याम पंडित व शशि गुप्ता ने विद्यालयों में छुट्टी के दौरान एवं दुर्गा पूजा, उत्सव मेला, छठ पूजा, दशहरा, जुलूस आदि में भगदड़ संबंधी जोखिम एवं बचाव को लेकर मॉक ड्रिल के माध्यम से क्या करें क्या ना करें की स्थिति में बच्चों को प्रशिक्षित किया। उन्होंने मानव जनित आपदा भगदड़ के बारे में विस्तृत जानकारी देते हुए बताया कि अभी दुर्गा पूजा एवं दशहरा मेला नजदीक है। और मेले में भगदड़ होने की संभावना होती है। अगर हम थोड़ी सावधानी बरतेंगे तो भगदड़ जैसी मानव जनित आपदा से निपटा जा सकता है। उन्होंने कहा कि भगदड़ वाले इलाके में सजग और अनुशासित तरीके से चलें। बेवजह शोर न मचाएं और अफवाहों पर ध्यान ना दें। भगदड़ जैसी स्थिति के समय धैर्य बनाए रखें। स्थिति सामान्य होने पर घायलों को सुरक्षित स्थान पर ले जाकर उसकी सहायता करें और घायलों के आसपास भीड़ इकट्ठी ना होने दे। पुलिस और राहत कर्मियों के कार्य में सहयोग करें। कार्यक्रम के तहत सभी बच्चों को मॉक ड्रिल के माध्यम से प्राथमिक उपचार और सीपीआई के बारे में बताया गया। भगदड़ होने के प्रमुख कारणों में भगदड़ अक्सर गलत संदेश अथवा अफवाह फैलने के कारण होती है। आपदा की स्थिति में सही समय पर सहयोग प्राप्त ना होने पर भी भीड़ अनियंत्रित हो जाती है। किसी कार्यक्रम या आयोजन में स्थित अपार भीड़ को नियंत्रित करने में असफलता भगदड़ का कारण बनती है। आतंकवादी घटना के कारण भी भगदड़ हो सकती है। किसी भी राजनीतिक अथवा धार्मिक कार्यक्रम प्रबंधन का सही इस्तेमाल न होने के कारण भी भगदड़ होती है। प्राकृतिक आपदा भूकंप, बाढ में भी भगदड़ जैसी स्थिति उत्पन्न होती है।

दिव्यांगजन का प्रखंड स्तरीय समूह का किया गया गठन

विभूतिपुर, प्रात : किरण संवाददाता

विभूतिपुर प्रखंड कार्यालय परिसर में शनिवार को दिव्यांगजन अधिकार अधिनियम 2016 धारा 72 के तहत दिव्यांगजन समूह का बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता प्रखंड विकास पदाधिकारी चंद्र मोहन पासवान तथा संचालन पी डब्ल्यू डी संघ के मिडिया प्रभारी लालू तुरहा कर रहे थे। बैठक में मुख्य अतिथि के रूप में बिहार सरकार फॉर्मर कमिश्नर तथा पी डब्ल्यू डी के राष्ट्रीय संरक्षक डॉक्टर शिवाजी कुमार, विशिष्ट अतिथि विभूतिपुर प्रखंड प्रमुख रूपांजलि कुमारी, पीडब्ल्यूडी संघ के राष्ट्रीय सचिव सुगंध नारायण प्रसाद, पी डब्ल्यू डी समस्तीपुर जिला अध्यक्ष डॉ दीपक कुमार जायसवाल उपस्थित हुए। बैठक में विभूतिपुर प्रखंड स्तरीय समूह का गठन किया गया। जिसमें अध्यक्ष मुंशी कुमार, उपाध्यक्ष मोहम्मद जियाउद्दीन, सचिन सरिता कुमारी, संयुक्त सचिव गंगा प्रसाद महतो, मीडिया प्रभारी मुकेश कुमार, सूचना जनसंपर्क कोषांग प्रभारी चंदा कुमारी, महिला प्रकोष्ठ कोषांग प्रभारी विभा कुमारी, दिव्यांग खेलकूद कोषांग प्रभारी मुकेश कुमार, आरटीआई कोषांग प्रभारी वीर बहादुर सिंह, प्रखंड दिव्यांग रोजगार नियोजन सह निगरानी प्रभारी मोहम्मद सिकंदर, डीपीओ सदस्य सोनावती कुमारी, सुशीला कुमारी, आलोक कुमार झा को चयनित किया गया। साथ ही सभी समूह के प्रतिनिधियों के साथ प्रखंड विकास पदाधिकारी की अध्यक्षता में महीने में एक बार बैठक कर दिव्यांगों की समस्या का समाधान करने का निर्णय लिया गया।

एसबीआई मुसरीघरारी की शाखा में ग्राहक मीट का आयोजन

सरायरंजन, प्रात : किरण संवाददाता

सरायरंजन प्रखंड के मुसरीघरारी स्थित स्टेट बैंक ऑफ इंडिया के शाखा कार्यालय में क्षेत्रीय प्रबंधक वीरेंद्र कुमार की अध्यक्षता में ग्राहक मीट 2023 का आयोजन किया गया। इसमें शाखा प्रबंधक नवीन कुमार ने बैंक की ऋण योजना और सहित त्योहार के मौसम में शून्य प्रोसेसिंग शुल्क लगने के संबंध में विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने कहा कि बैंक से ऋण लेकर अपने जीवन को समृद्ध बनाएं और यह सुनिश्चित करें कि लिए गए ऋण का ससमय वापसी होती रहे। इससे बैंक से आपका संबंध अच्छा रहेगा। साथ ही बैंक द्वारा आवश्यकता अनुसार व्यवसाय को बढ़ाने के लिए ज्यादा वित्तीय सहायता प्रदान की जा सकेगी। वहीं फील्ड ऑफिसर चंदन कुमार ने कार ऋण, गृह ऋण एवं व्यक्तिगत ऋण के लिए अधिकाधिक आवेदन देने के लिए शिक्षकों और ग्राहकों से आग्रह किया। उन्होंने कहा कि यह ऋण त्वरित रूप से अभियान के रूप में संवितरित किए जा रहे हैं। वहीं मुख्य प्रबंधक क्रेडिट ओम प्रकाश, मुख्य प्रबंधक भास कुमार, बैंककर्मी अशोक कुमार राय, शाखा प्रबंधक उजियारपुर, मोरवा, ताजपुर सहित शिक्षक नेता रामचंद्र राय, डीडीओ अखिलेश ठाकुर, कुमार गौरव, फिरदौस आलम, महावीर राय, सोहैब सदरी, सरोज कुमार झा, समीर चंद्र, सुनील कुमार झा, कमलेश कुमार राय, कपिल देव सिंह, संजय कुमार राय आदि उपस्थित थे।

बाढ़ आपदा प्लास्टिक बंटवारा में अनियमितता को लेकर डीएम को सौपा ज्ञापन

प्रात : किरण संवाददाता

सहरसा जिले के महिषी प्रखंड स्थित वीर गांव पंचायत के वार्ड सदस्यों ने बाढ़ आपदा प्लास्टिक वितरण में अनियमितता बरते जाने को लेकर शनिवार को जिलाधिकारी को ज्ञापन सौंप कर उचित कार्रवाई किए जाने की मांग की है। इस संबंध में उप मुखिया मदन राय, पंचायत वार्ड सदस्य आशा देवी, राम सागर साह ने शनिवार को दिए गए आवेदन में कहा कि विगत महीने कोसी नदी के जलस्तर बढ़ने के कारण वीरगांव पंचायत के सभी वार्ड में बड़े पैमाने पर आम लोगों को काफी क्षति पहुंची। वहीं लोग अपना जान माल की हिफाजत करने के लिए कोसी बांध पर सड़क किनारे खुले आसमान में अपने परिवार के साथ जीवन व्यतीत कर रहें है। इस अवसर पर महिषी अंचलाधिकारी एवं अन्य कर्मियों के द्वारा स्थल निरीक्षण करवाया गया।वही आपदा राहत कोष से प्लास्टिक बंटवारा एवं अन्य लाभ का आदेश दिया गया लेकिन पंचायत की विकास मित्र संगीता देवी के पति सत्यदेव राम के द्वारा बड़े पैमाने पर प्लास्टिक बंटवारा में भेदभाव किया गया। उन्होंने करीब 500 प्लास्टिक का उठाव किया उनमें मात्र चार वार्डो में तकरीबन डेढ़ सौ पीस प्लास्टिक का ही बटवारा अपने चहेते लाभकों को देकर अन्य पीड़ित और प्रभावित लोगों को वंचित कर शेष प्लास्टिक को अपने निजी समर्थक के पास छुपा दिया है। ज्ञात हो कि वीरगांव पंचायत में कुल 11 वार्ड है जबकि बाढ़ आपदा का सामग्री प्लास्टिक को तत्काल ही बंटवारा कर देना चाहिए था लेकिन एक महीना से ऊपर हो चुका है। शेष प्लास्टिक का बंटवारा अन्य वार्डों में अभी तक नहीं करवाया गया है जबकि किसी भी वार्ड सदस्यों से कोई सहमति नहीं लिया गया है। जिससे बाढ़ आपदा का वाजिब हकदार परिवार को इस लाभ से वंचित रखा जा रहा है। ग्रामीणों ने जिला अधिकारी से गुहार लगाई की उक्त शिकायत की जांच अपने अधीनस्थ सक्षम पदाधिकारी से करवाते हुए दोषी व्यक्तियों की विरुद्ध उचित कानूनी कार्रवाई करने की मांग की है। साथ ही पंचायत के वार्ड सदस्यों द्वारा चयनित सभी लाभार्थी को प्लास्टिक उपलब्ध करवाने की मांग की है ताकि परिवार इस भयंकर बारिश में अपने परिवार के साथ अपनी जान माल की रक्षा कर सके।

बैगलेस शनिवार को बच्चों ने किया विभिन्न मॉडलों का निर्माण

सरायरंजन, प्रात : किरण संवाददाता

सरायरंजन प्रखंड के उत्क्रमित उच्च माध्यमिक विद्यालय लाटबसेपुरा में शनिवार को बच्चों ने बैगलेस कार्य दिवस के दौरान विभिन्न माडल एवं कलाकृतियों का निर्माण किया। प्रधानाध्यापक अनन्त कुमार राय के नेतृत्व में सम्पन्न इस गतिविधि में बच्चों की रचनात्मकता एवं सृजनशीलता प्रदर्शित हुई। साथ ही सुरक्षित शनिवार के तहत नोडल शिक्षक नागमणि आशुतोष ने दुगार्पूजा, दीपावली, छठ, मुहर्रम आदि पर्वों में भीड़ एवं भगदड़ संबंधी जोखिम व बचाव के बारे में जानकारी दी गई। अर्धवार्षिक मूल्यांकन में वर्ग एक से आठ में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले बच्चों को प्रधानाध्यापक द्वारा पुरस्कृत किया गया। पुरस्कार प्राप्त करने वाले बच्चों में संध्या कुमारी, आलिया कुमारी, सुधांशु कुमार, मो रहमत, सकीना परवीन, दिव्यांशु राज, नेहा कुमारी, सोनाली कुमारी, मुकुन्द कुमार, रोहित कुमार, मनीषा कुमारी आदि शामिल थे। इस अवसर पर शिक्षक गंगा नारायण विद्यार्थी, संजीव कुमार, अजय कुमार, राजेश्वर राम, कमलेश कुमार, कंचन रानी, गायत्री कुमारी आदि उपस्थित थे।

जिलें के खिलाडियों ने कुश्ती खेल प्रतियोगिता में जीता दो कांस्य पदक

प्रात : किरण संवाददाता

सहरसा 67वीं नेशनल विद्यालय अंडर 14 एवं अंडर -17 बालक,बालिका कुश्ती खेल प्रतियोगिता 3 से 7 अक्टूबर शमशावाद जिला विदिशा मध्यप्रदेश में आयोजित कार्यक्रम में बिहार के दो मेडल प्राप्त हुए। अंडर 17 बालिका पहलवान माही कुमारी वजन 43 किलोग्राम में तृतीय स्थान ब्राऊच मेडल प्राप्त किया।दुसरी अंडर 17 बालक पहलवान हरिशंकर कुमार वजन 62 किलोग्राम में तृतीय स्थान ब्राऊच मेडल प्राप्त करके बिहार को दो मेडल लेकर मान सम्मान बढ़ाया। नेशनल कोच हरेंद्र सिंह मेजर ने कहा बिहार में पहले की अपेक्षा अधिक मेंडल आना बिहार के लिए शुभ संकेत है।इससे पहले भी कोटा राजस्थान में नेशनल कोच बनकर गया था तो वहां मेडल प्राप्त हुआ था।आजादी के वाद जिले का पहला नेशनल कोच बनने का गौरव प्राप्त हुआ है। यह गर्व की बात है।इस ऐतिहासिक उपलब्धि पर बिहार कुश्ती संघ के अध्यक्ष विशाल सिंह,महासचिव बिनय कुमार सिंह सहित तमाम जिले की ओर से नेशनल कोच हरेंद्र सिंह मेजर को वधाई शुभकामनाएं दीं।

एम्स निर्माण संघर्ष समिति उप-मुख्यमंत्री कों सौपेगें ज्ञापन

प्रात : किरण संवाददाता

सहरसा कोशी प्रमंडलीय मुख्यालय सहरसा शहर में एम्स महा अस्पताल निर्माण कों लेकर विगत आठ वर्षो से संघर्षशील संघर्ष समिति सड़क सें सदन तथा माननीय न्यायालय तक पीड़ित मानवता व मानवाधिकार की लड़ाई लड़ रही है।उसी क्रम में रविवार को युवा राजद सांगठनिक बैठक में भाग लेने आ रहें उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव कों सहरसा में एम्स अस्पताल निर्माण को लेकर संघर्ष समिति एक ज्ञापन सौपा जाएगा।एम्स निर्माण संघर्ष समिति तेजस्वी यादव को ज्ञापन सौंपकर सहरसा वासी जानना चाहती है कि आखिर एम्स अस्पताल सहरसा में क्यों नहीं बनें।संघर्ष समिति के अध्यक्ष विनोद कुमार झा और संरक्षक प्रवीण आनंद ने कहा कि राज्य और केंद्र सरकार बिना मतलब के एम्स अस्पताल को दरभंगा में फसाए हुई है।जबकि कोशी मुख्यालय सहरसा में एम्स अस्पताल के लिए जमीन उपलब्ध है।बिहार की बीमार लोग ईलाज के लिए देश के कई इलाकों में भटक रही है।उन्होंने जिला के सभी राजद सहित अन्य नेताओं से भी आग्रह है कि एम्स अस्पताल के विषय पर स्वास्थ्य मंत्री का ध्यान आकर्षित कराएं।एम्स सहरसा के लिए अनवरत आंदोलन चल रही है। सुंदर कोशी स्वस्थ कोशी और विकसित कोशी बनाने के लिए अभी सही और उपयुक्त समय है कि सहरसा में एम्स अस्पताल की घोषणा करें सरकार चुकी यह बीमार इलाका है और यहां के लोगों को बेहतर स्वास्थ सुविधा की जरूरत है। दरभंगा शहरी क्षेत्र और आसपास के इलाके में कहीं भी 200 एकड़ भूमि खाली नहीं है और जहां है भी तो वहां केंद्र सरकार ने खारिज कर चुकी है तो अब कहां बनाएगी सरकार एम्स।दरभंगा में नहीं बन सकेगी एम्स तो क्या दूसरे जिलों में नहीं बन सकती है एम्स।

केन्द्रीय मंत्री ने किया बरौनी रिफाइनरी टाउनशिप के मुख्य द्वार स्थित नवनिर्मित अमृत वाटिका का उदघाटन

प्रात : किरण संवाददाता

बेगूसराय ब्यूरो। शनिवार को ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज मंत्री, भारत सरकार सह सांसद, बेगूसराय, गिरिराज सिंह ने इंडियनऑयल, बरौनी रिफाइनरी के कॉर्पोरेट पर्यावरण दायित्व के अंतर्गत बरौनी रिफाइनरी टाउनशिप मुख्य द्वार, कपस्या गेट के पास स्थित नवनिर्मित अमृत वाटिका (हरित पट्टी, खंड-1), का उद्घाटन किया। इस अवसर पर आरके झा, कार्यपालक निदेशक एवं रिफाइनरी प्रमुख, सत्यप्रकाश, कार्यपालक निदेशक (तकनीकी), मुख्यमहाप्रबंधकगण, महाप्रबंधकगण, रिफाइनरी के अन्य अधिकारी, पत्रकार, जनप्रतिनिधि सहित कई अतिथियों की गरिमामयी उपस्थिति में किया। उन्होंने कहा कि बरौनी रिफाइनरी के सकारात्मक सोच के कारण यह कार्य संभव हो पाया है। बेगूसराय की स्थानीय आबादी इस सामुदायिक अमृत वाटिका (हरित पट्टी, खंड-1) का उपयोग विभिन्न गतिविधियों के लिए करेगी। उद्घाटन समारोह के दौरान जुटी भीड़ में खुशी और उत्साह था। श्री सिंह ने हरित पट्टी व पर्यावरण संरक्षण के इस नेक काम के लिए बरौनी रिफाइनरी के प्रति आभार व्यक्त किया और साथ ही सीएसआर/सीईआर पहल के तहत बरौनी रिफाइनरी द्वारा आसपास के इलाकों मे निरंतर प्रयासों के लिए धन्यवाद दिया। मंत्री ने कहा कि ह्लपहले यह जगह कूड़ा करकट और भूमि अतिक्रमण से ग्रस्त था। बरौनी रिफाइनरी के ईडी से बात करने के बाद उन्होंने इसको करीब चार करोड़ की लागत से इस पार्क को बनवाया। पहले इसमें मिट्टी फीलिंग की और इसकी सुंदरता का काम हुआ। मैं समझता हूं कि जितना उपयोगी बेगूसराय के लिए रिफाइनरी है, उससे कम उपयोगी नहीं है यह पार्क। क्योंकि लोगों को घूमने का बेगूसराय में कहीं जगह नहीं है। इसके लिए मैं इस बरौनी रिफाइनरी को कोटि-कोटि धन्यवाद देता हूं कि रिफाइनरी के कपसिया गेट के दोनों तरफ लगभग डेढ़ किलोमीटर से ऊपर की दूरी का पार्क बेगूसराय के लोगों के लिए बहुत ही उपयोगी साबित होगा। उन्होने बताया कि जिस तरीके से इस पार्क को डिजाइन किया गया है, जमीन के आकार को लेकर इससे अच्छा डिजाइन हो नहीं सकता है। जब सारे पेड़ बड़े हो जाएंगे तो लोगों को देखने में बहुत ही सुंदर लगेगा। ठल्-31 के किनारे आईओसीएल के सहयोग से हमारी ग्रीन बेल्ट परियोजना का पहला चरण पूरा हो गया है। अनाधिकृत दुकानों को हटाकर सभी के आनंद के लिए एक सुंदर हराभरा स्थान बना दिया है। यह तो बस शुरूआत है और दूसरे चरण में हरहर महादेव चौक की ओर ग्रीन बेल्ट का विस्तार किया जाएगा। जिससे हमारा शहर और भी हरा और जीवंत हो जाएगा। मौके पर अमृत वाटिका (हरित पट्टी) की परिधि में 50 पौधे लगाए गए। इस अमृत वाटिका में लोगों के लिए घूमने, बैठने की उत्तम व्यवस्था है। पूरे हरितपट्टी में सुंदर घास लगाई गई है। चारों तरफ फेंशिंग को ऊंचा किया गया है। मंत्री ने बरौनी रिफाइनरी इंडियन ऑयल के प्रयासों की भूरी-भूरी प्रशंसा की और भविष्य के लिए शुभकामनायें दी। इस अवसर पर कार्यपालक निदेशक एवं बरौनी रिफाइनरी प्रमुख आरके झा ने कहा कि ये ग्रीन कॉरिडोर मंत्री की कल्पना से प्रेरित होकर हमारे कॉर्पोरेट पर्यावरण दायित्व के तहत विकसित किया गया है।

दबंगों ने विद्यालय में घुसकर शिक्षकों के साथ किया मारपीट, प्राथमिकी दर्ज

विभूतिपुर, प्रात : किरण संवाददाता

विभूतिपुर थाना क्षेत्र के सिंघियाघाट में संचालित विद्यालय यूनिक चिल्ड्रेन एकेडमी के कार्यालय में घुसकर दबंगों ने प्रधानाचार्य एवं शिक्षक शिक्षिकाओं के साथ मारपीट किया। मामले को लेकर सिंघिया बुजुर्ग उत्तर वार्ड 7 निवासी सह यूनिक चिल्ड्रन एकेडमी के प्रधानाचार्य अर्जुन कुमार की पत्नी सह विद्यालय की शिक्षिका रंजना मंडल ने विभूतिपुर थाने में प्राथमिकी दर्ज करायी है। प्राथमिकी के माध्यम से पीड़िता ने बताई की 3 अगस्त को गांव के ही लक्ष्मण ठाकुर, दिनेश पंडित, अनिल साह, अशोक साह, सुनील पंडित विद्यालय के कार्यालय में घुसकर मेरे पति अर्जुन कुमार एवं मेरे भांजा नीरज को जान मारने की धमकी देते हुए 50 हजार रुपए रंगदारी मांगा। नही देने पर विद्यालय बंद करने को कहा। जान की भय से मेरे पति 40 हजार रुपए रवि कुमार को दे दिया। जाते वक्त सभी प्रत्येक महीना 5 तारीख तक रंगदारी जमा करने की बात कह कर चला गया। पुनः 7 अक्टूबर शनिवार को उपर्युक्त नामित के अलावे नरेश साह, परशुराम तथा 5-6 अज्ञात व्यक्ति लाठी, डंडा, पिस्तौल, खंती से लैस होकर विद्यालय संचालन अवधि में आया। बच्चों की पढ़ाई चल रही थी। सभी गाली-गलौज करते हुए मेरे पति की खींचकर बाहर ले जाने लगा। जिसका मै विरोध की तो मुझे भी घसीटने लगा। तथा खंती व लाठी डंडा से हमला कर दिया। मुझे एवं मेरे पति के बदन का कपड़ा भी फाड़ दिया। तथा पांच हजार रुपए छिन लिया। अन्य शिक्षक व बच्चें को आते देख सभी फरार हो गया। थाना अध्यक्ष संदीप कुमार पाल ने बताया कि मामले की प्राथमिकी की दर्ज की गई है। आगे की कार्रवाई की जाएगी।

जमुआरी नदी से 33 हजार के 6 बंडल बिजली के तार बरामद

प्रात : किरण संवाददाता

सरायरंजन, समस्तीपुर। सरायरंजन थाना क्षेत्र के जितवारपुर कुम्हिरा स्थित बीआरकेसी कॉलेज के निकट जमुआरी नदी से शनिवार की दोपहर ग्रामीणों की सूचना पर पुलिस ने 33 हजार के 6 बंडल बिजली के तार को बरामद किया। वहीं तार के अन्य बंडलों की खोज जारी थी। इस संबंध में पुलिस सूत्रों ने बताया कि उन्हें ग्रामीणों के द्वारा गुप्त सूचना मिली थी कि जितवारपुर कुम्हिरा स्थित जमुआरी नदी में भारी मात्रा में बिजली के तार रखे हुए हैं। सहायक विद्युत अभियंता पंकज कुमार, कनीय विद्युत अभियंता उत्तम कुमार एवं पुअनि प्रवीण सक्सेना के निर्देश पर जब नदी में जाकर खोजबीन की गई तो नदी से 33 हजार के 6 बंडल तार बरामद हुई। वहीं नदी में और भी तार के होने की संभावना जताई गई है। संभावना यह भी जताई जा रही है कि दो झढाई वर्ष पूर्व अज्ञात चोरों द्वारा जो जमुआरी नदी के ऊपर से गुजर रहे 33 हजार के बिजली के तार की चोरी की गई थी, उसी तार को चोरों ने यहां रख छोड़ा होगा।

काली पूजा को लेकर हुई बैठक

प्रात : किरण संवाददाता

विभूतिपुर, समस्तीपुर। विभूतिपुर प्रखंड अंतर्गत मां काली मंदिर सिंघिया घाट स्टेशन रोड मंदिर परिसर में काली पूजा की तैयारी हेतु एक बैठक की गई। जिसमें पदाधिकारी एवं सदस्य के चयन किया गया। जिसमें अध्यक्ष उपेंद्र महतो, उपाध्यक्ष पप्पू सिंह, सचिव रविन्द्र कुमार, कोषाध्यक्ष राहुल सिंधिया, अनिल शाह, संदीप कुमार, मनीष कुमार, कुमार गौरव, मुकेश कुमार, संजीव कुमार उर्फ गोल्डी, रवि यादव, लालबाबू यादव, बिट्टू सेठ, अरुण महतो, चंदन कुमार, प्रेमचन्द प्रियदर्शी, राजा सहनी, मनीष लहेरी, गोबिंद महतो, चन्दन कुमार का चयन किया गया।

मजदूर की लाश धर पहुंचते ही मचा चित्कार

विभूतिपुर, प्रात : किरण संवाददाता

हरियाणा से मजदूर की पार्थिव शरीर केराई गांव पहुंचते ही चित्कार मच गई। एंबुलेंस की सायरन सुनते ही लोगों की भीड़ टूट पड़ी। मृतक की माता सुदामा देवी, पत्नी रंजू देवी सहित परिजन दहाड़ मारते हुए रो रो कर बेसुध हो रही थी। परिजन की चित्कार सुनकर हर कोई की आंखे नम हो रहे थे। बता दें शुक्रवार को विभूतिपुर थाना क्षेत्र के केराई पंचायत के वार्ड एक निवासी लाल बिहारी राय के पुत्र शंकर राय की मौत ट्रक हादसा में हो गया। शंकर हरियाणा में रहकर मजदूरी करता था। जहां ट्रक से समान उतारने गया था। खड़ा ट्रक में दूसरे ट्रक ने ठोकर मार दिया। जिससे शंकर का मौत मौके पर हो गई। पोस्टमार्टम के बाद शंकर का पार्थिव शरीर एंबुलेंस से शनिवार को केराई स्थित घर लाया गया। शंकर के दो छोटे छोटे पुत्र दीपांशु व आदित्य है। वहीं लाश आने की सूचना मिलते ही स्थानीय मुखिया चन्द्रमणि प्रसाद सिंह, सरपंच अरूण कुमार, भाजपा नेता अरविंद कुमार कुशवाहा, स्थानीय विधायक अजय कुमार, पूर्व मुखिया रामनंदन सिंह मृतक के घर पहुंचकर श्रद्धांजलि दिया। पीड़ित परिवार को ढांढस बंधाते हुए शव को अंतिम संस्कार के लिए बेगूसराय के अयोध्याघाट भिजवाया।

बेगूसराय में प्रसव के बाद महिला की मौत होने पर परिजनों ने क्लीनिक में किया हंगामा

प्रात : किरण संवाददाता

बेगूसराय। बेगूसराय में प्रसव होने के बाद महिला की मौत के बाद गुस्साए परिजनों ने पावर हाउस रोड स्थित प्रभा हास्पिटल में जमकर हंगामा किया। मौत से गुस्साए परिजनों ने पावर हाउस रोड नगर निगम क्षेत्र संख्या 31 स्थित सड़कों को भी जाम कर दिया। हंगामा के बाद उस जगह काफी देर तक अफरा तफरी का माहौल बना रहा। घटना नगर थाना क्षेत्र के पावर हाउस स्थित एक निजी क्लीनिक की है। मृत महिला की पहचान मुफस्सिल थाना क्षेत्र के सांख गांव के रहने वाले बबलू महतो की पत्नी अमृता देवी के रूप में की गई है। परिजनों ने बताया कि बीती रात महिला को प्रसव कराने के लिए निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां महिला को ऑपरेशन कर बच्चा को निकाला गया। जिसमें बच्चा स्वस्थ है और महिला की मौत हो गई। परिजनों ने यह भी आरोप लगाया है कि महिला को सही ढंग से ऑपरेशन नहीं किया गया। जिसके कारण महिला की स्थिति गंभीर बन गई। स्थिति को देखते हुए महिला को अस्पताल से डॉक्टर के द्वारा दूसरे अस्पताल रेफर कर दिया गया। जहां इलाज के क्रम में महिला की मौत हो गई। उन्होंने बताया कि हम लोग को कोई जानकारी नहीं दी गई कि महिला को दूसरे अस्पताल में भर्ती कराया गया है। जब महिला की मौत हुई तब हम लोग जाने की दूसरे अस्पताल में भर्ती कराया गया है। मौत की खबर लगते ही परिजनों ने निजी अस्पताल पर पहुंचकर डॉक्टर पर इलाज में लापरवाही का आरोप लगाकर जमकर हंगामा करना शुरू कर दिया। साथ ही साथ पावर हाउस चौक स्थित सड़क को भी गुस्साए परिजनों ने जमकर हंगामा करने लगा।परिजनों ने यह भी आरोप लगाया है कि गलत तरीके से महिला को ऑपरेशन किया गया। जिसके कारण से महिला की मौत हुई है। फिलहाल इस घटना के बाद मौके पर नगर थाने की पुलिस पहुंचकर भीड़ को समझाने में जुटे हुए हैं। लेकिन लोग मानने को तैयार नहीं है और हंगामा कर रहे हैं।

संक्षिप्त खबरें

राज्यपाल के स्वागत के लिए सज धज कर तैयार है जलालपुर

जलालपुर। राज्यपाल श्रीराजेंद्र विश्वनाथ आर्लेकर के 8 अक्टूबर रविवार को हो रहे आगमन को लेकर उनकी मेहमाननवाजी के लिए सज धज कर जलालपुर तैयार है राज्यपाल महोदय जलालपुर के हरपुर शिवालय परिसर में बने किसान सम्मान भवन का लोकार्पण करेंगे कार्यक्रम के दौरान विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्टता प्रदर्शित करने वाले लोगों को सम्मानित भी करेंगेसम्मानित होने वालों में खिलाड़ी,शिक्षक,किसान,कोरोनाकाल के दौरान बेहतर कार्यकरने वाले , चिकित्सक स्वतंत्रता सेनानी, व्यवसायी व आम नागरिक भी शामिल हैंस्थल पर तैयारियो की समीक्षा करनेपहुंचे सांसद सिग्रीवाल ने बताया कि महामहिम राज्यपाल महोदय रविवार को 10:00 बजे पहुंचेंगेउन्होने बताया कि तैयारियो को अंतिम रूप दिया जा चुका हैजिले भर में प्रवेश द्वार व तोरण द्वार बनाए गए हैं यह कार्यक्रम ऐतिहासिक होगो मौके पर प्रमोद सिग्रीवाल, गुड्डू चौधरी, हरेंद्र सिंह,निलेश सिंह ढनमन सिंह सहित दर्जनों अन्य भी उपस्थित थे।

ऋण राशि चुकता न करने पर बैंक ने बंधक जमीन पर लिया कब्जा

मशरक। मशरक थाना क्षेत्र के धवरी गोपाल स्थित उतर बिहार ग्रामीण बैंक की शाखा के अधिकारियों ने करीब 6 लाख रुपये से अधिक का बैंक ऋण अदा नहीं कर पाने पर पुलिस की मदद से बकायेदार के जमीन पर कब्जा कर लिया। बैंक ने बंधक जमीन पर अपने बोर्ड लगा कर कब्जा जताया। मौके पर सीओ मशरक राहुल कुमार दल बल के साथ मौजूद रहें। सीओ राहुल कुमार ने बताया कि गोढना गांव में सिंह मिनी फ्लावर मिल की प्रोपराइटर अनुराधा देवी के द्वारा करीब 6 लाख रुपए का लोन उतर बिहार ग्रामीण बैंक धवरी गोपाल से लिया गया जो तय समय पर जमा नहीं किया जा रहा था ।इसके बाद बैंक ने बकायेदार को धारा 8 के तहत कब्जा नोटिस भी जारी किया। इसके बाद भी ऋण की राशि चुकता नहीं करने पर धारा 14 के तहत बंधक रखी संपत्ति पर कब्जा लेने की कार्रवाई शुरू की। बैंक ने बंधक संपत्ति पर कब्जे के लिए डीएम सारण के समक्ष आवेदन किया। डीएम की मंजूरी के बाद शुक्रवार को बैंक के अधिकारियों ने पुलिस फोर्स की मदद से बंधक रखे जमीन एक बिगहा 17 कट्ठा पर कब्जा लेते हुए अपने बोर्ड लगा दिए।

वाहन चेकिंग के दौरान आरोपी को गिरफ्तार कर भेजा जेल

मशरक। स्थानीय थाना पुलिस ने थाने के समीप अभियान चलाकर कर वाहन चेकिंग कर रही थी ।इस दौरान सिवान कि ओर से छापरा कि ओर एक बाइक पर सवार होकर एक युवक जा रहा था ।जहां पुलिस देखकर भागने का प्रयास करने लगा तबतक पुलिस ने उसे धर दबोचा ।गिरफ्तार युवक कि पहचान सिवान जिले के महराजगंज थाना क्षेत्र के पिपरा भंग उछा गांव निवासी नन्द किशोर राय के पुत्र गुड्डु यादव के रूप में हुई है। पुलिस ने उससे बाइक का कागजात कि मांग किया तो उसके पास नहीं था ।जहां पुलिस ने गहन पूछताछ के पश्चात करने के पश्चात उसे जेल भेज दिया।

स्थानांतरित एचएम को दी गयी विदाई

पानापुर(सारण)प्रखंड के प्राथमिक विद्यालय चिमनपुरा के स्थानांतरित एचएम कवींद्र रेणु को शनिवार को विद्यालय परिवार द्वारा एक समारोह आयोजित कर विदाई दी गयी। सिवान के वसंतपुर थानांतर्गत सोहैलपट्टी गांव निवासी श्री रेणु अपने नियुक्ति काल 1994 से ही इस विद्यालय मेंपदस्थापित थे ।प्रोन्नति के बाद उनका स्थानांतरण उत्क्रमित मध्य विद्यालय पानापुर में हुआ है ।29 वर्षो तक विद्यालय में सेवारत शिक्षक के स्थानांतरण पर छात्र एवं उनके अभिभावक गमगीन थे ।इस मौके पर जिलापार्षद रत्नेश कुमार भाष्कर ,परिवर्तनकारी प्रारंभिक शिक्षक संघ के प्रखंड अध्यक्ष जीतेन्द्र कुमार सिंह , सचिव नवल किशोर राय ,रंजीत पांडेय , संतोष कुमार ,सुरेश कुमार यादव ,निरंजन सिंह ,नीरज सिंह सहित अन्य शिक्षक उपस्थित थे।

दो दिन से गायब युवक का अबतक नही चला कुछ पता

शेरघाटी। शहर के पुरानी चट्टी मोहल्ला से मंगलवार से गायब अब तक नहीं चल पाया कुछ पता ।गायब युवक का पहचान रविन्द्र चौधरी उर्फ मैना चौधरी के रूप में किया गया है, इधर पीड़ित परिजनों ने बताया कि युवक घर से शौच के लिए निकला था। जो अबतक घर लौट कर नही आया, हालांकि काफी खोजबीन किया गया लेकिन अब तक कुछ भी पता नहीं चल पाया। गयाब युवक के भाई जितेंद्र चौधरी ने आवेदन देते हुए पुलिस से शिकायत किया है, जिसमे कहा है कि मंगलवार की देर घर से शौच के लिए निकला था। हालांकि काफी खोजबीन किया लेकिन अब तक कुछ भी पता नहीं चल पाया ।थकहार कर इसकी शिकायत पुलिस से की गई है,आवेदन मिलते ही पुलिस मामले ।की छानबीन शुरू कर दी है।

लोकसभा चुनावः सोमवार से शुरू होगा एफएलसी

प्रात : किरण संवाददाता

छपरा ।आसन्न लोकसभा चुनाव के लिए सोमवार से इवीएम का एफएलएसी कार्य प्रारम्भ किया जाएगा। उक्त जानकारी उपनिर्वाचन पदाधिकारी जावेद एकबाल ने राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ आयोजित बैठक में दीं। उन्होंने सभी उपस्थित राष्ट्रीय और राज्य स्तरीय दलों के प्रतिनिधि से इस दौरान उपस्थित रह कर कार्य का अवलोकन करने का आग्रह किया। उन्होंने बताया कि यह कार्य सदर प्रखंड के निकट अवस्थित इवीएम वेयरहाउस के एफएलसी हॉल में प्रातः नौ से संध्या सात बजे तक आगामी एक नवंबर तक प्रत्येक दिन कार्य की समाप्ति तक चलेगा।

एसओपी का होगा सख्ती से अनुपालनः श्री एकबाल ने बताया कि एफएलएसी में चुनाव आयोग के एसओपी का सख्ती से अनुपालन किया जाएगा। कोई भी अनाधिकृत व्यक्ती हॉल में प्रवेश नहीं कर सकता है। दलों के प्रतिनिधियों को भी अध्यक्ष या सचिव का प्राधिकृत पत्र उपस्थापित करना होगा। हॉल में मोबाईल या किसी प्रकार का इलेक्ट्रिक गजेट ले जाना सख्त वर्जित रहेगा। राजनीतिक दलों के प्रतिनिधि लॉगबुक समेत विभिन्न प्रकार के पंजीयों पर अपना हस्ताक्षर दर्ज करेंगे। साथ ही यदि वे चाहें तो सीयू पर लगने वाले पिंक पेपर सील पर भी अपना साइन कर सकते हैं।

सीधे चुनाव आयोग करेगा निगरानी : एफएलसी की प्रक्रिया के निगरानी के लिए तीन सतह की व्यवस्था रहेगी। हाईटेक आईपी कैमरे से वेब टेलीकास्ट किया जाएगा। जिसे डीएम समेत राज्य व भारत निर्वाचन आयोग मॉनिटर करेंगे। वहीं दूसरे सतह पर वेयरहाउस का अपना सीसीटीवी कैमरा चप्पे-चप्पे की रिकार्डिंग करेगा। इसके साथ ही वीडियोग्राफी के माध्यम से भी सभी कार्यवाहियों को रिकार्ड किया जाएगा।

त्रिस्तरीय सुरक्षा के साथ पारदर्शिता का खास इन्तेजामः मौके पर मौजूद एफएलसी कोषांग के प्रभारी पदाधिकारी सह डीएमडब्लूओ रजनीश कुमार राय ने बताया कि यह कार्य कड़ी सुरक्षा वयवस्था में संपन्न कराया जाएगा। वेयरहाउस के अपने स्टैटिक सुरक्षा कर्मी के साथ ही जिला निर्वाचन पदाधिकारी द्वारा अलग से मजिस्ट्रेट और चार एक का फोर्स प्रतिनियुक्त किया गया है। किसी को मेटल डिटेक्टर डोर से गुजर कर ही प्रवेश करना होगा।

इसीआईएल ने भेजे हैं अपने 15 अभियंताः एफएलसी की पूरी प्रक्रिया को अधिकारी द्वय ने समझाते हुए कहा कि यह मशीनों की प्रथम स्तरीय जांच है।

जिसे इसीआईएल के अभियंता पूरी पारदर्शिता के साथ संपन्न करेंगे। इसके लिए पहले सभी मशीनों की प्री एफएलसी जांच होगी। तब विविपैट में डमी सिम्बॉल की लोडिंग होगी। तत्पश्चात प्रत्येक बीयू, सीयू और विविपैट को कनेक्ट कर प्रत्येक 16 बटन पर छह-छह वोट डाले जाएंगे। अंत में डाले गए कुल वोटों के रिजल्ट से विविपैट के पर्ची की गिनती कर मिलान किया जाएगा। टेस्ट में पारित और रद्द मशीनों को आयोग के विशेष ऐप ईएमएस-0 ।2 पर स्कैन के माध्यम से अपलोड किया जाएगा। इस दौरान सीयू पर लगने वाले पिंक पेपर सील का भी विशेष नंबर अपलोड किया जाएगा।

ट्रक से बचाव में अनियंत्रित बाइक बिजली के पोल से जा टकराया

प्रात : किरण संवाददाता

अमनौर(सारण)एस एच 73 अमनौर भेल्दी मुख्य पथ के बीच शेखपुरा गांव के पास अनियंत्रित बाइक चालक ने बिजली के पोल से जा टकराया ।टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि गाड़ी के परचखे उड़ गई ।पोल में टक्करने से बाइक सवार दो ब्यक्ति बुरी तरह घायल होकर खून से लतफत हुए सड़क पर तड़प रहे थे ।घटना शुक्रवार की देर रात्री की है ।छपरा से लौट रहे पूर्व मुखिया बिजय विधार्थी ने घायलों को देख पुलिस को सूचित किया तथा स्थानीय लोगो के सहयोग से आनन फानन में दोनों घायलों को उठाकर सामुदायिक अस्पताल पहुँचाया ।जहा डॉक्टर ने प्राथमिक उपच्चार के बाद दोनों की दैनीय स्थिती को देख छपरा रेफर कर दिया ।जहा उपच्चार के दौरान एक ब्यक्ति की मौत हो गई ।मृतक अमनौर हरनारायण गांव के माना महतो के 45 वर्षीय पुत्र संतोष कुमार बताया जाता है ।वही घयाल युवक मुन्द्रिका महतो के पुत्र राजेश कुमार बताया जाता है ।दोनों एक गाड़ी से सवार होकर राजेश के ससुराल से आ रहे थे ।रास्ते मे जीवित्तिया त्यव्हार के लिए फल सामग्री खरीद कर लौट रहे थे ।अचानक विपरीत दिशा से तेज गति में आ रही ट्रक से बाइक चालक अंसतुलित हो गया ।बचाव करने में सड़क किनारे खरी बिजली के पोल से जा टकराया ।जिससे दोनों बुरी तरह घायल हो गए ।मृतक ब्यक्ति तीन भाई में मझला था ।ये अपने पीछे दो पुत्री दो पुत्र छोर गए ।एक पुत्री की शादी करने वाले थे ।बृद्ध पिता पत्नी रिंकू देवी समेत परिजनों ने शव को देख चीत्कार मार कर रो रहे थे ।घटना से पूरे गांव में मातम छाया हुआ था ।पुलिस पदाधिकारी पहुँच मामले की तहकीकात में जुट गए ।शव को कब्जे में कर छपरा पोस्मार्टम के लिए भेज दिया ।घटना को सुन पीड़ितों के घर लोगो की हुजूम जुटी हुई थी ।स्थानीय मुखिया प्रतिनिधि राजीव सिंह राजपूत,पूर्व मुखिया बिजय विधार्थी उप प्रमुख विवेकानन्द राय बिक्की पहुँच परिजनों को सांत्वना दिया ।इधर बीडीओ मंजूल मनोहर मधुप ने पीड़ित परिजनों को परिवारिक योजना का लाभ देने की बात कही।

स्विफ्ट डिजायर वाहन से पुलिस ने भारी मात्रा में जप्त किया विदेशी, शराब कारोबारी हुआ गिरफ्तार

प्रात : किरण संवाददाता

सोनो बिहार सरकार के द्वारा शराब कारोबारी पर नकेल कसने में लगातार शराब कारोबारी के विरुद्ध लगातार सर्च अभियान चलाई जा रही है, इसी क्रम में जमुई पुलिस अधीक्षक डॉ शौर्य सुमन को गुप्त सूचना प्राप्त हुई थी कि झारखंड से शराब की खेप सोनो की और आ रही है, जमुई पुलिस अधीक्षक के निदेर्शानुसार कार्रवाई करते हुए झाझा एसडीपीओ राजेश कुमार ,सोनो थाना अध्यक्ष चितरंजन कुमार के द्वारा वाहन जांच अभियान खपरिया मुख्य मार्ग पर जांच अभियान चलाया जा रहा था।

इसी क्रम में चकाई और से आ रही एक स्विफ्ट डिजायर गाड़ी हइ 20 4999 को पुलिस के द्वारा चालक को रोकने की प्रयास किया गया परंतु चालक के द्वारा मौके पर से वाहन को लेकर भागने लगे पुलिस को शक होने पर वाहन को पीछा करते हुए भीठरा गांव के समीप वाहन समेत चालक को पकड़ ली गई, थानाध्यक्ष चितरंजन कुमार ने बताया कि चालक के द्वारा पुलिस की नजर पड़ते ही वाहन को भागने की प्रयास किया गया, शराब कारोबारी वाहन के चालक ने संतुलन खो दिया और एक पेड़ में जाकर टकरा गई, वाहन की पुलिस ने जब तलाशी ली तो वाहन के अंदर 16 कार्टून विदेशी शराब जप्त किया गया पुलिस के द्वारा बताया गया कि वाहन से कुल 301 लीटर विदेशी शराब बरामद किया गया, वही शराब कारोबारी गिरफ्तार की पहचान झारखंड के अविनाश कुमार पिता राजेश सिंह ग्राम राणा प्रताप नगर थाना चास जिला बोकारो बताया गया, पुलिस के द्वारा जप्त वाहन और चालक के खिलाफ मध निषेध के विरुद्ध प्राथमिक दर्ज कर पूछताछ की जा रही है, मौके पर उपस्थित सोनो थाने के एसआई रविंद्र कुमार राय,एस आई राजेश कुमार समेत जवान और चालक सिपाही मौके पर उपस्थित थे।

पोखर मे डुबने से 10 वर्षीय बच्चा की हुई मौत, मचा कोहराम

मशरक। मशरक थाना क्षेत्र के सोनौली पंचायत अंतर्गत गोढ़ना बाजार अवस्थित शिव मंदिर परिसर के पोखरा में नहाने के दौरान डूबने से एक बच्चे की मौत हो गयी ।शनिवार को अहले सुबह पानी के ऊपर शव को तैरते देखा गया ।खबर फैलते ही रोते बिलखते परिजन घटनास्थल पहुंचे ।स्थानीय लोगो की मदद से शव को पानी से बाहर निकाला गया ।मृतक मशरक थाना क्षेत्र के गोढ़ना गांव निवासी राजेश राय का 10 वर्षीय पुत्र मंकेश्वर कुमार है। जो गोढ़ना मध्य विद्यालय के वर्ग तीन का छात्र था। ग्रामीणो की सुचना पर पहुंची पुलिस ने शव को अपने कब्जे मे लेकर पोस्टमार्टम के लिए छपरा भेजा ।घटना शुक्रवार को देर शाम की बतायी जा रही है। जीवित्पुत्रिका व्रत को लेकर गांव की सैकड़ो महिलाओ के साथ मृतक छात्र की मां पोखरा मे स्नान करने के बाद शिव मंदिर मे पूजा-पाठ कर घर लौट गयी। जबकि अपनी मां के साथ आया मंकेश्वर गोढ़ना बाजार पर अपने दादा बिहारी राय की शब्जी दुकानदार पर रूक गया। वही से देर शाम नहाने के लिए पोखरा मे गया था। जीवित्पुत्रिका को लेकर पोखर मे नहाने आयी स्थानीय महिलाओ की संख्या देख दुकानदार भी समय से पहले अपनी दुकाने बंद कर घर चले गए थे। जिस कारण बाजार सुनसान पड़ा था। घर और बाजार की दूरी करीब दो सौ गज होने के कारण रात्रि मे उसकी खोजबीन नही हुई। सुबह बच्चे की शव मिलने की खबर मिलते ही घर मे कोहराम मच गया। अपने पुत्र की दीघार्यु के लिए जीवित्पुत्रिका व्रत करने वाली मंकेश्वर की मां का रो रो कर बुरा हाल हो रहा था। वह वार वार यही कह रही थी कि अब किसके लिए करूंगी व्रत। उधर एकलौते पुत्र को खोने के गम मे अपनी तीनो बेटी के साथ शव के पास बैठे उसके पिता के आंखो से आंसू की धार थमने का नाम नही ले रहा था। शोकाकुल परिजनो को संतावना देते पहुंचे स्थानीय सरपंच रामबाबू सिंह, मुखिया इम्तियाज खान सहित अन्य स्थानीय लोगो द्वारा सरकारी मुआवजा दिलवाने का भरोसा जताया।

कुलपति पर हुई प्राथमिकी से वीकेएसयू के शिक्षक नाराज

आरा। वीर कुंवर सिंह विश्वविद्यालय के कुलपति सह बीआरएबि विवि मुजफ्फरपुर के प्रभारी कुलपति डॉ शैलेंद्र कुमार चतुवेर्दी और कुलसचिव सहित अन्य पर मुजफ्फरपुर में हुए प्राथमिकी के बाद शिक्षकों में नाराजगी है। वीकेएसयू के कई शिक्षकों ने कुलपति पर हुई प्राथमिकी की भर्त्सना की है। शिक्षकों ने प्राथमिकी को असंवैधानिक करार दिया है। पीजी अंग्रेजी विभाग के प्रो केके सिंह ने कहा कि हाल के दिनों में बिहार के उच्च शिक्षा में अराजकता का माहौल देखने को मिला है। कुलपति जैसे महत्वपूर्ण पद पर मुकदमा होना खेद का विषय है ।राज्य सरकार को ऐसे मुद्दों पर गंभीरता से विचार करते हुए उच्च शिक्षा की रक्षा करनी होगी ।तब जाकर छात्रों की भलाई हो सकेगी। वहीं हिन्दी के प्रो रणविजय कुमार ने कहा कि विवि का कुलपति का पद संवैधानिक पद होता है ।बिना कुलाधिपति की स्वीकृति के प्राथमिकी कराना संविधान की कई कई धाराओं का उल्लंघन है ।इस तरह की प्रक्रिया में राजभवन की स्वीकृति आवश्यक है। कहा कि कुलपति मुजफ्फरपुर के साथ - साथ वीकेएसयू में सत्र को पूरी तरह नियमित करने में जुटे है। इस तरह के कार्यो से बाधा उत्पन्न होती है। सिंडिकेट सदस्य सह समाजशास्त्र विभागाध्यक्ष प्रो. अवध बिहारी सिंह और प्राचीन इतिहास के हेड डॉ विजय कुमार सिंह ने कहा कि शिक्षा विभाग के अपर सचिव केके पाठक द्वारा जो एफआईआर दर्ज किया गया है, वह नियम विरुद्ध है।

मशरक प्रखंड का एक ऐसा दलित गांव जो सड़क से है वंचित

प्रात : किरण संवाददाता

मशरक। मशरक प्रखंड अंतर्गत सेमारी पंचायत के वार्ड नंबर 6 ग्राम सेमरी टोला की आम जनता बदहाली में जीवन बसर करने को मजबूर है। इस गांव के लोगों को आजादी के 76 साल बाद भी सड़क नसीब नहीं हो पाया है। एक हजार की आबादी वाले इस गांव मे लगभग 6 सौ महादलित परिवार रहता है। ग्रामीणो का कहना है कि चुनाव से पूर्व नेताओ द्वारा रास्ता निकलवाने का आश्वासन देकर गांव के लोगो को केवल छलने का काम किया जाता है।

इस बार गांव के लोग रोड नही तो वोट नही के मुड मे है। पंचायत के सरपंच प्रतिनिधि हरेश्वर सिंह ने बताया कि सड़क को लेकर सरकार के विभिन्न कार्यालयों में आवेदन के माध्यम से गुहार लगाया जा चुका है। लेकिन अब तक समस्या का समाधान नहीं हो सका है। दलित परिवार के लोगों का कहना है कि भले ही सरकार अपने आप को दलित महादलित का हितैषी बताती हो लेकिन जमीनी हकीकत कुछ और ही है। जब आजादी के 76 साल बाद भी हम लोगों को सरकारी सड़क नहीं मिल सका तो कैसा विकास, दलित परिवार के लोगों ने यह भी कहा कि पगडंडी के सहारे हम लोग आने जाने को मजबूर है। कभी-कभी निजी जमीन वाले लोगों द्वारा रास्ते को अवरुद्ध कर दिया जाता है। जिस कारण काफी परेशानियो का सामना करना पड़ता है। बरसात के समय में तो हद ही हो जाता है,पानी लग जाने से काफी परेशानी का सामना करना पड़ता है। महादलित परिवार के लोगो ने बताया कि हम लोग किसी तरह पगडंडी के सहारे चलकर अपना गुर्जर बसर कर भी लेते हैं , मगर परेशानी तब बन जाती है जब किसी महिला एवं पुरुष की तबीयत खराब होने पर खाट पर लादकर किसी तरह 1 किलोमीटर चलकर मुख्य सड़क तक लाना पड़ता है।

लोजपा (रा.) के जिला उपाध्यक्ष का जदयू में मिलन सह अभिनंदन समारोह आयोजित

प्रात : किरण संवाददाता

आरा। लोजपा (रा.) के जिला उपाध्यक्ष सह आरा विधानसभा के प्रभारी रहे मनोज कुमार झमन का जदयू में मिलन सह अभिनंदन समारोह जदयू जिलाध्यक्ष संजय कुमार सिंह की अध्यक्षता में आयोजित की गई ।कार्यक्रम का संचालन जदयू प्रवक्ता शंभु प्रसाद सोनी ने किया। कार्यक्रम में मनोज कुमार झमन और उनके साथ दल में शामिल हुए 40 साथियों को पूर्व मंत्री सह जदयू के राष्ट्रीय महासचिव श्रीभगवान कुशवाहा,पूर्व विधायक विजेंद्र सिंह यादव और उपस्थित दल के सैकड़ों साथियों के समक्ष जिलाध्यक्ष संजय कुमार सिंह द्वारा जदयू की सदस्यता दिलाई गयी। इस मौके पर पूर्व मंत्री श्रीभगवान कुशवाहा ने दल में शामिल हुए सभी साथियों को बधाई देने के साथ साथ माननीय मुख्यमंत्री जी द्वारा चलाये जा रहे योजनाओं पर विस्तार से प्रकाश डाला एवं इन्हें जन जन तक पहुंचाने का आह्वान किया ।पूर्व विधायक विजेंद्र सिंह यादव ने दल में शामिल सभी साथियों को बधाई देने के साथ ही माननीय मुख्यमंत्री द्वारा महिलाओं एवं समाज के सभी वर्गो के लिये चलाये जा रहे योजनाओं पर विस्तार से प्रकाश डाला ।जिलाध्यक्ष संजय कुमार सिंह ने दल में शामिल हुये सभी साथियों का स्वागत करते हुये कहा कि मनोज कुमार झमन और इनके साथियों के दल में शामिल होने से दल की मजबूती को बल मिलेगा।

मनोज कुमार झमन और युवा जिलाध्यक्ष अभिषेक मेहता ने भी अपनी बातों को रखा। इस मौके पर भाजपा के नेताधर्मेंद्र कुमार गुप्ता, आशीष कुमार और पवन कुमार गुप्ता ने भी जदयू की सदस्यता ग्रहण की। मनोज कुमार झमन के साथ जदयू की सदस्यता ग्रहण करने वालों में अवकाश कुमार (प्रखंड अध्यक्ष लोजपा रा. जगदीशपुर),नवल कुमार, सुरज कुमार, सतीश कुमार, शिवा कुमार और जोकड पासवान शामिल हैं।

खतरों के खिलाड़ी 13 सेमीफाइनल में डबल एलिमिनेशन का खतरा

प्रात : किरण संवाददाता

पटना। कलर्स के खतरों के खिलाड़ी 13 में प्रतियोगियों और उनके डर के बीच की लड़ाई लगातार दर्शकों का मनोरंजनकर रही है और उनकी साहस की भावना दिखाती है। भारत का पसंदीदा स्टंट-आधारित रियलिटी शो आगामी एपिसोड में अपने सेमीफाइनल में पहुंच जाएगा और इसके चुनौतीपूर्ण स्टंट डबल एलिमिनेशन के ट्विस्ट के साथ बिल्कुल नए स्तर का डर पैदा करेंगे। इस सीजन में पहली बार, सभी प्रतियोगी स्टंट करते नजर आएंगे और शीर्ष तीन परफॉर्मर्स को उनकी रैंक के आधार पर पॉइंट दिए जाएंगे। सबसे कम स्कोर करने वाले प्रतियोगियों को एलिमिनेशन राउंड में प्रतिस्पर्धा करनी होगी। एलिमिनेशन स्टंट में कमजोर प्रदर्शन करने वाले दो डेयर डेविल्स शो को अलविदा कहेंगे। सेमीफाइनल के पहले स्टंट में सभी प्रतियोगियों में पानी और ऊंचाई का डर पैदा होगा। इसमें प्रतियोगियों को एक वॉटर बॉडी के ऊपर एक रिग से लटकी रस्सियों पर खड़े होकर खुद को संतुलित रखना होगा। इन डेयरडेविल्स को अपने शरीर के वजन को संभालते हुए इस रिग के पार पहुंचना होगा और पानी में गिरने से बचना होगा। दूसरे स्टंट में प्रतियोगियों को सांस लेना भी मुश्किल हो जाएगा क्योंकि उन्हें टी बैग्स की तरह एक वॉटरबॉडी में डुबोया जाएगा।

लायंस क्लब छपरा टाउन के संस्थापक अध्यक्ष ने किया रक्तदान

प्रात : किरण संवाददाता

छपरा। अंतर्राष्ट्रीय स्वयसेवी संस्था लायंस क्लब छपरा टाउन के संस्थापक अध्यक्ष लायन कुंवर जयसवाल ने अपने जन्मदिन के अवसर पर अपने जीवन का 15वा रक्तदान किया और कहा की किसी का जीवन बचाने के लिए रक्तदान करना जरुरी है। अपने लिए तो सभी जीते है, पर दूसरों के लिए जीना बड़ी बात है।

वही लायंस अध्यक्ष गोविंद सोनी ने कहा कि लायंस क्लब की ओर से अस्पताल में पर्याप्त ब्लड की उपलब्धता सुनिश्चित करने में काफी महत्पूर्ण योगदान रहा है । वही ब्लड बैंक के लैब टेक्नीशियन धर्मवीर कुमार ने बताया कि लायंस क्लब के द्वारा हमेशा से रक्तदान शिविर का आयोजन होता रहा है रक्तदान करने से बहुत सी बीमारियों से बचा जा सकता है।

मनीष कुमार मनी ने शहर वासियों से अपील करते हुए कहा की 8 अक्टूबर को मेगा रक्तदान शिविर का आयोजन होने जा रहा है जिसमे आप सभी भी बढ़ चढ़ के हिस्सा ले और रक्तदान करे। रक्तदान शिविर में लायंस सदस्य विकास गुप्ता, मयंक जायसवाल, आशीष कुमार, राज, अमर गुप्ता, लियो सदस्य आशुतोष पाण्डेय, अमित सोनी, मनीष मनी, विकास कुमार, सलमान, शुभम सिंह आदि मौजूद रहे।

माप-तौल व मुद्रा की समझ हेतु बच्चों ने लगाया अनोखा बाजार

प्रात : किरण संवाददाता

आदापुर। प्रखंड क्षेत्र भवानीपुर पंचायत अंतर्गत राजकीय नवसृजित प्राथमिक विद्यालय सोनारटोला चैनपुर में बैगलेश डे शनिवार को माप-तौल व मुद्रा की समझ के लिए बच्चों ने एफएलएन किट की मदद से अनोखा बाजार लगाया। बता दें कि मुद्रा विनिमय के विभिन्न साधनों जैसे नोट,चेक,सिक्के आदि के माध्यम से बच्चों ने विभिन्न स्टॉल्स से खूब क्रय-विक्रय किया ।बेचनेवाले बच्चों ने टोपी पहन रखी थी, जिसपर विक्रेता अंकित था। बाजार के नियंत्रण के लिए एक बच्चा को शहना-ए-मंडी नियुक्त किया गया था। बाजार की देख-रेख शिक्षक उमेशचंद्र सहनी ने किया।

उक्त बाबत प्रधान शिक्षक शिव शंकर गिरि ने बताया कि बच्चों में मुद्रा व बाजार के बारे में व्यवहारिक ज्ञान हेतु उक्त बाजार का आयोजन किया गया है। बच्चों को एफएलएन किट से प्राप्त सिक्के,नोट एवं चेक देकर उपयोग करने हेतु प्रेरित किया गया। उल्लेखित बाजार में प्रसून कुमार, विकास कुमार, मंदीप कुमार, प्रिंस कुमार, चंदन कुमार, शिवम कुमार, लवकुश कुमार, सज्जन कुमार, संजीव कुमार, सुधा कुमारी, सोनम कुमारी, संध्या कुमारी, वर्षा कुमारी, अन्नु कुमारी, कृपा कुमारी, विनीती कुमारी, लक्ष्मी कुमारी, फूलकुमारी सहित दर्जनों बच्चे शामिल थे।

9 अक्टूबर से ईवीएम व वीवीपैट की प्रथम स्तरीय जांच प्रारंभ होगी

प्रात : किरण संवाददाता

सारण, छपरा। जिला निर्वाचन पदाधिकारी-सह-जिलाधिकारी सारण, श्री अमन समीर के द्वारा बताया गया कि निर्वाचन आयोग का उद्देश्य है कि चुनाव त्रुटिरहित, शांतिपूर्ण और पारदर्शिता से संपन्न हो। इसके लिए ईवीएम की पूर्व तैयारी एक महत्वपूर्ण कदम है। इसी उद्देश्य की पूर्ति के लिए चुनाव आयोग के निदेशानुसार सारण जिला में 9 अक्टूबर से ईवीएम व वीवीपैट की प्रथम स्तरीय जांच प्रारंभ की जा रही है। इस कार्य में मान्यताप्राप्त राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों की उपस्थिति अनिवार्य होगी। उन्होंने बताया कि एफएलसी कार्य एक अति महत्वपूर्ण कार्य है। इस कार्य के प्रारंभ होने से पूर्व सभी राष्ट्रीय और राज्य स्तरीय मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों को सूचना दी जाती है। उन्होंने बताया कि यह कार्य सदर प्रखंड के निकट अवस्थित इवीएम वेयरहाउस के एफएलसी हॉल में प्रातः नौ से संध्या सात बजे तक आगामी एक नवंबर तक प्रत्येक दिन कार्य की समाप्ति तक चलेगा। उप निर्वाचन पदाधिकारी सारण,श्री जावेद एकबाल के दवारा बताया कि एफएलएसी में चुनाव आयोग के एसओपी का सख्ती से अनुपालन किया जाएगा। कोई भी अनाधिकृत व्यक्ति हॉल में प्रवेश नहीं कर सकता है। दलों के प्रतिनिधियों को भी अध्यक्ष या सचिव का प्राधिकृत पत्र उपस्थापित करना होगा। हॉल में मोबाईल या किसी प्रकार का इलेक्ट्रिक गजेट ले जाना सख्त वर्जित रहेगा। राजनीतिक दलों के प्रतिनिधि लॉगबुक समेत विभिन्न प्रकार के पंजीयों पर अपना हस्ताक्षर दर्ज करेंगे साथ ही यदि वे चाहें तो सीयू पर लगने वाले पिंक पेपर सील पर भी अपना हस्ताक्षर कर सकते हैं।

एफएलसी की प्रक्रिया के निगरानी के लिए तीन सतह की व्यवस्था रहेगी। हाईटेक आईपी कैमरे से वेब टेलीकास्ट किया जाएगा। जिसे जिलाधिकारी समेत राज्य व भारत निर्वाचन आयोग मॉनिटर करेंगे। वहीं दूसरे सतह पर वेयरहाउस का अपना सीसीटीवी कैमरा चप्पे-चप्पे की रिकार्डिंग करेगा। इसके साथ ही वीडियोग्राफी के माध्यम से भी सभी कार्यवाहियों को रिकार्ड किया जाएगा। त्रिस्तरीय सुरक्षा के साथ पारदर्शिता का खास इन्तेजाम रहेगा। मौके पर मौजूद एफएलसी कोषांग के प्रभारी पदाधिकारी सह डीएमडब्लूओ रजनीश कुमार ने बताया कि यह कार्य कड़ी सुरक्षा वयवस्था में संपन्न कराया जाएगा. वेयरहाउस के अपने स्टैटिक सुरक्षा कर्मी के साथ ही जिला निर्वाचन पदाधिकारी द्वारा अलग से मजिस्ट्रेट और चार एक का फोर्स प्रतिनियुक्त किया गया है। किसी को मेटल डिटेक्टर डोर से गुजर कर ही प्रवेश करना होगा।

एफएलसी की पूरी प्रक्रिया की जानकारी देते हुए बताया गया कि यह मशीनों की प्रथम स्तरीय जांच है। जिसे इसी आईएल के अभियंता पूरी पारदर्शिता के साथ संपन्न करेंगे। इसके लिए पहले सभी मशीनों की प्री एफएलसी जांच होगी। तब विविपैट में डमी सिम्बॉल की लोडिंग होगी। तत्पश्चात प्रत्येक बीयू, सीयू और विविपैट को कनेक्ट कर प्रत्येक 16 बटन पर छह-छह वोट डाले जाएंगे। अंत में डाले गए कुल वोटों के रिजल्ट से विविपैट के पर्ची की गिनती कर मिलान किया जाएगा. टेस्ट में पारित और रद्द मशीनों को आयोग के विशेष पोर्टल ऐप ईएमएस-0.2 पर स्कैन के माध्यम से अपलोड किया जाएगा। इस दौरान सीयू पर लगने वाले पिंक पेपर सील का भी विशेष नंबर अपलोड किया जाएगा।

काला बिल्ला लगा शिक्षक करेंगे विरोध प्रदर्शन

आरा ।स्नातकोत्तर शिक्षक संघ की बैठक वशिष्ठ नारायण सिंह सभागार विज्ञान भवन में बैठक हुई। जिसकी अध्यक्षता स्नातकोत्तर शिक्षक संघ के अध्यक्ष डॉ अमित कुमार ने किया और बैठक का संचालन डॉ अवध बिहारी सिंह समाजशास्त्र विभागाध्यक्ष एवं सिंडिकेट सदस्य ने किया। स्नातकोत्तर शिक्षक संघ में विश्वविद्यालय के स्वायत्तता और वर्तमान कुलपति डॉ शैलेंद्र कुमार चतुवेर्दी पर के.के.पाठक द्वारा एफ.आई.आर करवाने पर घोर निंदा की गई और कहा गया कि पूर्व की अनियमिताओं के लिए वर्तमान कुलपति पर एफ.आई.आर करना नियम विरुद्ध और नैसर्गिक न्याय के खिलाफ में है। हम स्नातकोत्तर शिक्षक संघ के सदस्य इसकी घोर आलोचना करते हैं और मुख्यमंत्री से मांग करते हैं कि के. के.पाठक को शीघ्र शिक्षा अपर सचिव के पद से हटाया जाए और स्नातकोत्तर शिक्षक संघ ने यह भी निर्णय किया है कि नौ अक्टूबर को स्नातकोत्तर शिक्षक संघ के सभी सदस्य काला बिल्ला लगाकर के . के.पाठक के इस कार्यो का विरोध करेंगे और स्नातकोत्तर शिक्षक संघ ने यह भी निर्णय किया है कि भाकुटा और भकुष्टा तथा स्नातकोत्तर शिक्षक संघ की समन्वय की बैठ

सम्पादकीय

तनाव बढ़ाने की रणनीति?

मुद्दा यह है कि अगर भारत पर यह गंभीर आरोप पांच देशों- अमेरिका, कनाडा, ब्रिटेन, ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड- के साझा सिस्टम के तहत लगा है, तो क्या बिना उन सभी से दो टूक बात किए भारत इस लांछन से मुक्त हो पाएगा?नरेंद्र मोदी सरकार भारत वासियों को यह संदेश देना चाहती है कि कनाडा ने भारत पर गंभीर आरोप लगाए, तो उसे इसकी कीमत चुकानी होगी। इस सिलसिले में अब भारत सरकार ने कनाडा के 41 राजनयिकों को 10 अक्टूबर तक देश छोडे के लिए कहा है। साथ ही चेतावनी दी है कि ये राजनयिक उस समयसीमा के बाद भी भारत में बने रहे, सरकार उन्हें मिला कूटनीतिक अभयदान वापस ले लेगी। खालिस्तानी उग्रवादी हरदीप सिंह निज्जर की हत्या पर कनाडा के आरोप लगाने के बाद भारत की ओर से लिया गया यह एक और सख्त कदम है। बहरहाल, इससे भारत के क्या मकसद हासिल होंगे, यह साफ नहीं है। इस प्रकरण में अब तक यह साफ हो चुका है कि निज्जर हत्याकांड में भारत का हाथ होने का आरोप लगाने से पहले कनाडा ने फाइव आई गठबंधन में शामिल सभी देशों ने आपस में कथित साक्ष्य साझा किए थे। अमेरिका की तरफ से ऐसे अनेक बयान आ चुके हैं, जिनमें भारत से कनाडा की जांच में सहयोग करने को कहा गया है। बल्कि कनाडा स्थित अमेरिका राजदूत ने यह भी कहा था कि कनाडा को हत्याकांड में भारत के कथित हाथ की सूचना फाइव आई के खुफिया साझा करने के सिस्टम के तहत दी गई थी।यह खबर आ चुकी है कि निज्जर हत्याकांड के बाद अमेरिकी एजेंसी एफबीआई ने अपने यहां कई सिख कार्यकताओं को उनकी जान खतरे में होने संबंधी चेतावनी दी थी। तो प्रश्न है कि क्या भारत सरकार ने इस बारे में अमेरिका से स्पष्टीकरण मांगा है? मुद्दा यह है कि अगर भारत पर यह गंभीर आरोप पांच देशों- अमेरिका, कनाडा, ब्रिटेन, ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड- के साझा सिस्टम के तहत लगा, तो क्या बिना उन सभी से दो टूक बात किए भारत इस लांछन से मुक्त हो पाएगा? इस बारे भारत को तय यह करना है कि उसे लांछन-मुक्त होना है, या उन देशों से टकराव बढ़ाना है? अगर टकराव बढ़ाना सरकार ने उचित रणनीति माना है, तो फिर उसे यही सख्त रुख अमेरिका सहित बाकी देशों के खिलाफ भी अपनाना चाहिए। वरना, इसका प्रभाव घरेलू राजनीति तक सीमित रह जाएगा।

केजरीवाल के लिए गंभीर समस्या

अजीत द्विवेदी

आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक और दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल हर मुश्किल को मौका बनाने में माहिर नेता हैं। लेकिन शराब नीति का घोटाला उनके गले की हड्डी बन रहा है। इस मामले में उनके नेता एक एक करके जेल जा रहे हैं और पूरी पार्टी के ऊपर खतरा मंडरा रहा है। इस खतरे का दायरा इसलिए भी बड़ा हो गया है क्योंकि केजरीवाल के पास जनाधार वाले या राजनीतिक पृष्ठभूमि वाले नेता नहीं बचे हैं। उन्होंने एक डिजाइन के तहत पार्टी के तमाम संस्थापक नेताओं को या ऐसे नेताओं को, जिनका कोई स्वतंत्र वजूद था उनको बाहर कर दिया। प्रशांत भूषण से लेकर योगेंद्र यादव, कुमार विश्वास, आनंद कुमार आदि की मिसाल दी जा सकती है। उसके बाद उनके पास एमएलए तो बहुत हो गए और राज्यसभा के सांसद भी 10 हो गए लेकिन नेता गिनती के बचे। मनीष सिसोदिया और संजय सिंह के अलावा ले-देकर गोपाल राय और अब राज्यसभा में जाने के बाद राघव चड्ढा ही ऐसे नेता हैं, जो राजनीति के मैदान में दिखाई देते हैं।केंद्रीय जांच एजेंसियों ने मनीष सिसोदिया और संजय सिंह को गिरफ्तार कर लिया है। ये दोनों आम आदमी पार्टी का सबसे मुखर और लोकप्रिय चेहरा थे। सिसोदिया को जेल में आठ-नौ महीने हो गए। निचली अदालत और हाई कोर्ट ने उनकी जमानत नामंजूर कर दी है। लंबा समय बीत जाने और पत्नी की गंभीर बीमारी की दलीलों के बावजूद उनको जमानत नहीं मिली है। अब उनकी जमानत पर सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई हो रही लेकिन वहां दूसरी मुश्किल खड़ी होती दिख रही है। सर्वोच्च अदालत ने उलटे एजेंसियों से यह पूछा है कि जब घोटाले का पैसा पार्टी के खाते में गया है तो पार्टी को आरोपी क्यों नहीं बनाया गया? ध्यान रहे एजेंसियों ने कहा है कि शराब घोटाले का पैसा गोवा के विधानसभा चुनाव में खर्च किया गया। सोचें, अगर इस वजह से पूरी आम आदमी पार्टी ही आरोपी हो जाए तो पार्टी के संयोजक अरविंद केजरीवाल कितने समय तक बच पाएंगे?बहरहाल, आम आदमी पार्टी के संस्थापक नेताओं को निकालने के बाद भी केजरीवाल के पास मौका था कि वे मजबूत जनाधार वाले और राजनीतिक पृष्ठभूमि वाले लोगों को राजनीति में आगे करते। पार्टी में पद देते, सांसद या विधायक बनाते लेकिन उन्होंने अपनी असुरक्षा में यह काम नहीं किया। उन्होंने बिना आधार वाले निराकार चेहरों को आगे किया। मिसाल के तौर पर दिल्ली से तीन राज्यसभा सदस्य बनाने का उनको मौका मिला तो उन्होंने एक सीट संजय सिंह को दी लेकिन दो सीटों पर सुशील गुप्ता और एनडी गुप्ता को उच्च सदन में भेजा, जिनका कोई राजनीतिक वजूद नहीं है। इसी तरह पंजाब में सात राज्यसभा सांसद बनाने का मौका मिला तो उन्होंने वहां भी क्रिकेटर हरभजन सिंह के अलावा तीन कारोबारियों- अशोक मित्तल, संजीव अरोड़ा और विक्रमजीत सिंह साहनी, एक चुनाव प्रबंधक संदीप पाठक और एक धार्मिक गुरू संत बलबीर सिंह को उच्च सदन में भेजा। वहां से ले-देकर एक राघव चड्ढा हैं, जो राजनीति करते दिखते हैं।सो, अपने असुरक्षा भाव में केजरीवाल ने जनाधार वाले और राजनीतिक पृष्ठभूमि वाले नेताओं को या तो किनारे कर दिया या पार्टी से निकाल दिया। उन्होंने पिछले कुछ दिनों से अपनी महत्वाकांक्षाओं को ताले में बंद करके विपक्षी पार्टियों के साथ संबंध सुधारे हैं। वे विपक्षी गठबंधन इंडियाइ की तीनों बैठकों में बड़े लाव-लश्कर के साथ शामिल हुए। लेकिन मुश्किल यह है कि विपक्षी पार्टियां खुद ही केंद्रीय एजेंसियों की जांच में फंसी हैं। ज्यादातर पार्टियों के खिलाफ वैसे ही कार्रवाई चल रही है, जैसे आम आदमी पार्टी के खिलाफ चल रही है। तृणमूल कांग्रेस से लेकर, झारखंड मुक्ति मोर्चा और राष्ट्रीय जनता दल से लेकर जनता दल यू तक तमाम क्षेत्रीय पार्टियां मुश्किल में हैं। कांग्रेस के भी कई नेताओं पर तलवार लटक रही है। इस मामले में एक मुश्किल यह भी है कि विपक्ष का शायद ही कोई नेता होगा, जिसको केजरीवाल ने अपनी शुरूआती राजनीति के दिनों में भ्रष्ट नहीं ठहराया था। सो, सबके मन में उसकी भी एक गांठ निश्चित रूप से होगी।अब मुश्किल यह है कि अपनी पार्टी में केजरीवाल इकलौते नेता हैं और उन पर भी शिकंजा कस रहा है। अगर शराब नीति में हुए कथित घोटाले का पैसा पार्टी ने चुनाव में खर्च किया है और अदालत की टिप्पणी के बाद एजेंसियां पार्टी को भी आरोपी बनाती हैं तो सीधे केजरीवाल पर गाज गिरेगी। भारतीय जनता पार्टी ने कहना शुरू कर दिया है कि केजरीवाल के लिए भी हथकड़ी आने वाली है। ध्यान रहे केजरीवाल भाजपा के लिए बाकी किसी भी प्रादेशिक क्षत्रप से ज्यादा बड़ा खतरा हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह को पता है कि केजरीवाल इकलौते नेता हैं, जो किसी भी मामले में भाजपा से बड़ा इवेंट और नैरेटिव क्रिएट कर सकते हैं। वे कितना भी बड़ा झूठ बोल सकते हैं और कोई भी वादा कर सकते हैं। उनके ड्रामे बाकी पार्टियों से अलग होते हैं और जनता में उनकी अपील होती है। ऊपर से अब वे विपक्षी गठबंधन में शामिल हो गए हैं और कम से कम दो राज्यों पंजाब और दिल्ली में कांग्रेस के साथ गठबंधन की बात कर रहे हैं। तभी उनके खिलाफ कार्रवाई की संभावना दिख रही है।तभी सवाल है कि क्या अपनी जान बचाने के लिए वे भाजपा और केंद्र सरकार के साथ कोई डील कर सकते हैं? इस संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता है। बसपा, बीआरएस सहित कई पार्टियों के लिए ऐसा कहा जा रहा है कि केंद्रीय एजेंसियों की कार्रवाई से बचने के लिए उन्होंने अंदरखाने कोई समझौता कर लिया है। केजरीवाल के सामने भी दो रास्ते दिख रहे हैं। पहला रास्ता तो सीधे भिडे का है। वे आम आदमी पार्टी के कट्टर ईमानदार और कट्टर देशभक्त पार्टी होने का एजेंडा लेकर सड़क पर उतर सकते हैं। उन्होंने प्रेस कांफ्रेंस करके कहा है कि केंद्र की नरेंद्र मोदी सरकार अब तक की सबसे भ्रष्ट सरकार है। यह टकराव का रास्ता है, जिसमें जोखिम बहुत है। सो, देखना होगा कि केजरीवाल इस पर कितनी देर और कितनी दूर तक टिके रहते हैं। यहां यह ध्यान रखना होगा कि उनके पीछे कोई बड़ी ताकत नहीं है। दूसरी पार्टियां उनकी लड़ाई लड़ेंगी इसमें संदेह है। उनके सामने दूसरा रास्ता चुपचाप समझौता कर लेने का है। अगर वे टकराव बढ़ा कर विपक्षी गठबंधन से बाहर हो जाते हैं और अकेले लोकसभा चुनाव लडे का ऐलान कर देते हैं तो हो सकता है कि अगले साल के लोकसभा चुनाव तक कुछ राहत मिले।

ऊर्जा सुरक्षा और न्यायोचित बदलाव - भारतीय कोयला क्षेत्र का दृष्टिकोण

नवीकरणीय ऊर्जा के लिए संगठित प्रयास के बावजूद, ऐसा अनुमान है कि कोयला एक प्रमुख ऊर्जा स्रोत बना रहेगा। अनुमानों से संकेत मिलता है कि घरेलू कोयला उत्पादन 2030 तक 1.5 बिलियन टन तक बढ़ सकता है, जो 2040 के आसपास चरम पर पहुंच सकता है। जलवायु परिवर्तन के समाधान की तत्काल आवश्यकता को स्वीकार करते हुए, भारत एक ऐसे विकास मॉडल के लिए प्रतिबद्ध है जो कम कार्बन और पर्यावरण के अनुकूल विकास के अपने ह्लपंचामृतह्व लक्ष्यों के अनुरूप हो। जलवायु संबंधी विचारों और आर्थिक वास्तविकताओं के बीच संतुलन बनाते हुए, देश ने एक मध्यम मार्ग अपनाया है, जिसमें सामान्य लेकिन विभेदित जिम्मेदारियां और सम्बंधित क्षमता (सीबीडीआर-आरसी) के सिद्धांतों के आधार पर संतुलित विकास मॉडल प्राप्त करने के लिए ह्लजलवायु न्यायह्व पर जोर दिया गया है। इस दृष्टिकोण में परिवर्तन की जटिलताओं से निपटने के लिए कोयला गैसीकरण जैसे कोयले के वैकल्पिक उपयोगों की खोज करना शामिल है। देश की बढ़ती ऊर्जा जरूरतों के कारण नवीकरणीय ऊर्जा के विकास का भारत में कोयला क्षेत्र पर कम प्रभाव पड़ने का पूवार्नुमान है। भारत में कोयले की कुल खपत अभी चरम पर नहीं पहुंची है और उम्मीद है कि कोयले की मांग बढ़ती रहेगी और 2040 के आसपास यह चरम पर पहुंच सकती है।

श्री भबानी प्रसाद पति
संयुक्त सचिव, कोयला मंत्रालय

कोयला क्षेत्र लंबे समय से भारत के आर्थिक विकास और ऊर्जा सुरक्षा का आधार रहा है। जैसे-जैसे देश की आबादी बढ़ती जा रही है वैसे-वैसे बिजली तक पहुंच अधिक व्यापक होती जा रही है, इसलिए कोयला क्षेत्र ऊर्जा का एक महत्वपूर्ण स्रोत बना हुआ है। नवीकरणीय ऊर्जा के लिए संगठित प्रयास के बावजूद, ऐसा अनुमान है कि कोयला एक प्रमुख ऊर्जा स्रोत बना रहेगा। अनुमानों से संकेत मिलता है कि घरेलू कोयला उत्पादन 2030 तक 1.5 बिलियन टन तक बढ़ सकता है, जो 2040 के आसपास चरम पर पहुंच सकता है।

जलवायु परिवर्तन के समाधान की तत्काल आवश्यकता को स्वीकार करते हुए, भारत एक ऐसे विकास मॉडल के लिए प्रतिबद्ध है जो कम कार्बन और पर्यावरण के अनुकूल विकास के अपने ह्लपंचामृतह्व लक्ष्यों के अनुरूप हो। जलवायु संबंधी विचारों और आर्थिक वास्तविकताओं के बीच संतुलन बनाते हुए, देश ने एक मध्यम मार्ग अपनाया है, जिसमें सामान्य लेकिन विभेदित जिम्मेदारियां और सम्बंधित क्षमता (सीबीडीआर-आरसी) के सिद्धांतों के आधार पर संतुलित विकास मॉडल प्राप्त करने के लिए ह्लजलवायु न्यायह्व पर जोर दिया गया है। इस दृष्टिकोण में परिवर्तन की जटिलताओं से निपटने के लिए कोयला गैसीकरण जैसे कोयले के वैकल्पिक उपयोगों की खोज करना शामिल है।

देश की बढ़ती ऊर्जा जरूरतों के कारण नवीकरणीय ऊर्जा के विकास का भारत में कोयला क्षेत्र पर कम प्रभाव पड़ने का पूवार्नुमान है। भारत में कोयले की कुल खपत अभी चरम पर नहीं पहुंची है और उम्मीद है कि कोयले की मांग बढ़ती रहेगी और 2040 के आसपास यह चरम पर पहुंच सकती है। यद्यपि निकट भविष्य में, कुछ खानें, भंडार की समाप्ति के कारण बंद हो सकती हैं लेकिन साथ ही बढ़ती ऊर्जा मांग को पूरा करने के लिए कई नई कोयला खानों का प्रचालन किया जा रहा है। ये खानें न केवल राष्ट्र की वहनीयता और ऊर्जा सुरक्षा सुनिश्चित कर रही हैं, बल्कि बेहतर आजीविका सुनिश्चित करने और कोयला क्षेत्रों में अप्रत्यक्ष रोजगार के अवसर पैदा करने के लिए भी बंद होने वाली खानों से नई खानों में श्रमिकों की पुनः तैनाती और नए रोजगार के लिए पर्याप्त अवसर भी प्रदान कर रही हैं। इस प्रकार, लघु और मध्यम अवधि दोनों में अर्थात कम से कम एक व्यापार चक्र के लिए तत्काल कोई आजीविका और सामाजिक मुद्दे नहीं होंगे। इस प्रकार, कोयला खानों से संबंधित सामाजिक, भौतिक और पर्यावरणीय पहलुओं का निपटान विभिन्न मौजूदा वैधानिक प्रावधानों के अनुसार किया जाता है।

कोयला खानों को बंद किए जाने के संबंध में वैज्ञानिक और उद्देश्यपरक तरीके से प्रबंधन करने की आवश्यकता है ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि प्रभावित लोगों की आजीविका सुरक्षित रहे। इस संबंध में, पेरिस समझौता, 2015 में ह्लन्यायोचित बदलावह्व का विचार लाया गया था। यह कोयला खानों के बंद होने से प्रभावित सभी हितधारकों के लिए एक न्यायसंगत, निष्पक्ष और उचित परिवर्तन के बारे में बताता है, जो हो सकता है और जिस पर विचार करने की आवश्यकता है। न्यायोचित बदलावके मार्ग का उद्देश्य कोयले पर निर्भर क्षेत्रों में अवसंरचना विकास, पारिस्थितिक पुनरूद्धार, क्षमता-निर्माण और आजीविका के नए अवसरों में सहायता करना है।

जैसा कि विश्व जलवायु परिवर्तन का मुकाबला करने और स्वच्छ ऊर्जा स्रोतों की ओर पारगमन के लिए एकजुट है, कोयला क्षेत्र भी इस परिवर्तन में आगे खड़ा है। तथापि, ऐसा बदलाव उन कार्यनीतियों के साथ होना चाहिए जो ऊर्जा सुरक्षा, सामाजिक निष्पक्षता, आर्थिक स्थिरता और प्रभावित समुदायों के कल्याण को प्राथमिकता दें। विभिन्न अंतरराष्ट्रीय मॉडल से प्रेरणा लेते हुए, कोयला क्षेत्र में श्रेष्ठ कार्यपद्धतियों, यद्यपि यह काफी दुर्लभ और अनियमित हैं, और न्यायोचित बदलावके सिद्धांतों को लागू किया जाना सामने आ रहा है जो ऐसे ही बदलावोंसे गुजरने वाले देशों को मूल्यवान सीख देता है।

भारत की जी 20 अध्यक्षता के ईटीडब्ल्यूजी के प्राथमिकता क्षेत्र ह्लस्वच्छ ऊर्जा और न्यायसंगत, किफायती तथा समावेशी ऊर्जा परिवर्तन मार्ग तक सार्वभौमिक पहुंचह्व के अंतर्गत सीएमपीडीआई ने कोयला मंत्रालय के मार्गदर्शन में ह्लकोयला क्षेत्र में न्यायोचित बदलावके लिए श्रेष्ठ वैश्विक कार्यपद्धतियोंह्व पर ध्यान केंद्रित करते हुए एक अध्ययन किया। इस अध्ययन के निष्कर्ष इन प्रमुख बातों को उजागर करते हैंः जिन कोयला क्षेत्रों में कोयला समाप्त हो गया है उनके पुनरूद्धार के लिए पर्याप्त तकनीकी और वित्तीय सहायता की आवश्यकता; लंबी अवधि में कोयला खानों के बंद होने से जुड़ी सामाजिक और श्रम चुनौतियों का प्रभावी ढंग से प्रबंधन करना जिसमें बहु-हितधारक नीति को आकार देकर सफलता मिल सकती है; ह्यूमन कैपिटल में निवेश विशेष रूप से शिक्षा और स्वास्थ्य सेवा में महत्व रखता है; स्थानीय संस्थागत क्षमता को बढ़ावा देना एक अनुकूल और विविध कारोबारी माहौल और समन्वित आर्थिक विकास की कार्यनीतियों के लिए महत्वपूर्ण है तथा कार्यनीतिक संसाधन आवंटन खान बंद होने के प्रभाव को कम करने के लिए महत्वपूर्ण है। प्रभावी न्यायोचित बदलाव मजबूत सामाजिक साझेदारी बनाने और हितधारकों से जुड़ने, पूर्व योजना बनाने और विविधीकरण, पुनर्प्रशिक्षण तथा कौशल विकास, सामाजिक सुरक्षा, अवसंरचना और सामुदायिक विकास, छोटे और मध्यम उद्यमों (एसएमई) को सहायता, ग्रीन फाइनेंस और निवेश तथा अंतरराष्ट्रीय सहयोग पर निर्भर करता है।

जो देश कोयले पर निर्भर हैं, उन्हें योजना बनाने और भविष्य में आवश्यकता पड़ने पर कोयला क्षेत्र में एक उत्तरोत्तर न्यायोचित बदलाव योजना के लिए तैयार होने की आवश्यकता होगी। कोयला खानों को तकनीकी और पर्यावरणीय आधार पर बंद किए जाने के संबंध में विभिन्न हितधारकों की भूमिकाएं और दायित्व तथा प्रभावित व्यक्तियों और समुदायों की सहायता संबंधी दायित्व न्यायोचित बदलाव के अनुभव के संदर्भ में देश-दर-देश काफी भिन्न हो सकते हैं। न्यायोचित बदलाव की योजना खान के बंद होने से काफी पहले शुरू हो जाती है, जिसमें बदलाव के लिए विजन तैयार करते हुए विभिन्न हितधारकों के बीच समावेशी जुड़ाव शामिल होता है। कोयले और स्थानीय अर्थव्यवस्था के बीच व्यापक संबंधों को समझना - जहां खान बंद होने के सामाजिक प्रभाव का विस्तार व्यापक रूप से विभिन्न श्रम बल और समुदायों तक होता है। कोयला क्षेत्रों में कोयले पर निर्भर समुदायों के निर्वाह के लिए कम कार्बन वाली आर्थिक गतिविधियों को अपनाने के लिए, जी 20 या विकसित देश आवश्यक वित्तीय और तकनीकी सहायता देकर कोयले पर निर्भर देशों में निष्पक्ष बदलाव प्रक्रिया में मदद कर सकते हैं।

अंत में, न्यायोचित बदलाव के माध्यम से कोयला क्षेत्र का परिवर्तन एक ऐसा जटिल प्रयास है जो सावधानीपूर्वक योजना बनाने, सहयोग और सहानुभूति की मांग करता है। विश्व भर से श्रेष्ठ कार्यपद्धतियों को अपनाकर, कोयले पर निर्भर देश एक अधिक सतत भविष्य का मार्ग प्रशस्त कर सकते हैं जो न केवल जलवायु परिवर्तन का समाधान करता है बल्कि कोयला श्रमिकों और समुदायों की गरिमा और आजीविका को भी बनाए रखता है। जैसे-जैसे दुनिया विकसित होती है,

कमरतोड़ महंगाई और बेरोजगारी से पाकिस्तान की अवाम बेहाल, बने गृहयुद्ध जैसे हालात

जी20 के सफलतापूर्वक हुए आयोजन से भारत की अंतरराष्ट्रीय छवि में इजाफा हुआ है, वहीं पड़ौसी मुल्क पाकिस्तान में हाहाकार मचा हुआ है। पाकिस्तान लगातार रसातल की तरफ जा रहा है। पाकिस्तान की हालत नारकीय हो गई है। पाकिस्तान में पेट्रोल 320 रुपए से ऊपर है। आटे का भाव 150 रुपए तक पहुंच गया है। बिजली के बिल ने आम अवाम की कमरतोड़ कर रख दी है। डॉलर की कीमत 300 रुपए पाकिस्तान रुपए से ऊपर पहुंच गई है। पाकिस्तान में महंगाई 28 फीसदी से ज्यादा पहुंच चुकी है। लोगों का जीना मुश्किल हो गया है। रोजमर्रा की जरुरतों को पूरा करने के लिए पाकिस्तान दूसरे देशों से भीख मांग रहा है। कंगाल पाकिस्तान की आवाम सड़क पर है। डॉलर की कालाबाजारी हो रही है। आम घरेलू उपभोक्ता को प्रति यूनिट 100 रुपए से भी ऊपर बिजली का बिल चुकाना पड़ रहा है। बिजली का बिल नहीं चुकाए जाने की स्थिति में लोग आत्महत्या कर रहे है। बिजली बिल में यह बढ़ोतरी आईएमएफ की कर्जे के बदले कठोर शर्तों के कारण हुई है, जिसे पाक सरकार मानने को मजबूर है। दरअसल आईएमएफ ने कर्ज के साथ यह उसकी अदायगी के लिए यह शर्त रखी थी। जिसमें अब समूचा पाकिस्तान बुरी तरह तिलमिला रहा है। पाकिस्तान की एयरलाइंस के दिवालिया होने की वजह से इंटरनेशनल बेइज्जती हो रही है।

योगेंद्र योगी
लेखक राजस्थान सरकार से मान्यता प्राप्त स्वतंत्र पत्रकार है

विदेशी निवेश शून्य हो चुका है। महंगाई और बेरोजगारी के कारण पाकिस्तान अपराध की गिरफ्त में आता जा रहा है। बेरोजगारी का आलम यह है कि लाखों युवाओं ने देश छोडे के लिए आवेदन कर रखा है, किन्तु पाकिस्तान की सरकार उन्हें मंजूरी नहीं दे रही है।

जी20 के सफलतापूर्वक हुए आयोजन से भारत की अंतरराष्ट्रीय छवि में इजाफा हुआ है, वहीं पड़ौसी मुल्क पाकिस्तान में हाहाकार मचा हुआ है। पाकिस्तान लगातार रसातल की तरफ जा रहा है। पाकिस्तान की हालत नारकीय हो गई है। पाकिस्तान में पेट्रोल 320 रुपए से ऊपर है। आटे का भाव 150 रुपए तक पहुंच गया है। बिजली के बिल ने आम अवाम की कमरतोड़ कर रख दी है। डॉलर की कीमत 300 रुपए पाकिस्तान रुपए से ऊपर पहुंच गई है। पाकिस्तान में महंगाई 28 फीसदी से ज्यादा पहुंच चुकी है। लोगों का जीना मुश्किल हो गया है। रोजमर्रा की जरुरतों को पूरा करने के लिए पाकिस्तान दूसरे देशों से भीख मांग रहा है। कंगाल पाकिस्तान की आवाम सड़क पर है।

डॉलर की कालाबाजारी हो रही है। आम घरेलू उपभोक्ता को प्रति यूनिट 100 रुपए से भी ऊपर बिजली का बिल चुकाना पड़ रहा है। बिजली का बिल नहीं चुकाए जाने की स्थिति में लोग आत्महत्या कर रहे है। बिजली बिल में यह बढ़ोतरी आईएमएफ की कर्जे के बदले कठोर शर्तों के कारण हुई है, जिसे पाक सरकार मानने को मजबूर है। दरअसल आईएमएफ ने कर्ज के साथ यह उसकी अदायगी के लिए यह शर्त रखी थी। जिसमें अब समूचा पाकिस्तान बुरी तरह तिलमिला रहा है। पाकिस्तान की एयरलाइंस के दिवालिया होने की वजह से इंटरनेशनल बेइज्जती हो रही है। कुछ दिन पहले सउदी अरब और यूएई में ईंधन के पैसे नहीं चुकाने की वजह से विमानों को रोक लिया गया था। इसके बाद एयरलाइंस अधिकारियों के लिखित आश्वासन के बाद ही विमानों को उड़ान भरने की उम्मीद मिली है।

बेरोजगारी का आलम यह है कि फैक्ट्रियां, उत्पाद और व्यवसाय लगभग चौपट हो चुके हैं। विदेशी निवेश शून्य हो चुका है। महंगाई और बेरोजगारी के कारण पाकिस्तान अपराध की गिरफ्त में आता जा रहा है। बेरोजगारी का आलम यह है कि लाखों युवाओं ने देश छोडे के लिए आवेदन कर रखा है, किन्तु पाकिस्तान की सरकार उन्हें मंजूरी नहीं दे रही है। फाकाकशी के कारण भिखारियों की संख्या लगातार बढ़ रही है। ऐसी स्थिति में पाकिस्तान में गृहयुद्ध के हालात बन गए हैं। सेना ने पाक सत्ता में हस्तक्षेप शुरू कर दिया है। सेना ने डॉलर की कालाबाजारी रोकने के लिए कई स्थानों पर कार्रवाई करी। इससे डॉलर की रेट कुछ रुपए नीचे आ गई। पाकिस्तान में आई गिरावट का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है उसके पासपोर्ट की साख नीचे से चौथे नम्बर पर पहुंच गई है। पाकिस्तान में सरेआम विद्रोह के स्वर गूंज रहे है। बलूचिस्तान के निवासी कारगिल का रास्ता खोले जाने की मांग कर रहे हैं ताकि भारत से व्यापारिक लेन-देन शुरू हो सके। इसके अलावा बुनियादी सुविधाओं की मांग को लेकर बलूचिस्तान के लाखों लोगों ने सरकार के खिलाफ प्रदर्शन किया। पाक सेना को हालात को नियंत्रण करने के लिए भेजा गया है। कुछ ऐसी ही हालत पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर की है।

पाकिस्तान की भयावह होती स्थिति का सच पाक मीडिया भी नहीं दिखा रहा है। मीडिया पर पाक सरकार का अंकुश है। सोशल मीडिया पर दबे-छिपे तरीके से पाकिस्तान के हालात उजागर हो रहे हैं। मौजूदा हालत में पाक नागरिक यह कहने लगे हैं कि उन्होंने पाकिस्तान में शामिल होकर कौनसा अपराध कर दिया। पाक सरकार के खिलाफ लोगों को अब किसी तरह की कानूनी कार्रवाई का डर नहीं है। लोग खुलकर अपने आक्रोश का इजहार कर रहे हैं। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पाकिस्तान की साख इतनी बदतर हो चुकी है कि संयुक्त अरब अमरात के प्रिंस ने जी20 में शिरकत के लिए पाकिस्तान में 6 घंटे रुकने की घोषणा की थी, किन्तु वे भी इससे पलट गए। इस्लामिक देशों के बूते भारत को धमकाने वाले पाकिस्तान से सभी देशों ने मुंह मोड़ लिया है। भिखारी जैसी हालत वाले पाकिस्तान से कोई भी देश अब रिश्ता रखने से कतराने लगा है। इतना ही नहीं पाकिस्तान के कई शहरों के लोगों के लिए वीजा पर बैन लगाया दिया है। यह नौबत तब आई है जब कई देशों में पाक के लोगों द्वारा लगातार अपराधिक गतिविधियों में शामिल होने का पता चला। इससे गो बैक पाकिस्तानी की मुहिम चली हुई है। ब्रिटेन में हुए एक सर्वे में 14 प्रतिशत पाकिस्तानी युवाओं को बेकारी और कामचोरी के लिए जिम्मेदार ठहराया गया है। ये युवा ब्रिटेन सरकार द्वारा बेरोजगारों के लिए दिए जाने वाले भत्ते पर गुजारा कर रहे हैं। इससे पहले भी सऊदी अरब और दूसरे मुल्क में भी पाकिस्तानियों की बेजा हरकतों के कारण गो पाकिस्तानी का ट्रेंड चल चुका है। पाकिस्तानी डॉक्टर के अमरीका में एक आतंकी योजना में शामिल होने के बाद ऐसा ही ट्रेंड वहां भी चला था। पूरे विश्व में पाकिस्तानियो की किरकिरी हो रही है।

आईएमएफ (अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष) ने पाकिस्तान से कहा है कि गरीबों को राहत देने के लिए अमीरों पर टैक्स लगाएं। पाकिस्तान को अमीरों पर कर लगाने और गरीबों की रक्षा करने के लिए कहा गया है। आईएमएफ की प्रबंध निदेशक क्रिस्टालिना जॉजीर्वा ने संयुक्त राष्ट्र महासभा (यूएनजीए) से इतर पाकिस्तान के कार्यवाहक प्रधान मंत्री अनवारुल हक काकर के साथ बैठक की और पाकिस्तान से यह सुनिश्चित करने का आग्रह किया कि वह अमीरों पर कर लगाए और गरीबों की रक्षा करे। क्रिस्टालिना ने कहा कि मैंने पाकिस्तान के प्रधान मंत्री से कहा कि अमीरों पर अधिक कर लगाएं और गरीबों की रक्षा करें। मुझे यकीन है कि पाकिस्तान के लोग भी यही चाहते हैं। यह बैठक पाकिस्तान के लिए बहुत महत्वपूर्ण है, क्योंकि वह अपने नागरिकों को बिजली बिलों पर कुछ राहत प्रदान करने के लिए आईएमएफ से मंजूरी चाहता है, जिससे देशव्यापी विरोध प्रदर्शन और स्थानीय लोगों में गुस्सा पैदा हो गया है, जो अधिक कर लगाने और बिजली दरों में वृद्धि के लिए सरकार से सवाल करते हैं। उनके लिए अपने बिलों का भुगतान करना असंभव है। अमीर कर चोरी करके बच जाते हैं जबकि गरीबों को बिल भुगतान और वसूली के लिए निशाना बनाया जाता है। लेकिन सवाल यही है क्या पाकिस्तान की अंतरिम सरकार में इतनी हिम्मत है कि रसूखदारों पर ज्यादा टैक्स लगा सके। पाकिस्तान की कर वसूलने वाली सरकारी मशीनरी भ्रष्टाचार की जंग से सडगल चुकी है। अधिकारी और सत्ता में रहे नेता आकंठ तक भ्रष्टाचार में डूबे हुए हैं। ऐसे में इस बात की संभावना क्षीण है कि पाकिस्तान अमीरों पर ज्यादा टैक्स लगाने में दमखम दिखा पाएगा। देखना यही है कि पाकिस्तान अब आईएमएफ की इस सलाह पर कैसे अमल कर पाता है। आईएमफ की इस सलाह से पहले पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री नवाज शरीफ ने अपने ही देश की सरकार पर निशाना साध चुके हैं। शरीफ ने कहा कि हमारा देश दुनिया से पैसों की भीख मांग रहा है, वहीं पड़ोसी भारत चांद पर पहुंच गया। प्रधानमंत्री नवाज शरीफ ने खुद पाकिस्तान की बदहाली की पोल खोल दी है। दाने-दाने को मोहताज पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री नवाज शरीफ ने लंदन में बैठकर कहा कि पाकिस्तान आज दुनिया के देशों से पैसे की भीख मांग रहा है, जबकि भारत चांद पर पहुंच गया है और जी-20 सम्मेलन की मेजबानी कर रहा है। यदि पाकिस्तान की आर्थिक हालात में सुधार नहीं हुआ तो बगावत पर उतारू लोगों को संभालने के लिए पाक सेना सुरसा का मुंह फाड़े खड़ी है। मौजूदा हालत में पिस हर तरह से पाकिस्तान की जनता रही है। यह हालत एक दिन में हुई है। आतंकवाद को प्रोत्सहान देने की नीति के कारण पाकिस्तान खोखला हो चुका है। पाकिस्तान ने खैरख्वाहों ने कभी अपनी तरक्की की तरफ ध्यान नहीं दिया। भारत के प्रति दुश्मनी की प्रबल भावना ने पाकिस्तान की यह हालत हुई है। आश्चर्य की बात तो यह है कि देश के भयावह होते अंदरुनी हालात को सुधारने के लिए जरूरी भारत से दोस्ती का हाथ बढ़ाने के बजाए पाकिस्तान सरकार अभी भी कश्मीर की रट लगाए हुए है। ऐसी हालत में अवाम को उम्मीद की कोई किरण दिखाई नहीं दे रही है।

सोच में बदलाव अब कांग्रेस नहीं आप सबसे बड़ी दुश्मन....?

ओम प्रकाश मेहता

क्या अब देश पर राज कर रही भारतीय जनता पार्टी के लिए सबसे बड़ा खतरा आप याने आम आदमी पार्टी से है, क्या अब कांग्रेस मुख्य प्रतिपक्षी दल नहीं रहा? कम से कम दिल्ली राजधानी क्षेत्र के लिए तो अब भाजपा और उसके नेताओं की यही सोच है, तभी तो अब पांच राज्यों के विधानसभा और उसके बाद होने वाले लोकसभा चुनावों से पूर्व केंद्र ने आप व उसके नेताओं के खिलाफ पैंतरेबाजी शुरू की है, दिल्ली सरकार के कथित आबकारी घोटाले की फाइलें फिर से खोली गई और तुरत-फुरत आम आदमी पार्टी के दूसरे नंबर के बड़े नेता सांसद संजय सिंह को अचानक गिरफ्तार कर लिया गया, कोई आश्चर्य नहीं कि अब कुछ ही दिनों में आप के सर्वोच्च नेता और दिल्ली के मुख्यमंत

संक्षिप्त खबरें

उत्तर बिहार में आज हल्की बारिश की सम्भावना

मुजफ्फरपुर। उत्मौतर बिहार के जिलों में अगले 12से 24घंटों के दौरान हल्की बारिश की सम्भावना है। उसके बाद से मौसम पूरी तरह शुष्क रहेगा। मौसमीय वेधशाला पूसा के आकलन के अनुसार पिछले तीन दिन क्रमशः 34.4 एवं 25.0 डिग्री सेल्सियस रहा। औसत सापेक्ष आर्द्रता 93 हवा की औसत गति 35 कि०मी० प्रति घंटा एवं दैनिक वाष्पन 3.1 घन्टा प्रति दिन रिकार्ड किया गया तथा 5 से०मी० की गहराई पर दोपहर में 31.2 डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया। इस अवधि में 11. ग्रामीण कृषि मौसमी सेवा, डा०आर०पी०सी०ए०यू० पूसा, द्वारा जारी 07 - 11 अक्टूबर, 2023 तक के मौसम पूवार्नुमान के अनुसारः- पूवार्नुमान की अवधि में उतर बिहार के जिलों में हल्के बादल छाए 12-24 घंटों में कुछ स्थानों पर हल्की या छिटपुट वर्षा हो सकती है।उसके बाद मौसम के शुष्क रहने की सम्भावना है। इस अवधि में अधिकतम तापमान 32-34 डिग्री सेल्सियस के बीच रह डिग्री सेल्सियस के आस-पास रह सकता है।सापेक्ष आर्द्रता सुबह में 80 से 90 प्रतिशत तथा दोपहर में 60 से 70 प्रि औसतन 10-15 कि०मी० प्रति घंटा की रफ्तार से पूरवा तथा पछिया हवा चलने की संभावना है।

प्रेमी संग भागी शादीशुदा महिला को पुलिस ने किया बरामद

बोचहा। थाना क्षेत्र के एक गांव की शादीशुदा महिला का युवक के साथ भागने का मामला सामने आया है । बताया जा रहा है कि परिवार के लोगों ने उसकी शादी बड़े ही धूमधाम के साथ हिंदू रीति रिवाज से कराई थी। युवती की मां ने थाने में अपनी पुत्री को अगवा कर लिए जाने की रिपोर्ट दर्ज कराई थी। बोचहा पुलिस ने मामले को गंभीरता से लिया और युवती को खोज निकाला। एसएचओ अनिल राम ने बताया कि महिला के परिजन द्वारा अगवा किए जाने का मामला दर्ज कराया गया था।, इसके बाद पुलिस ने युवती को बरामद कर लिया है साथ ही पुलिस आगे के कार्रवाई में जुट गई है,। बताया जा रहा है कि युवती अपने घर में ही सोई हुई थी और आधी रात को प्रेमी के साथ भाग गई। इस बात की जानकारी होने पर युवती की मां ने स्थानीय थाने में शादीशुदा लड़की को अगवा कर उठा लिए जाने की लिखित शिकायत की थी, पुलिस ने महिला को ढूंढकर निकाला तो पता चला कि युवती की पहले ही शादी हो चुकी है।

जेपी -प्रभावती संवाद पदयात्रा 10वें दिन भी जारी

मुजफ्फरपुर।जयप्रकाश प्रभावती मुसहरी प्रवास स्वर्ण जयंती संवाद पदयात्रा आज दसवें दिन पीरमोहम्मदपुर से चलकर नाव से बूढ़ी गंडक नदी पार कर बहादुरपुर, अकबरपुर, राजा पुनास, चतुरी पुनास , झारखंड चौक होते हुए टरमा तक पहुंची। यात्रा दल का स्वागत पुनास में अंजनी कुमार, सुमित जी की अगुवाई में तथा टरमा में अश्वमेध शाही की अगुवाई में स्वागत किया गया। यात्रा दल में जगन्नाथ पांडेय, मुक्तेश्वर प्रसाद सिंह जगदीश मांझी, राजगीर कुमार, रामसुंदर राम, अनिल कुमार, रामश्रृंगार पांडेय, ड० शरद कुमारी, रामनाथ चौधरी, मन्नू कुमार, राजकुमार सहनी, हैदर अली, तेतर मांझी आदि शामिल थे।

नहीं रहे बागवान पंचायत के पूर्व मुखिया पति

बखरी, बेगूसराय। बखरी प्रखंड अंतर्गत बागवान पंचायत के रहे मुखिया गीता देवी के पति शंकर सदा का निधन हो गया। शनिवार के अहले सुबह उनका देहांत अपने आवास सिसौनी ग्राम में हुआ। वे अपने पीछे एक भरा पूरा परिवार और अपना व्यक्तित्व छोड़ गए। उनके अंतिम दर्शन के लिए बागवान के मुखिया योगेंद्र राय, सपा नेता मांगन सदा, वार्ड सदस्य मनोज सदा, स्वच्छता पर्यवेक्षक रामचरण महतो, ग्रामीण मनोज सदा, सिरेखण सदा, सखीचंद सदा सहित सैकड़ों लोग पहुंच शोक व्यक्त किया।

पंचायत भवन परिसर पर कूड़ा दान वितरण कार्यक्रम का आयोजन

प्रात : किरण संवाददाता

मधुबनी खजौली प्रखंड़ क्षेत्र कंहौली पंचायत भवन परिसर पर पंचायत के मुखिया अर्जुन सिंह के अद्यक्षता में शनिवार को लोहिया स्वच्छता बिहार अभियान द्वितीय चरण अंतगर्त ठोस एव तरल अपशिष्ट प्रबंधन सह कूड़ादान का वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया. इस कार्यक्रम का मंच संचालन प्रखंड़ बीसी विनोद कुमार द्वारा किया गया. कार्यक्रम का विधिवत उद्घाटन मुख्य अतिथियों द्वारा दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभ आरंम्भ किया गया. वही उपस्थित अतिथियों को मुखिया अर्जुन सिंह द्वारा पाग दोपता एव पुष्पमाला से सम्मानित किया गया. वही कार्यक्रम के बाद ई रिक्सा ठेला चालक को हरि झंडी दिखाकर प्रखंड प्रमुख कुमारी उषा बीडीओ लवली कुमारी बीसी विनोद कुमार पूर्व मुखिया रामाशीष सिंह उप मुखिया राम जतन यादव पसस पार्वती देवी शिक्षक सतीश कुमार पंचायत सचिव शशि शंकर कुमार द्वारा संयुक्त रूप से पंचायत के लिए रवाना किया गया. इस दौरान प्रखंड़ प्रमुख कुमारी उषा ने कहा कि लोहिया स्वच्छ बिहार अभियान दुतीय चरण अंतगर्त ठोस एव तरल अपशिष्ट सह कूड़ादान वितरण कार्यक्रम प्रखंड़ क्षेत्र के सातवें पंचायत है.उन्होंने कहा कि सरकार इस योजना पंचायत में लाकर पंचायत को पूर्णत स्वच्छ बनाने के उद्देश्य से लागू किया है. उन्होंने कहा कि यदि हमलोग अपने घर की कचरा को एक जगह एकत्रित कर स्वच्छता कर्मी को देते है तो अपने घर के अगल बगल में गंदगी से बच सकते है. उन्होंने कहा कि आज के दौर में सबसे ज्यादा लोग गंदगी से बीमार पड़ते है. यदि हमलोग अपने वार्ड में गंदगी नही फैलाकर घर का सारा गिला सूखा कचरा एकत्रित कर स्वच्छता मित्र को देते है तो उस गिला कचरा से पंचायत में खाद तैयार कर किसानों को उपलब्ध कराया जाएगा. वही बीडीओ लवली कुमारी ने अपने संम्बोधन मे कहा कि स्वच्छता में भगवान की वास होती है. इस लेकर सभी लोग अपने घर की कचरा को अपने घर मे ही कचरा डिब्बा में अलग अलग गीला एव सूखा कचरा को इकट्ठा कर द्वार पर स्वस्च्छता मित्र की ठेला पहुँचने पर उस कचरा को दे देना है.उन्होंने कहा कि गांव की हर लोगो की कर्तव्य बनता है कि गांव में सड़क के किनारे कोई भी व्यक्ति शौच करें तो उस व्यक्ति को रोकने का काम करें. बीडीओ लवली कुमारी ने समस्त कंहौली पंचायत की जनता से अपील किया है कि 7 से 7 नंवम्बर तक अपने अपने वार्ड में स्वच्छता अभियान चलाकर गांव को स्वच्छ बनाने की निर्देश दिया. वही पंचायत के मुखिया अर्जुन सिंह ने कहा कि स्वच्छता अभियान कार्यक्रम पंचायत में लागू होने से कंहौली पंचायत के सभी वार्ड की गांव सड़क विद्यालय सहित सार्वजनिक स्थल की साफ सफाई कराने की मेरी पहली प्राथमिकी रहेगी. उन्होंने लिहिया स्वच्छ बिहार अभियान के तहत पंचायत के सभी वार्डो के लोगो के बीच ब्लू एव नीला कचरा के दो डब्बे का विरतण किया गया. इस दौरान पूर्व मुखिया रामाशीष सिंह शिक्षक सतीश कुमार प्रखंड़ बीसी विनोद कुमार द्वारा स्वच्छता के बारे में पंचायत के आम जनताओं को बारीकी से समझाया गया.इस मौके पर प्रखंड़ भाजपा प्रखंड़ अध्यक्ष राम प्रवेश सिंह प्रखंड़ बीसी विनोद कुमार पंचायत सचिव शशि शंकर कुमार पंचायत स्वच्छता पर्यवेक्षक एमडी अकबर वली रोजगार सेवक मो. रियाज कुरेसी लेखा पाल मिथुन साफी आवास सहायक उमेश ठाकुर तकनीकी सहायक चंद्र नारायण विकास मित्र लालो देवी उप मुखिया राम जतन यादव वार्ड सदस्य गोलू मंडल संतोष कुमार चौपाल अनिता देवी सुनील पासवान किरण देवी पार्वती देवी ललिता देवी जगदेव सहनी जागो देवी धर्मनाथ चौधरी ललन सिंह सहित सैकड़ो पंचायत के आम जनता मौजूद थे।

जिला पदाधिकारी मधुबनी को आवेदन देकर जांच की मांग

प्रात : किरण संवाददाता

मधुबनी सामुदायिक स्वास्थ केंद्र खजौली परिसर में बिहार स्वास्थ समिति पटना के द्वारा बी.एम. एस. आई. सी. एल के द्वारा 20 बेड की पीआईसीयू भवन का निर्माण में संवेदक द्वारा भारी अनियमितता को लेकर जदयू के वरिष्ठ नेता सह पूर्व मंत्री बिहार सरकार के प्रतिनिधि आकाश कुमार श्रीवास्तव उर्फ मोसम कुमार श्रीवास्तव ने जिला लोक शिकायत निवारण पदाधिकारी के न्यायालय में वाद दायर व जिला पदाधिकारी मधुबनी को आवेदन देकर जांच की मांग की है।

उन्होंने अपने आवेदन में दशार्या है कि सामुदायिक स्वास्थ केंद्र खजौली के परिसर में बच्चा वार्ड भवन निर्माण में संवेदक द्वारा नीचे फाउंडेशन में घटिया किस्म की ईट बालू सीमेंट एव लोहे की छड़ की प्रयोग किया गया।

इस घटिया भवन निर्माण से बच्चा वार्ड हास्पिटल की फाउंडेशन कभी भी नीचे धंसने से भवन गिड़ सकता है. उन्होंने संवेदक पर आरोप लगाया है कि कार्य स्थल पर अभी तक भवन निर्माण से संबंध में एस्टिमेट की कोई बोर्ड नही लगाया गया है।

जदयू के वरिष्ठ नेता मोसम कुमार श्रीवास्तव ने विभाग पर आरोप लगाते हुए उन्होंने कहा कि एक सप्ताह के अंदर घटिया भवन निर्माण की जांच नही करने पर विभाग के खिलाफ धरना प्रदर्शन करने पर बाध्य होंगे।

बीस वर्ष पूर्व बिछड़े एक युवक को उसके परिवार से मिलवा कर मानवता की मिसाल पेश की

प्रात : किरण संवाददाता

मधुबनी नरपतगंज प्रखंड क्षेत्र के कन्हैली पंचायत वार्ड 6 निवासी शत्रुधन यादव ने बिस्फी प्रखंड क्षेत्र के सलेमपुर गांव से बीस वर्ष पूर्व बिछड़े एक युवक मुकेश कुमार को उसके परिवार से मिलवा कर मानवता की मिसाल पेश की है।बताते चले कि शत्रुधन यादव अपनी जीविकोपार्जन के लिए अमृतसर अपने जीविकोपार्जन के लिए मजदूरी किया करते थे। उसी दौरान विश्वकर्मा पूजा के दिन उसकी मुलाकात एक मुकेश कुमार उर्फ राजू से हुई जो पूर्णतः पंजाबी भाषा बोलता था काफी मशक्कत के बाद उसने बताया कि मेरा घर बिहार के मधुबनी जिला के बिस्फी प्रखंड क्षेत्र के सलेमपुर गांव में है। वही शत्रुघ्न यादव ने बताया कि मैं उसे अपने पास कुछ दिन रखा फिर वापस बिहार अपने घर ले आया उसके बाद स्थानीय थाना व स्थानीय पत्रकार को सूचना दिया।सूचना के पश्चात अररिया के पत्रकार त्रिभुवन ठाकुर के द्वारा उनके गृह जिला मधुबनी बिस्फी के पत्रकार सत्यनारायण यादव से फोन पर संपर्क किया गया।जहां पत्रकार सत्यनारायण यादव ने तत्परता से भोजपंडौल पंचायत समिति सदस्य रंजीत कुमार यादव एवं उसके परिजनों से सम्पर्क कर वीडियो कॉल पर बात हुई जिसके बाद शुक्रवार को मुकेश के चचेरे भाई व परिवार के अन्य लोगो के साथ पंचायत समिति सदस्य रंजीत यादव कन्हैली पहुँचे।वही पंचायत समिति सदस्य रंजीत यादव ने बताया कि 20 वर्ष से पुत्र के वियोग में माँ कैसी रही होगी एक माँ ही बयां कर सकती है।उन्होंने कहा कि शत्रुधन यादव जी जैसे लोग ही मानवता और समाजिकता को ना ही सिर्फ जीवित रखें हुए हैं बल्की प्रेरणास्त्रोत है इस अभियान में हीरो का किरदार अररिया के पत्रकार बंधु एवं बिस्फी के युवा पत्रकार सत्यनारायण यादव का भी रहा।हम उन सभी का हृदय की गहराइयों से धन्यवाद देता हूँ।

एसएसबी 18वीं वाहिनी ने मानव एवं पशु चिकित्सा शिविर का किया आयोजन

प्रात : किरण संवाददाता

मधुबनी भारत-नेपाल अंतरराष्ट्रीय सीमा पर तैनात 18 वीं वाहिनी सशस्त्र सीमा बल मुख्यालय राजनगर के अंतर्गत वाही सीमा चौंकी के नारी एवं करी यौत परिसर में नागरिक कल्याण कार्यक्रम के अंतर्गत कमांडेन्ट दामोदर प्रसाद मीणा के निदेर्शानुसार मानव चिकित्सक डॉ फाल्गुनी मंडल चिकित्सा पदाधिकारी उप कमांडेंट एवं पशु चिकित्सक डॉ प्रबोध रंजन ठाकुर मौजूदगी में निशुल्क मानव व पशु चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में 18वीं वाहिनी के चिकित्सा पदाधिकारी डॉ फाल्गुनी मंडल के द्वारा 75 ग्रामीण क्षेत्रों के लोगों को एवं लौक ही प्रखंड के पशु चिकित्सक डॉ प्रबोध रंजन ठाकुर के द्वारा 93 पशुओं को निःशुल्क ईलाज किया गया। साथ ही मरीजों को एवं पशु स्वामी को स्वास्थ्य संबंधी जानकारि दी गई तथा आवश्यक औषधियों का निशुल्क वितरण किया गया इस कार्यक्रम में कुल 75 स्थानीय लोगो ने भाग लिया जिसमे पुरुष 41 महिलाए 34 एवं 93 पशु लाभान्वित हुए। 18 वीं वाहिनी सशस्त्र सीमा बल राजनगर के डॉ फाल्गुनी मंडल द्वारा वहा उपस्थित सभी लोगो को खान पान पर विशेष ध्यान देने का सुझाव दिया गया तथा समय समय पर शारीरिक जांच करवाते रहने का भी सुझाव दिया। सशस्त्र सीमा बल अनवरत रूप से जन सरोकार के तथा आम जनता के हित के लिए सदैव प्रयत्नशील रही है।

विद्युत समस्या का शीघ्र निपटारा नहीं होने पर सड़क पर उतरेंगे उपभोक्ता : अजित

प्रात : किरण संवाददाता

मुजफ्फरपुरं। जिले के विभिन्न ज्वलंत विद्युत समस्याओं को लेकर म शनिवार को पूर्व मंत्री अजीत कुमार के नेतृत्व एक शिष्टमंडल विद्युत अधीक्षण अभियंता से मिला। प्रतिनिधिमंडल ने अधीक्षण अभियंता को जिले की कई ज्वलंत विद्युत समस्याओं से अवगत कराया। जिसमें जिले के किसानों के द्वारा कृषि कार्य के लिए विद्युत कनेक्शन हेतु दिए गए आवेदन का त्वरित निष्पादन कर उन्हें कनेक्शन देने, जिले के मड़बन प्रखंड अंतर्गत गंगापुरचौक तथा बड़कागांव में 11 हजार केवीए लाइन के विवाद को सुलझाने, कांटी क्षेत्र के मधुबन गांव का 11 केवीए लाइन दुरुस्त करने, जिले के विभिन्न गांव में अतिरिक्त ट्रांसफार्मर के लिए चिह्नित स्थानों पर छठ पर्व से पूर्व ट्रांसफार्मर बैठाने, मोतीपुर प्रखंड के जसौली चौधरी टोला में प्राथमिकता पर अतिरिक्त ट्रांसफार्मर लगाने, विद्युत विपत्र सुधार के लिए हर शनिवार को प्रखंड मुख्यालय पर शिविर लगाकर उपभोक्ता का विपत्र सुधारने आदि की मांगे प्रमुख थी। अधीक्षण अभियंता ने प्रतिनिधिमंडल के बातों को गंभीरता पूर्वक सुनकर समय सीमा के अंदर उक्त सभी मामले का निष्पादन करो का आश्वासन दिया।

इस मौके पर श्री कुमार ने स्पष्ट रूप से विद्युत विभाग के अधिकारियों से कहा कि आपके विभाग के कर्मी कार्य के निष्पादन में लगातार टालू रवैया अपना रहे हैं। जिस वजह से उपभोक्ताओं में भारी आक्रोश पैदा हो गया है 15 दिनों के अंदर यदि हमारी मांगों पर विभाग गंभीरता पूर्वक कार्रवाई नहीं की तो हम विद्युत उपभोक्ता के साथ सड़क पर उतरेंगे। इस अवसर पर विद्युत अधीक्षण अभियंता से मिलने गए प्रतिनिधि मंडल में मोहम्मद शमीम, दीनू भगत , हरेंद्र शाह, पैक्स अध्यक्ष रंजीत चौधरी, नागेंद्र गिरी, अंकेश ओझा ,जय किशन कुमार चौहान आदि प्रमुख थे।

25 बोतल शराब के साथ एक आरोपी गिरफ्तार, आवकारी थाना की कार्रवाई

रक्सौल। गुप्त सूचना के आधार पर शहर के आवकारी थाना प्रभारी ने शहर के बाटा चौक से 25 पीस नेपाली कस्तूरी शराब के साथ एक तस्कर को गिरफ्तार किया है। जिसकी जानकारी देते हुए आवकारी थाना प्रभारी लालू कुमार ने बताया कि उक्त शराब को तस्कर बीरगंज नेपाल के तरफ से झोला में रखकर रक्सौल लाया था, जहां पहुंच कर बस में सवार होने के क्रम में उसे गिरफ्तार किया गया।गिरफ्तार आरोपी की पहचान सुगौली थाना अंतर्गत पंचभेड़िया गांव निवासी श्रीयांशू शाह के पुत्र अर्जुन शाह के रूप में हुई है।

वरिष्ठ नागरिकों को त्वरित न्याय नही मिलना चिंता का विषय

प्रात : किरण संवाददाता

सासाराम। सीनियर सिटीजन एक्ट के तहत जिलाधिकारियों एवं अनुमण्डलाधिकारियों के पास मामले लम्बीत रहने से वरिष्ठ नागरिकों को त्वरित न्याय नही मिल पा रहा है,बुजुर्गों की समस्याओं को सौहार्दपूर्ण तरीके से सुलझाने की जरूरत है इसके लिए हम सम्बंधित अधिकारियों के साथ वार्ता एवं पुलिस थानों में सीनियर सिटीजन सेल का गठन कराकर सभी आवश्यक प्रयास कर रहे है।रोहतास के पूर्व जिला एवं सत्र न्यायाधीश व नेशनल सीनियर सिटीजन एसोसिएशन के लगातार तीसरी बार निर्वाचित राष्ट्रीय कानूनी सलाहकार उपेंद्रभूषण मिश्रा ने ये बाते कही।श्री मिश्रा वाराणसी से गया जाने के क्रम में शनिवार को शहर के काली स्थान स्थित परिसदन में वरिष्ठ संघीय पदाधिकारियों से मुलाकात कर संगठन की गतिविधियों पर चर्चा कर रहे थे,उन्होंने कई सुझाव एवं निर्देश भी पदाधिकारियों को दिया।इससे पुर्व सदस्यों ने श्री मिश्रा का भव्य स्वागत किया।उन्होंने कहा की सन्युक्त परिवारों के टूटने से देश मे वरिष्ठ नागरिकों की परिस्थितियां बदल गई है,उन्हें बोझ माने जाना लगा है,बहुत सारे बुजुर्ग फोन कर अपनी परेशानिया संगठन को बताते है,परिवार की मान-सम्मान के लिए वे अपने साथ होने वाले अन्याय की शिकायत पुलिस को नही करते है।कहा कि सुविधाओं में कटौती कर सरकार भी उनके साथ नाइंसाफी कर रही है जो कि गलत है।उन्होंने कहा कि संगठन के माध्यम से हम युवाओं को अपने वरिष्ठों का देखभाल करने उनका सम्मान करने के लिए प्रोत्साहित कर रहे है तथा सुविधाओं की बहाली के लिए केंद्र एवं राज्य सरकारों के साथ पहल कर रहे है।श्री मिश्रा ने 60 साल उम्र के ऊपर सभी नागरिकों को निःशुल्क एवं सुलभ चिकित्सा व्यवस्था उपलब्ध कराने की मांग सरकार से ताकी अपना सबकुछ समर्पित कर चुके बुजुर्गों को इलाज के लिए तरसना न पड़े।मौके पर राष्ट्रीय महासचिव रामायण पांडेय ह्लएलौनह्व,सत्यनारायण स्वामी,अवध बिहारी राय,लाल साहेब सिंह,नर्वदेश्वर पांडेय,विनोद पांडेय,विजय उपाध्याय, हरिशंकर तिवारी,मृत्युंजय सिह,सोनू राय,ई. रामजी दुबे,रामायण चौबे,सुग्रीव प्रसाद सिहं,विमल पांडेय,कुन्नू लाल (नगर अध्यक्ष),रामनारायण सिह,रविशंकर पासवान सहित अन्य लोग उपस्थित थे।

जाप ने किया मुसहरी में संवाद यात्रा कार्यक्रम

प्रात : किरण संवाददाता

मुजफ्फरपुर । जन अधिकार पार्टी(लो०) के द्वारा जिले के मुसहरी ब्लॉक के रोहुआ में संवाद यात्रा कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए जिलाध्यक्ष वेद प्रकाश ने कहा कि सभी प्रखंडों में संवाद यात्रा कार्यक्रम सुनिश्चित है इसी क्रम में आज मुसहरी के समर्पित कार्यकर्ता एवं आमजन के साथ संवाद स्थापित किया जा रहा है इसका उद्देश्य पंचायत और बूथ स्तर तक कमेटी को सशक्त कर लोकसभा चुनाव पूर्व संगठन को धारदार बनाया जाए। साथ ही एक महत्वपूर्ण प्रेस वार्ता कर विश्वविद्यालय में व्यापक भ्रष्टाचार,नियुक्ति प्रक्रिया में धांधली,टेंडर प्रक्रिया में नियम के विपरीत चहेते को आवंटन,रिजल्ट पेंडिंग के बहाने मोटी रकम की उगाही, पीएचडी प्रवेश में दो- दो लाख की रिश्वतखोरी का गंभीर आरोप लगाया है। जिलाध्यक्ष वेद प्रकाश,विश्वविद्यालय अध्यक्ष सुभाष ठाकुर,महिला अध्यक्ष आशा देवी,नगर अध्यक्ष प्रभात रंजन झा एवम प्रदेश सचिव रजनीश शाही ने संयुक्त प्रेस वार्ता कर पूरे मामले पर विस्तार से अपनी मांग रखी। जिलाध्यक्ष वेद प्रकाश ने कहा कि ऑडिट रिपोर्ट में जो मामला प्रकाश में आया है इसकी हाई कोर्ट के रिटायर न्यायाधीश से पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कराई जाए एवम दोषियों पर कठोर कारवाई सुनिश्चित किया जाए। लगातार सत्र अनियमित है छात्र हितों का गला घोंटा जा रहा है और कुछ दलाल प्रवृति के लोग कुलपति और भ्रष्टाचारियों के समर्थन में आंदोलन कर न्याय की आवाज को दबाना और गुमराह करने का असफल प्रयास किया जा रहा है इसकी जन अधिकार पार्टी घोर शब्दों में निंदा करती है साथ में यह घोषणा करती है की एक हफ्ते में कठोर कार्रवाई सुनिश्चित नहीं की जाती है ऐसी स्थिति में विश्वविद्यालय का घेराव और तालाबंदी सुनिश्चित किया जाएगा और छात्र हितों में छात्र इकाई की एक बड़ा समूह विश्वविद्यालय का घेराव कर उनके काले कारनामे को लोगों के बीच रखने का कार्य करेगी इस पूरे आशा में अपनी मांग पत्र को कुलपति एवं राजभवन मुख्यालय को भेजकर अवगत कराई जा रही है और दोषियों पर कठोर सजा की मांग कर रही है। इस कार्यक्रम में मुख्य रूप से डा संतोष कुमार,सत्यनारायण यादव,निरंजन कुमार,अरुण कुशवाहा,श्याम राय,राजा कुमार,अभिषेक कुमार,रौशन कुमार,संजीत कुमार, आरिफ अली,प्रमोद कुमार, मो रौकत, मो तारिक,नवीन सहनी,मनोज सहनी,रमाशंकर यादव समेत अन्य कार्यकर्तागण मौके पर उपस्थित रहे

मोतिहारी सर्किल में दिसंबर तक तीन लाख स्मार्ट मीटर लगेंगे

एनबीपीडीसीएल के अधिकारियों ने लोगों के लिए लगाया ऊर्जा चौपाल

प्रात : किरण संवाददाता

रक्सौल। एनबीपीडीसीएल के अधिकारियों ने सिटीजन आउटरिच के तहत रामगढ़वा ढेकहा, मठिया बरियारपुर व रूपडीह आदि जगहों पर ऊर्जा चौपाल का आयोजन किया। इस चौपाल के माध्यम से अवर प्रमंडल मोतिहारी के सहायक अभियंता राजीव मिश्रा ने ग्रामीण बिजली उपभोक्ताओं को स्मार्ट प्रीपेड मीटर के बारे में जागरूक किया। चौपाल में मौजूद ग्रामीणों ने स्मार्ट प्रीपेड मीटर के बारे में अनेकों सवाल पूछे। वहीं विभाग के अधीक्षण अभियंता गौतम गोविंदा का मानना है कि 12.17 लाख मीटर में चालू वर्ष के दिसंबर तक मोतिहारी सर्किल में तीन लाख मीटर लगा दिए जाएंगे। फिलहाल सर्किल में 1.10 लाख मीटर लग चुके हैं। अधीक्षण अभियंता ने कहा कि सर्किल अंतर्गत बगहा, बेतिया, चकिया, मोतिहारी एवं रक्सौल डिविजन में स्मार्ट मीटर लगाने का का तेजी से जारी है। समय से पहले ही लक्ष्य को को पूरा किये जाने की बात कही गई। उन्होंने कहा कि स्मार्ट मीटर से काफी बदलाव आया है, साथ ही राजस्व में भी वृद्धि हुई है। इधर इस मीटर के लगने से बिजली चोरी के मामलों में भी विभाग ने शिकंजा कसना शुरू कर दिया है। चालू वर्ष में सर्किल अंतर्गत जुलाई में 70 करोड़ रुपए, अगस्त में 67 करोड़ रुपए व सितंबर में 68 करोड़ रुपए की राजस्व वसूली हुई है। दूसरी ओर बीएसपीएचसीएल के सीनियर प्रोटोकॉल अधिकारी ख्वाजा जमाल ने मोतिहारी सर्किल के अभियंताओं को बधाई देते हुए कहा कि स्मार्ट प्रीपेड मीटर लगाने के मामले में बिहार देश का रोल मॉडल बना हुआ है। देश के अन्य राज्य इसका अनुकरण कर रहे हैं।अंतरराष्ट्रीय सीमा से लगे हुए मोतिहारी सर्किल के ग्रामीण क्षेत्रों में स्मार्ट प्रीपेड मीटर लगाने का काम अच्छा चल रहा है। बिजली उपभोक्ताओं के सहयोग के कारण कम समय में मोतिहारी सर्किल में 1.10 लाख मीटर लग चुके हैं। समय - समय पर डिस्कॉम कंपनी जागरूकता अभियान चला कर लोगों को जागरूक कर रही है। ऊर्जा चौपाल में लोगों को साइबर क्राइम के बारे में भी बताया गया। रामगढ़वा के दही बाजार में ऊर्जा चौपाल में रक्सौल के कार्यपालक अभियंता श्री प्रदीप कुमार सुमन ने बिजली में बढ़ते साइबर क्राइम पर लोगों को जागरूक करते हुए कहा कि गांव में स्मार्ट प्रीपेड मीटर को अच्छा रेस्पांस मिल रहा है। लोगों को साइबर ठगों से सावधान रहने की जरूरत है। किसी अंजान लिंक पर लोगों को क्लिक करने की जरूरत नही है। साथ ही सभी लोग यह जान लें कि बकाया रहने पर विभाग द्वारा रात में या छुट्टी के दिन किसी भी उपभोक्ता की लाइन नहीं काटी जाती है। उन्होंने कहा कि स्मार्ट प्रीपेड मीटर लगने से राजस्व में भी सुधार हुआ है। रक्सौल डिविजन में राजस्व 40 लाख से बढ़ कर 1.25 करोड़ रूपया प्रति महीना बढ़ गया है। इसके अलावा बिजली चोरों पर शिकंजा कसने लगा है। आज प्रतिमाह औसत 100 एफआईआर भी दर्ज हो रही है।

बेगूसराय में गंगा नदी में स्नान करने के दौरान तीन बालक डूबे, एक की मौत

प्रात : किरण संवाददाता

बेगूसराय। मटिहानी थाना क्षेत्र के खोरमपुर गंगा नदी घाट में शुक्रवार की शाम एक साथ चार दोस्त गंगा नदी में स्नान कर रहे थे। इसी दौरान चारों दोस्त डूबने लगे तो आसपास के लोगों ने गंगा नदी में छलांग लगाकर तीन बालक को डूबने से बचा लिया।जबकि एक बालक गंगा नदी के अधिक गहरे पानी में चला गया।जिसके कारण डूबकर उसकी मौत हो गई। जो बालक गंगा नदी में स्नान करने के दौरान डूब गया है, उसका घर मुफस्सिल थाना क्षेत्र के बड़ी ऐघु निवासी पप्पू साह का 16 वर्षीय पुत्र धीरज कुमार बताया जाता है। इस घटना की सूचना मिलते ही मटिहानी थानाध्यक्ष विवेक भारती अपने दलबल के साथ खोरमपुर गंगा घाट पर पहुंचे और स्थानीय गोताखोर से शव को खोजबीन कराकर बाहर निकलवाने का प्रयास किया। लेकिन देर रात हो जाने के कारण खोजबीन नहीं हो सका। शनिवार की सुबह 7:00 बजे मटिहानी खोरमपुर घाट पर एनडीआरएफ की टीम पहुंची। उसके बाद गंगा नदी में लगातार बालक के शव की खोजबीन कर रही है। दो दिन बीत जाने के बाद भी बालक का शव गंगा नदी से बरामद होने की खबर नहीं है। घटना के बारे में मृतक के परिजनों ने बताया कि घर से अपने चार दोस्त के साथ उसका पुत्र गंगा स्नान करने के लिए मटिहानी की तरफ निकला था। इसी दौरान धीरज कुमार खोरमपुर गंगा नदी घाट में स्नान करने के दौरान गहरे पानी में चला गया और डूबकर उसकी मौत हो गयी। मटिहानी थाना की पुलिस पदाधिकारी गंगा घाट पर एनडीआरएफ टीम के साथ लगातार शव का खोजबीन करा रही है।

एसएसबी द्वारा मेरी माटी मेरा देश कार्यक्रम का हुआ आयोजन

प्रात : किरण संवाददाता

रक्सौल। सशस्त्र सीमा बल 47 वी वाहनी रक्सौल द्वारा रक्सौल प्रखंड कार्यालय के सभागार में मेरी माटी मेरा देश कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान 47वीं वाहिनी कमांडेंट विकास कुमार के नेतृत्व में रक्सौल प्रखण्ड के विभिन्न गावों से एकत्रित कर लाई गई, मिट्टी के मिश्रण से अमृत कलश तैयार करने के कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर रक्सौल अनुमंडल पदाधिकारी रविकान्त सिन्हा, रक्सौल प्रखण्ड विकास पदाधिकारी जय प्रकाश, डाकघर रक्सौल से सब पोस्ट मास्टर अजय कुमार, नेहरू युवा केन्द्र से राघव कुमार, सहित चंद्रशील विद्यालय के शिक्षक व छात्र सहित अन्य कई लोगो ने इस कार्यक्रम में भाग लिया। कमांडेंट विकास कुमार ने उपस्थित लोगों को सम्बोधित करते हुवे कहा कि मेरी माटी मेरा देश अभियान का उद्देश्य उन बहादुर स्वतंत्रता सेनानियों और बीर शहीदों का सम्मान करना है, जिन्होंने देश के लिये अपना जीवन बलिदान कर दिया। कमांडेंट श्री कुमार ने कार्यक्रम में उपस्थित लोगों का आभार व्यक्त किया। इस दौरान देश के बिर शहीदों को याद कर उन्हें श्रद्धासुमन अर्पित की गई।

पूर्व विधायक ने किया संथाली टोले में जितमहरानी मेले का शुभारंभ

प्रात : किरण संवाददाता

सहरसा सोनवर्षा प्रखंड के बैठमुसहरी पंचायत के बसनहीं तरारही संथाली गांव में शनिवार से दो दिन का जितिया मेला श्री श्री 108 सार्वजनिक जितमहारानी मंदिर में पूजा के साथ प्रारंभ हुआ। यह मेला 1951 से लग रहा है जिसमे मंदिर में पूजा के बाद यहां के जनजाति समाज के आदिवासी समाज द्वारा पूजा प्रारंभ के साथ ही अपने पारंपरिक नाच दसाई संथाल आदिवासी नृत्य कर मेले का शुभारम्भ करता है।आज के कार्यक्रम के मुख्य अतिथि सोनवर्षा के पूर्व विधायक तथा नवनिर्माच मंच के संस्थापक किशोर कुमार ने जितमहारानी का पूजा अर्चना कर संथाली युवकों के साथ ढोल-नगाड़ा बजा कर उसके साथ नृत्य कर मेले का शुभारंभ किया।जैसे ही गाना खत्म होता तो संथाली युवक बोलते वन्स मोर,फिर नाच शुरू हो जाता था।पूर्व विधायक बहुत दिन बाद यहां पहुँचे थे जिससे वे बेहद खुश थे।पूर्व में वे विधायक तथा संघर्ष के दिनों में हर साल मेले में आकर उनके नृत्य और गाना में भाग लेते थे।यह देर तक चलता रहा और दर्शक आनंद लेते रहे।यहाँ दूर दूर से श्रद्धालु आते है और माता को चढ़ावा करता है।उनका मतारानी पर असीम विश्वास है।ऐसी मान्यता है की जो भी श्रद्धालु मन से मनोकामना करता है। वह अवश्य ही पूर्ण होता है।महिला निर्जला व्रत रख कर अपने पुत्र के जीवन दीघार्यु की कामना करता है।इ

संक्षिप्त खबरें

सरकार के निर्णय का विरोध करने पर किया जाएगा विचार विमर्श

सदर मुंगेर। सदर प्रखंड के विभिन्न पंचायतों के सभी वार्ड सदस्यों की एक बैठक वार्ड संघ संघर्ष समिति के बैनर तले कल रविवार के आयोजित की जाएगी। बैठक का आयोजन प्रखंड के मय पंचायत के अंतर्गत स्थित शिव गुरु धाम परिसर में किया जाएगा। इस की जानकारी मय पंचायत के उप मुखिया सह वार्ड सदस्य अध्यक्ष गणेश कुमार गौतम ने दी है ।, बैठक में वार्ड सदस्यों के द्वारा वार्ड क्रियान्वयन समिति से सरकार द्वारा वापस ली गई योजनाओं के संबंध में चर्चा की जाएगी। इसके साथ बैठक में मुख्य रूप से बिहार सरकार के इस निर्णय के विरोध करने के तौर-तरीकों पर विचार-विमर्श किया जाएगा और रणनीति बनाई जाएगी।

शराबी गिरफ्तार

हवेली खड़गपुर (मुंगेर)। थाना क्षेत्र के भलुआकौल गांव के सौरभ कुमार को नशे की हालत में पुलिस ने गिरफ्तार किया है ब्रिज एनालिसिस से जांच के बाद शराब पीने की पुष्टि के बाद आरोपित को जेल भेजे जाने की जानकारी थाना अध्यक्ष ने दी है।

नदी में डूबा बच्चा का शव नहीं मिला, खोज जारी

हवेली खड़गपुर (मुंगेर)। गत दिन खड़कपुर नगर के मनी नदी अम्माकोल में स्नान करने के वक्त डुबे किशोर अमित कुमार का शब शुक्रवार को भी नहीं मिल सका इससे स्वजन काफी परेशान दिखे सब शव बरामदगी को लेकर ग्रामीण एवं स्वजन सहित एसडीआरएफ की टीम शुक्रवार को दिनभर खोजबीन की ।लेकिन किशोर के शव का कोई आता पाता नहीं चला है। इस संबंध में अंचल अधिकारी संतोष कुमार सिंह ने बताया कि शव बरामदगी के लिए एसडीआरएफ की टीम लगातार प्रयास कर रही है

दो लोगों पर प्राथमिक की दर्ज

हवेली खड़गपुर (मुंगेर)। थाना क्षेत्र के प्रसंडो गांव में विद्युत विभाग ने छापेमारी कर राजेंद्र दास को विद्युत चोरी करते हुए रंगे हाथ पकड़ा। दोनों पर अवैध तरीके से विद्युत चोरी करने के आरोप में जुमार्ना लगाया गया है। राजेंद्र दास पर 16,615 रुपए और भैरव दास को 35,612 रुपए जुमार्ना करते हुए हवेली खड़गपुर थाना में मुकदमा दर्ज कराया है । कनिन्य विद्युत अभियंता रामकिशोर ने इसकी जानकारी दी है। उन्होंने बताया कि यह दोनों बिजली की चोरी करते हुए रंगे हाथ पकड़ा गया है।

शराब कारोबारी हुआ गिरफ्तार

हवेली खड़गपुर (मुंगेर)। थाना पुलिस ने देसी शराब के साथ एक महिला तस्कर को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। थाना अध्यक्ष ने इसकी पुष्टि करते हुए बताया कि छोटकी हथिया गांव की कमला देवी को शराब बेचते हुए गिरफ्तार किया गया है।

विज्ञान प्रदर्शनी मेला शुरू

मुंगेर। संत माइकल उच्च विद्यालय बालीपुर में दो दिवसीय विज्ञान प्रदर्शनी मेला शुक्रवार को स्कूल सभागार में प्रारंभ हुआ इस प्रदर्शनी में कक्षा 7 से दशम तक के करीब 70 छात्र छात्राओं ने अपनी सहभागिता निभाया है ।इसकी जानकारी प्राचार्य चंदन माइकल ने दी है।

रेल बचाओ जमालपुर बचाओ संघर्ष मोर्चा का किया गया गठन

मुंगेर ।भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी के अंचल कार्यालय जमालपुर में राजनीतिक एवं सामाजिक कार्यकताओं की एक अति आवश्यक बैठक कांग्रेस सेवा दल के जिला अध्यक्ष राजकुमार मंडल की अध्यक्षता में हुई। बैठक में उपस्थित सभी सदस्यों ने जमालपुर रेल की दुर्दशा पर चिंता व्यक्त करते हुए जमालपुर रेल से जुड़े सभी मुद्दों पर संघर्ष करने के लिए सर्वसम्मति से रेल बचाओ जमालपुर बचाओ संघर्ष मोर्चा जमालपुर का गठन किया गया। मोर्चा के संयोजक पद पर सर्वसम्मति से भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी के जिला सचिव अशोक मंडल चुने गए तथा इस बैठक में उपस्थित सभी सदस्य इसके पदेन सदस्य बनाए गए तथा मोर्चा के नवनियुक्त संयोजक अशोक मंडल जी को यह अधिकार दिया गया कि वह इस संघर्ष मोर्चा में अन्य राजनीतिक एवं सामाजिक कार्यकताओं को भी जोड़ें गयें ।बैठक में सभी सदस्यों की राय से यह निर्णय लिया गया कि जमालपुर में रेल विश्वविद्यालय की स्थापना, जमालपुर रेल कारखाना को मध्य रेल हाजीपुर से जोड़ने, जमालपुर में डीआरएम ऑफिस कार्यालय की स्थापना, जमालपुर में कार्य भार बढ़ाने, डीजल इंजन के साथ-साथ इलेक्ट्रिक इंजन के मरम्मती कार्य में वृद्धि करने, जमालपुर में बरसों से स्थगित नियुक्ति प्रक्रिया को पुनः चालू करने तथा इस नियुक्ति प्रक्रिया में प्रशिक्षित नौजवानों को नौकरी देने, जमालपुर रेलवे हॉस्पिटल को मॉडर्न हॉस्पिटल का दर्जा देने के साथ-साथ जमालपुर रेलवे हॉस्पिटल में रेलवे कर्मचारियों के अतिरिक्त आम लोगों का भी उपचार करने की सुविधा प्रदान करने, जमालपुर में बंद पड़े दोनों मध्य विद्यालयों को फिर से चालू करने तथा इन विद्यालयों में रेलवे कर्मचारियों के अतिरिक्त आम लोगों के बच्चों का भी नामांकन लेने सहित अन्य मुद्दों पर नवगठित यह मोर्चा शीघ्र ही संघर्ष करेगी।

लगातार हो रही बारिश ने मचाई भारी तबाही

सड़क व नाले का गंदा पानी इलाके के कई घरों में घुसा, बिजली के खम्बे गिरने से घंटों रही बिजली बाधित

प्रात : किरण संवाददाता

शाहकुंड (भागलपुर)। सुलतानगंज नगर परिषद परिक्षेत्र इलाके में लगातार हो रही भारी बारिश ने काफी तबाही मचाई है। वही नगर परिषद क्षेत्र इलाका सहित आसपास के कई पंचायत इलाके में जलमग्न की स्थिति बन गई है। बारिस का आलम यह है कि नगर परिषद क्षेत्र के दिलगौरी, अब्जुगंज, शाहाबाद, गंगापुर, नारायणपुर, नगर परिषद कार्यालय, रेफरल अस्पताल सहित अन्य इलाके में जल जमाव होने से तालाब के दृश्य में तब्दील हो गया है। वही इलाके के स्थानीय लोगों को जलमग्न हालत अब काफी डराने लगा है लोग अपने घर परिवार के गम्भीर बीमारी व डेंगू जैसी आकस्मिक रोग की चिंता में परेशान चल रहे है। वही इलाके के कई घरों में बारिश का सड़क व नालों में एक समान्य स्थिति में चलते हुए अब लोगों के घरों में पानी घुस चुका है। इसको लेकर नगर परिषद सुलतानगंज के उपसभापति प्रतिनिधि सन्नी कुमार अपने कार्यकताओं के साथ अब्जुगंज, दिलगौरी, शाहाबाद सहित अन्य जगहों में जलजमाव की समस्या से राहत पाने के लिए स्थल जायजा लिया है। वही नगर परिषद के ग्रामीणों ने जल जमाव कि समस्या निजात दिलाने के लिए नगर परिषद के उपसभापति प्रतिनिधि सन्नी कुमार को बताया कि भारी बारिश से जलजमाव होने से घर में पानी घुस चुका है, स्थिति ऐसी हो गई है कि अपने घरों में भी रहना दूभर हो गया है। वही पानी से निकलने वाली सड़न बदबूदार दुर्गंध से हो रही समस्या के बीच जहरीले कीड़े मकोड़े व मच्छर का प्रकोप तेजी से फैलाव के साथ डेंगू रोग का खतरा मंडराने लगा है। वही अब्जुगंज इलाके के पास से गुजर रही रेल लाइन के अब्जूगंज हाल्ट के समीप लगे बिजली के खम्बे व नगर परिषद क्षेत्र के सीसीटीवी कैमरे के खम्बे टुटकर नाले के तेज बहाव में ढह गया है। वही नगर परिषद के उपसभापति प्रतिनिधि सन्नी कुमार ने बताया कि बारिश बंद होते ही नगर परिषद क्षेत्र के सभी वार्ड में जलजमाव कि समस्या से निजात पाने हेतू ठोस कदम उठाए जाएंगे ।वही उन्होंने बताया कि बिजली का खम्बा गिरने से इलाके में हुई बिजली समस्या को लेकर विधुत विभाग के एसडीओ से बातचीत की गई है जो जल्द से जल्द ठीक मरम्मत कार्य को शुरू कर पुनः विधुत प्रवाह को नियमित कर दिया जाएगा। इस दौरान आसपास के तमाम ग्रामीण के अलावा दर्जनों कार्यकर्ता व समर्थक मौजूद थे।

सफाई कर्मियों ने वेतन भुगतान की मांग को ले नगर सभापति का किया घेराव

प्रात : किरण ब्यूरो

भागलपुर। नगर परिषद सुलतानगंज के सफाई कर्मचारियों का वेतन भुगतान समय पर नहीं मिलने पर सफाई कर्मियों ने नगर परिषद के सभापति राज कुमार गुड्डू का घेराव कर किये जाने का मामला सामने आया है। क्षेत्र के सफाई कर्मचारियों ने अपने वेतन भुगतान की मांग को लेकर पूरे नगर परिषद में सफाई व्यवस्था बाधित कर हड़ताल कर दिया है। इस दौरान नगर सभापति राज कुमार गुड्डू को सफाई कर्मियों ने कहा है कि श्रावणी मेला से अब तक मानदेय का वेतन एंव पीएफ फंड से जुड़ी जानकारी संबंधित ठेकादार के द्वारा नहीं की गई है। वही नगर सभापति राज कुमार गुड्डु ने सफाई कर्मियों के ठेकादार से दुरभाष पर बातचीत करते हुए सभी सफाई कर्मियों को अविलंब दस अक्टूबर तक वेतन देने का निर्देश दिया है ।उनके द्वारा दिये गये निर्देश के आलोक में वेतन भुगतान के निर्देश जारी किये जाने के बाद सभी सफाई कर्मियों सभापति को स्वतंत्र रूप से मुक्त कर उनकी बात मानते हुए अपने अपने काम पर लौट गये और वही इस दौरान सभी सफाई कर्मियों ने अपने वेतन बढोतरी की मांग रखी है, वही नगर परिषद के सभापति ने अस्वाशन देते हुए कहा है कि लिखित आवेदन दिये जाने के बाद ही सफाई कर्मियों के वेतन वृद्धि की बात कही है। इस दौरान क्षेत्र के सभी सफाई कर्मी मौजूद थे।

विद्यालय प्रांगण में घुसा पानी, बच्चे हो रहे बीमार

प्रात : किरण संवाददाता

भागलपुर। जगदीशपुर प्रखंड परिक्षेत्र स्थित कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय परिसर में जलमग्न की स्थिति उत्पन्न हो गई है। क्षेत्र इलाके में लगातार हो रही बारिश से विद्यालय परिसर में सड़क व नालों का गंदा पानी प्रवेश कर तालाब रूपी दृश्य में तब्दील होता दिख रहा है। वही विद्यालय परिसर में अवस्थित छात्राओ को जलमग्न की स्थिति उत्पन्न होने से काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। बता दे की पिछले दो-तीन दिनों से लगातार हो रहे मूसलाधार बारिश के कारण कस्तूरबा विद्यालय के निचले तल के सभी कमरों के अलावा विद्यालय के किचन में बारिश का पानी प्रवेश कर गया है। जिससे विद्यालय प्रांगण में आने जाने व खाना बनाने में काफी समस्या का सामना करना पड़ रहा है। वही विद्यालय की छात्राएं स्थिति से काफी डरी सहमी हुई दिख रही है, वही विद्यालय की छात्राओं का कहना है कि कमरे में पानी के साथ-साथ जहरीले सांप, कीड़े मकोड़े व बिच्छू भी प्रांगण में प्रवेश कर रहे है जिससे हम लोगों को रात दिन काफी भय लगा रहता है। वही विद्यालय प्रांगण में जलजमाव के कारण छात्राएं मच्छर के प्रकोप से होने वाले डेंगू रोग से भी काफी डरी सहमी हुई दिखाई दे रही है, वही सबसे अधिक परेशानी इस बात की है कि विद्यालय प्रांगण में जलजमाव होने के कारण चापाकल एवं बोरिंग से गंदा पानी निकल रहा है जो कि पीने योग्य बिल्कुल नहीं है। वही विद्यालय की कुछ यात्राएं बीमार चल रही है। वही मामले को लेकर विद्यालय की प्रभारी वार्डन सरिता कुमारी ने बताया कि पानी निकासी का कोई आसार होता नहीं दिख रहा है। क्योंकि जिस नाले से पानी निकलना था वह जाम है इस और अभी तक किसी भी अधिकारी का ध्यान नहीं गया है। इस स्थिति में विद्यालय की सभी छात्राएं डरी व सहमी हुई चल रही हैं, वही कुछ छात्राएं बीमार भी पड़ चुकी है। उधर प्रोजेक्ट कन्या उच्च विद्यालय प्रांगण में भी पानी प्रवेश कर गया है जिससे वहां पढ़ने वाली छात्राओं को भी काफी मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा है। वही अस्पताल चौक से विद्यालय तक जाने वाले रास्ते में भी घुटनों से ऊपर पानी का तेज बहाव देखने को मिल रही है। वही मामले को देखते हुए प्रखंड विकास पदाधिकारी ने कहा कि नाले पर अतिक्रमण कर लिया गया है, अंचलाधिकारी द्वारा नोटिस देकर उसे खाली कराया जाएगा। जिसके बाद उक्त नाले की सफाई कर जल निकासी की प्रक्रिया को दुरुस्त कर लिया जायेगा।

सीबीआई, ईडी जैसी जांच एजेंसी का दुरुपयोग कर रही मोदी सरकार : कनीज फातमा

पूर्णिया ।केंद्र की सत्ता पर काबिज नरेंद्र मोदी सरकार को आईएनडीआईए गठबंधन का डर इस कदर समया हुआ है कि वह गठबंधन को कमजोर करने के उद्देश्य से लगातार गठबंधन में शामिल अलग-अलग दलों के शीर्ष नेताओं पर कार्रवाई करने के उद्देश्य से सीबीआई, इडी जैसे एजेंसियों का गलत इस्तेमाल कर रही है। उक्त बातें कांग्रेस नेत्री कनीज फातमा ने एक प्रेस बयान जारी कर कहा। कांग्रेस नेत्री ने कहा कि कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा की सफलता से भाजपा न सिर्फ डरी हुई है बल्कि घबराई और बौखलाई हुई भी है। भाजपा अपनी इसी बौखलाहट के कारण ही कई सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर राहुल गांधी का उपहास उड़ाने के साथ-साथ आपत्तिजनक पोस्टर साझा किया है। कांग्रेस नेत्री ने कहा कि सत्ता के नशे में चूर अहंकारी भाजपा चाहे लाख हथकंडा अपना ले, किंतु भाजपा की कार्यशैली को लेकर जनता के मन में भाजपा के प्रति जो नकारात्मक सोच पैदा हुई है वह आने वाला लोकसभा चुनाव में नहीं बदलेगा।

मीडिया प्रतिनिधि के साथ किया अभद्र व्यवहार

जदयू के विधायक द्वारा किये वर्ताव को ले नेशनल जर्नलिस्ट एसोसिएशन ने की कड़ी निंदा

प्रात : किरण ब्यूरो

भागलपुर। बिहार के चर्चित दबंग नेताओं में एक जिले के गोपालपुर विधानसभा के जदयू नेता सह विधायक शैलेन्द्र कुमार नीरज उर्फ गोपाल मंडल ने अपने दबंगई का परिचय देते हुए स्थानीय मीडिया प्रतिनिधि के साथ अपशब्द का प्रयोग करने के साथ साथ गंदी गंदी गालीयो का इस्तेमाल करने के साथ अभद्र व्यवहार किये जाने का भी मामला सामने आया है। वही मामले को लेकर नेशनल जर्नलिस्ट एसोसिएशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष राकेश कुमार गुप्ता ने गंभीरता से लेते हुए विधायक गोपाल मंडल के विरुद्ध उन्होंने कहा है कि लोकतंत्र में सब कुछ बर्दास्त किया जा सकता है लेकिन चौथे स्तंभ के रूप में लोगों के बीच आम जनता की आवाज को बुलंद करने वाले मीडिया के प्रतिनिधि के विरुद्ध गलत तरीके से व्यवहार व गालीगलौज व उसपर हमला को कतई बर्दाश्त नहीं किया जा सकता है, साथ ही उन्होंने ये भी कहा है कि जदयू के नेता सह विधायक गोपाल मंडल ने जो पत्रकारों के साथ अभद्रता का परिचय दिया है, वह बहुत ही शर्मनाक है। एक तरफ मीडिया को बेहतर बनाने व हिम्मत कहने वाली सरकार आज उनके ही दल के समर्थक सह विधायक को मीडिया प्रतिनिधि के रूप में काम करने वाले पत्रकार के साथ अच्छे आचरण का परिचय देते हुए सम्मान जनक भाषाओं का इस्तेमाल करना चाहिए था। वही उन्होंने कहा कि हम पत्रकारों का कार्य हीं है, जनता के प्रतिनिधित्व बनकर सवाल करना है। वही उन्होंने सख्त चेतावनी भरे लहजे में कहा है कि नेशनल जर्नलिस्ट एसोसिएशन विधायक के अमर्यादित भाषा का पुरजोर विरोध करती है। विधायक वे अपने इस कृत्य के लिए लोकतंत्र के चौथे स्तंभ के रूप में प्रतिनिधित्व करने वाले पत्रकारों से माफी मांगे, अन्यथा मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ऐसे आचरण के लिए विधायक के विरुद्ध ठोस कार्रवाई किये जाने की बात कही है। वहीं नेशनल जर्नलिस्ट एसोसिएशन के प्रदेश अध्यक्ष अबोध ठाकुर समेत सभी पदाधिकारी एवं सदस्य ने अमर्यादित भाषा का घोर निंदा की है। वहीं एनजेए भागलपुर जिला अध्यक्ष अरुण भारती ने कहा है कि लोकतंत्र में महज सवाल पूछने पर किसी प्रतिनिधि पत्रकार के साथ दुर्व्यवहार करने का यह कदम प्रेस को डराने और अभिव्यक्ति की आजादी का गला घोंटने का प्रयास किया है। वही उन्होंने इस मामले की घोर निंदा की है, और इसे "कानून का बेशर्म दुरुपयोग" और "प्रेस को डराने व अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता को दबाने का प्रयास" करार दिया है।

युवक ने पुल पर चढ़ कर नदी में लगाई छलांग

प्रात : किरण संवाददाता

भागलपुर। गंगा नदी के जलस्तर में वृद्धि के साथ ही डूबने व खुदकुशी के मामले का दौर लगातार जारी है ।इसी कड़ी में एक और युवक के गंगा में छलांग लगाकर खुदकुशी करने का मामला सामने आया है। घटना को लेकर बताया जा रहा है कि एक युवक ने नदी में छलांग लगा दी। जिसकी सूचना मिलने के बाद से ही युवक के शव की तलाश में स्थानीय लोगों के साथ साथ आपदा मित्र व एसडीआरएफ की टीम लगातार शव का तलाश जुटी हुई है।

सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक जगदीशपुर थाना क्षेत्र के कोकरा नदी में स्थानीय इलाके के रविकांत पंजियारा उर्फ बबलू पंजियारा के 22 वर्षीय पुत्र विष्णु कुमार के अपने माता पिता से हुई विवाद के बाद छलांग लगाकर खुदकुशी करने का प्रयास किया है। घटना को लेकर स्थानीय लोगों ने बताया कि युवक विगत शुक्रवार सुबह कोकरा नदी के पुल के रेलिंग पर चढ़कर नदी में छलांग लगा दिया था। छलांग लगाने के बाद युवक नदी के पानी में लापता हो गया। वही युवक के छलांग लगाने के बाद स्थानीय लोगों ने उसे नदी मे ढूंढने का प्रयास किया, लेकिन उसका कोई पता नहीं चला था। वहीं संबंधित घटना की सूचना मिलने पर स्थानीय आपदा मित्र के टीम मौके पर पहुंची और नदी में युवक की तलाश शुरू कर दी। लेकिन सुबह 7:00 से शाम 5:00 बजे तक युवक के शव की तालाश में लगे रहे थे लेकिन उसका कोई अता-पता नहीं चल सका था, तब जाकर एसडीआरएफ टीम को भी सूचना दी गई। वही सूचना मिलने पर एसडीआरएफ टीम मौके पर पहुंची और मृतक युवक के शव की तलाश की जा रही है। परंतु खबर लिखे जाने तक मृतक युवक की बरामदगी नहीं की जा सकी थी। वही घटना को लेकर बताया जा रहा है कि युवक एक दिन पूर्व वैष्णो देवी से यात्रा कर अपने घर लौटा था, वही किसी बात को लेकर माता-पिता से कहा सुनी हो गई थी। इसी गुस्से में युवक ने नदी में छलांग लगा दिया था। बता दें कि युवक की मां शिक्षिका है और वह माता पिता का एकलौता पुत्र है। घटना के बाद माता-पिता एवं परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। वही एसडीआरएफ की टीम ने युवक के शव को 72 घन्टे के बाद शव को ढूंड निकलने में सफल रही हैं। जिसे पुलिस ने पोस्टमार्टम के लिए नवलाखा भेज दिया है।

18 वर्ष से अधिक आयु के 60 प्रतिशत मतदाता का वोटर लिस्ट में नहीं है नाम

प्रात : किरण ब्यूरो

भागलपुर। निर्वाचन आयोग ने बिहार के तमाम जिलों के आरओ और एआरओ को पटना बुलाकर आगामी 2024 के लोकसभा चुनाव को लेकर विशेष बैठक की है। वही निर्वाचन आयोग ने ईवीएम, मतदाता, सूची का प्रकाशन, नए मतदाताओं को जोड़ने से जुड़े मसले पर गहन विचार विमर्श के साथ साथ संबंधित जिले के नियुक्त अधिकारियों के माध्यम से लगातार वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिये राज्य भर के एआरओ को निर्देश दिए जा रहे हैं। लेकिन अभी तक कि जो सच्चाई यह है कि बिहार के 18 वर्ष से अधिक 60 प्रतिशत युवाओं व युवतियों का नाम वोटर लिस्ट में अंकित कर शामिल नहीं किया जा सका है।

वही आंकड़े की बात करें तो 18 वर्ष से 19 वर्ष तक के युवाओं व युवतियों की संख्या तकरीबन 60 लाख 97 हजार है। जबकि 20 वर्ष से 29 वर्ष के युवाओं व युवतियों की संख्या 2 करोड़ 16 लाख है। इन युवाओं का नाम वोटर लिस्ट में अभी तक अंकित नहीं किया गया है। बिहार की कुल आबादी तकरीबन 13 करोड़ से भी ज्यादा है।

इसी कड़ी में राज्य निर्वाचन आयोग की जारी एक रिपोर्ट के मुताबिक कुल वोटरों की संख्या 7 करोड़ 58 लाख है, अगर 60 प्रतिशत युवा व युवती का नाम एक वोटर के तहत मतदाता की सूची में अभी तक अंकित नहीं है तो वही आगामी 2024 के लोकसभा चुनाव के पहले ऐसे युवाओं व युवतियों को मतदाता सूची में जोड़ना भी निर्वाचन आयोग के लिए एक बड़ी चुनौती बन गई है। भागलपुर में कई योग्य संभावित युवा व युवती मतदाता से बात किया तो जानकारी मिली है कि ऑनलाइन आवदेन किया गया है, लेकिन कोई जवाब नहीं मिल पा रहा है। वही क्षेत्र के बीजेपी और जेडीयू के युवा नेता से इस संबंध में बात हुई तो उनके अलग अलग राग देखने व सुनने को मिल रहे हैं। वही निर्वाचन आयोग के विरुद्ध अब सवाल खड़े हो रहे हैं कि आखिर चुनावी दौर में ही ऐसी कुव्यवस्था क्यों सामने आती दिख रही है चुनाव के पूर्व मतदान सूची तैयार करने की कवायद शुरू तो की जाती हैं लेकिन संबंधित कार्य व्यवस्था ध्वस्त होती दिखाई देती हैं आखिर कबतक सुधार होगा ये सवाल आम लोगों के हलक से नीचे नही उतरता दिख रहा है।

अधीक्षक के विरुद्ध धरना प्रदर्शन को ले सफाई कर्मियों ने की बैठक

मांगे पूरी नहीं की गई तो व्यवस्था के विरुद्ध होगा चर्मबद्ध आंदोलन

प्रात : किरण ब्यूरो

भागलपुर। जवाहरलाल नेहरू चिकित्सा महाविद्यालय सह अस्पताल में संविदा पर चल रहे प्राइवेट कंपनी के द्वारा जारी नये फरमान के आलोक में अपनी नौकरी बचाव की मांग को ले अस्पताल में कार्यरत सफाई कर्मियों ने अस्पताल के सभागार में एक बैठक की। बैठक में अपनी मांगों को ले मुद्दे अगुवाई कर रहे श्रम विभाग खगड़िया के सफाई कर्मी संजय हरि अंबेडकर ने कहा है कि वे लोग साल 2006 से ही अस्पताल परिसर की सफाई कर्मी के पद पर नियुक्ति के साथ का काम कर रहे है। वही अस्पताल के सभी साफ सफाई का कार्यभार बाहर की एजेंसी के हांथो सौप दिया है, जो गलत है। वही अस्पताल के सफाई व्यवस्था के तहत शौचालय, बाथरूम आदि का जिम्मा दे दिया गया है। ऐसे में जिस एजेंसी के अंडर में काम कर रहे कर्मियों को अपने अधिकारों से वंचित किया जा रहा है जो गलत है। वही एजेंसी द्वारा कहना है रहा है कि आगे कार्य को लेकर हमारे संबंधित बिल में 18 से 20 लाख रुपये की कटौती की जाएगी जिससे कार्य में बदलाव कर कर्मियों की नियुक्ति को सीमित किया जा रहा है। ऐसे में वह तकरीबन 150 सफाई कर्मियों को छटनी कर काम से निकाल दिया जायेगा। इस समस्या को लेकर कई बार अधिकारी स्तर पर वार्ता करने का प्रयास किया गया था, उक्त समस्या पर न तो अस्पताल अधीक्षक और न ही एजेंसी के कर्मी हमारी व्यथा को सुनने से कतरा रहे हैं। वही संबंधित समस्या सहित कर्मचारी छटनी के आलोक में एजेंसी व अस्पताल अधीक्षक के विरुद्ध आंदोलन करने की बात को ले सफाई कर्मियों ने बैठक की हैं। इस मौके पर प्रकाश राम, शंकर सुपर, अजय हरि, पंकज मेहतर, डब्लू हरि, छोटू हरि, राकेश रंजन अंबेडकर, मिथिलेश हरि, गौतम हरि, अशोक हरि, कुंजन हरि, पीतांबर हरि, वकील हरि सहित अन्य सफाईकर्मी की मौजूदगी दर्ज रही थी।

सामान्य वर्गों को 10 प्रतिशत आरक्षण दिए जाने के लिए मंत्रिमंडल द्वारा दी गई सहमति

सदर मुंगेर। जदयू शिक्षा प्रकोष्ठ के जिला अध्यक्ष अनितेश कुमार ने एक बयान जारी कर बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व में मंत्रिमंडल द्वारा सामान्य वर्गों के लिए 10% आरक्षण बिहार न्यायिक सेवा में दिए जाने पर मंत्रिमंडल की स्वीकृति का मुहर लगाया गया। उन्होंने कहा कि इसकी स्वीकृति और सहमति से पूरे बिहार में सामान्य वर्ग के लोगों में काफी खुशी और उल्लास देखा जा रहा है। उन्होंने ने आगे कहा कि बिहार में उच्च न्यायिक सेवा के एक्ट में संशोधन कर सामान्य वर्ग को 10% न्यायिक सेवा में आरक्षण दिए जाने के लिए मंत्रिमंडल द्वारा दी गई सहमति और स्वीकृति पर आम जनता के साथ जदयू के कार्यकताओं ने प्रसन्नता व्यक्त किया है। उन्होंने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को बधाई दिया है, साथ ही मंत्रिमंडल के सभी सदस्यों को इसके लिए बहुत साधुवाद देते हुए धन्यवाद दिया है। जदयू नेता अनितेश कुमार ने कहा कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार सभी धर्म,जाति,को साथ जोड़ कर समाज के अंतिम पायदान पर खड़े वंचित समाज को मुख्यधारा में लाने के लिए भी लगातार प्रयत्नशील रहें हैं ।

भारतीय स्टेट बैंक के द्वारा डिजीटल साक्षरता कार्यक्रम का हुआ आयोजन

प्रात : किरण संवाददाता

पूर्णिया । मिथिलेश कुमार, मुख्य प्रबंधक, भारतीय स्टेट बैंक, जिला अग्रणी बैंक की देखरेख में अजय कांत झा, वित्तीय साक्षरता सलाहकार, ने पूर्णिया जिला मे कैम्प कर सभी तरह के समूह ग्रुप को वित्तीय सह डिजिटल साक्षरता पर कार्यक्रम कर इसके मूल मंत्र को बता रहे हैं।

उसी कड़ी को आगे बढ़ाते हुए दुर्गा उच्च विद्यालय मोग्लिया पुरन्दाहा पूर्णिया मे आयोजित किया गया। वसीम अहमद प्रधानाध्यापक के देखरेख में मुख्य प्रबंधक अजय कांत झा, वित्तीय साक्षरता सलाहकार ने बताया कि अपने परिवार का जीवन स्तर कैसे अच्छा बनाये रखा जा सके पर जानकारी दिया। अपने भुगतानों को डिजिटल बनाकर अपना सुरक्षित सुविधाजनक और तेज लेन-देन करे। डिजिटल बने साथ ही अपने आसपास के लोगों को भी इस काम के लिए प्रेरित करे। भारतीय रिजर्व बैंक कहता है कि डिजिटल ट्रांसैक्शन करो साथ ही अन्य को भी जोड़े। जागरूक भी किया गया कि किसी से पैसे प्राप्त करने के लिए आपको ओटीपी देने या बारकोड कोड स्कैन करने या एमपीआर दर्ज करने की आवश्यकता नहीं है।

कभी कोई ऐसा करने को कहे या मेसेज भेजे, तो सावधानी बरतें। वित्तीय सह डिजिटल साक्षरता पर प्रश्नोत्तरी का भी आयोजन किया गया जिसमें ज्योति कुमारी प्रथम, पूजा कुमारी द्वितीय और विशाल कुमार झा तृतीय स्थान प्राप्त किया जिन्हें मेडल और ट्रॉफी देकर सम्मानित किया गया और हौसला बढ़ाया गया।

दुर्गा पूजा को लेकर शांति समिति की बैठक आयोजित, डीजे बजाने को लेकर पूर्णतः प्रतिबंध

सदर मुंगेर(प्रा०कि०)। शनिवार को नया रामनगर थाना के प्रांगण में थाना अध्यक्ष कौशल कुमार की अध्यक्षता में शांति समिति की बैठक आयोजित की गई। वहीं बैठक में नया रामनगर थाना क्षेत्र के अंतर्गत 7 पूजा समिति के प्रतिनिधियों ने भाग लिए। तथा अपना अपना विचार व्यक्त किया। वही थाना अध्यक्ष द्वारा बताया गया कि सभी समिति के लोग से अनुरोध है कि डीजे नहीं बजाएंगे डीजे पर पूर्णत प्रतिबंध रहेगा वहीं उन्होंने यह भी कहे की लेडिस स्पीकर 10:00 बजे रात से 6:00 बजे सुबह तक नहीं बजाया जाएगा, इस पर भी प्रतिबंध रहेगा शांति समिति में भाग लेने वाले पूजा समिति इटहरी,गढ़ी रामपुर ,पाटन, विषहरी स्थान , नौवागढ़ी शिव मंदिर , नौवागढ़ी ठाकुरबारी, तथा जानकी नगर के समिति उपस्थित हुए।

वित्तीय सह डिजिटल साक्षरता कार्यक्रम और घर घर केसीसी अभियान हुआ संपन्न

प्रात : किरण संवाददाता

पूर्णिया/ केनगर । नाबार्ड द्वारा प्रायोजित वित्तीय सह डिजिटल साक्षरता कार्यक्रम और घर घर केसीसी अभियान मुख्य प्रबंधक (सेवानिवृत्त) अजय कांत झा, वित्तीय साक्षरता सलाहकार, भारतीय स्टेट बैंक, पूर्णिया के द्वारा उच्च विद्यालय श्रीनगर में संपन्न हुआ। परिवार की आर्थिक स्थिति को मजबूत बनाए रखने का मूलमंत्र बताया गया। वित्तीय कौशल को समझने और लागू करने की क्षमता है और आत्मनिर्भर बनने मे मदद करता है। जागरुक छात्र भी अपने अपने माता पिता का मार्गदर्शन कर सकते हैं। बचत की आदत बचपन से ही बच्चों को डालने की जरूरत है. छोटी छोटी बचत से ही बड़ी बचत होती है। बूंद बूंद से घंडा भरता है. पैसा नियमित बचत करना चाहिए। गैर जरूरी खर्चा का त्याग करना चाहिए और चतुराई से निवेश करना चाहिए। डिजिटल ट्रांसैक्शन के लिए प्रेरित किया गया साथ ही लेनदेन सिर्फ डिजिटल करने के लिए शपथ भी दिलाया गया। वित्तीय सह डिजिटल साक्षरता एक अभियान है जिसे जारी रखना है और अपने दोस्तों, मित्रों और सगे संबंधी को भी इस अभियान से जोड़ने की जरूरत है। डिजिटल भुगतान अपनाओ औरों को भी सिखाना है ।आरबीआई कहता है सही वित्तीय बर्ताव करे आपका बचाव। ओटीपी, यूपीआई पिन, कार्ड नंबर, पर्सनल जानकारी किसी के साथ शेयर ना करने का सुझाव दिया गया। किसी प्रकार के लोभ या भय मे फोन पर किसी प्रकार की जानकारी ना दे अन्यथा मेहनत से बचत जमा पूंजी खाते से गलत तरीके से निकासी हो सकता है। किसी प्रकार का गलत निकासी हो जाय तो साइबर क्राइम के टोल फ्री नंबर 1930 पर शिकायत तुरंत दर्ज करे। मिथिलेश कुमार, जिला अग्रणी प्रबंधक ने घर घर केसीसी अभियान के बारे में बिस्तार पूर्वक जानकारी दिया। ये अभियान 31 दिसंबर 23 तक चलेगा। बच्चों के बीच वित्तीय सह डिजिटल पर एक प्रश्नोत्तरी कार्यक्रम भी किया गया। प्रथम अभिषेक कुमार, द्वितीय विकास कुमार तृतीय दिलशाद सह स्थाना प्राप्त किया जिससे ट्रॉफी और मेडल प्रदान कर सम्मानित किया गया। विद्यालय परिवार को भारतीय स्टेट बैंक की और से बहुत-बहुत धन्यवाद कहा गया।

संक्षिप्त खबरें

नगर आयुक्त ने फॉगिंग एवं लार्वा का छिड़काव का दिया आदेश

गया। पितृपक्ष मेला और बरसात को ध्यान में रखते हुए विशेषकर पिंडलियों के लिए नगर आयुक्त अभिलाषा शर्मा गया नगर निगम द्वारा बताया गया कि गया नगर निगम द्वारा डेंगू के बढ़ते प्रकोप को देखते हुए पूर्व से सभी वार्डो में फॉगिंग एवं एंटी लार्वा का छिड़काव कराया जा रहा है। 28 सितंबर से प्रारंभ हुए पितृपक्ष मेला में देश विदेश से लाखों की संख्या में तीर्थ यात्रियों के आगमन को देखते हुए कुल 05 फॉगिंग मशीन से मेला क्षेत्र एवं आवासन स्थलों में फॉगिंग प्रतिदिन कराया जा रहा है, मेला क्षेत्र के अतिरिक्त शहर के अन्य वार्डों में 10 फॉगिंग मशीन से फॉगिंग कराया जा रहा है। आई एम ए हॉल, गया संग्रहालय, शहीद आरक्षित विद्यालय, गया कॉलेज, डंकन स्कूल, जी एस कन्या विद्यालय, संजय सिंह यादव कॉलेज, महेश सिंह यादव कॉलेज, महावीर स्कूल इत्यादि आवासन स्थलों एवं मेला क्षेत्र में नियमित रूप से ब्फॉगिंग ब्लीचिंग एवं एंटी लार्वा का भी छिड़काव कराया जा रहा है।

सफाई कर्मी के मृत्यु पर नगर आयुक्त ने गहरी शोक संवेदना व्यक्त की

गया। दोपहर 1.30 बजे नगर निगम के आउटसोर्सिंग कंपनी के सफाई कर्मी की वैतरणी तलाब में डूबकर मृत्यु हो गई है।वैतरणी सरोवर पर तैनात एनडीआरएफ द्वारा त्वरित कार्रवाई करते हुए व्यक्ति को पानी से निकालने की कोशिश की गई परंतु व्यक्ति के तार में फंस जाने के कारण पानी से ससमय नही निकाला जा सका है।सफाई कर्मी को पानी से निकालने के बाद सीपीआर दिया गया परंतु उनकी मृत्यु हो चुकी थी। नगर आयुक्त एवं नगर निगम के पूरे टीम द्वारा इस घटना पर गहरी संवेदना व्यक्त की गई है।

नाली का निर्माण से यात्रियों को मिल रही है सुविधा : डॉ प्रेम कुमार

गया।पूर्व मंत्री सह गया नगर विधायक डॉ प्रेम कुमार ने मुख्यमंत्री क्षेत्र विकास योजना अंतर्गत विभिन्न निर्माण कार्यो का उद्घाटन किया गया है। विधायक ने पितृपक्ष मेला महासंगम 2023 के शुभ अवसर पर तीर्थयात्री भाई बहनों के आवागमन के सुविधा के लिए वार्ड नं 40 अंतर्गत विष्णुपद मंदिर देव घाट के निकट नाला एवं सड़क निर्माण कार्य का उदघाटन 700000 के लागत से हुआ है।वार्ड नं 32 चाणक्यपुरी कॉलोनी में पथ निर्माण कार्य का उदघाटन 9,99000 के लागत से हुआ है।वार्ड नं 30 हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी में मेन रोड में नाला पर ढक्कन का मरम्मती कार्य का उदघाटन 72000 के लागत से हुआ।।इस मौके पर स्थानीय निवासियों ने बताया की यहां नाली,गली, के निर्माण से लोगों को अत्यधिक सुविधा मिल रही है।एवं पितृपक्ष में आए हुए यात्री, पिंडदानियों को भी लाभ मिल रहा है।पहले हमारे मोहल्लों में चार पहिए व तीन पहिए वाहन नहीं आ पाते थे।

कृषि टास्क फोर्स की बैठक में डीएम ने दिए कई निर्देश

भभुआ कैमूर । जिला पदाधिकारी कैमूर श्री सावन कुमार की अध्यक्षता में उर्वरक निगरानी समिति एवं कृषि टास्क फोर्स से संबंधित बैठक की गई और निम्नवत दिशा निर्देश दिया गया। सरकार द्वारा चलायी जा रही हर घर ङउउ अभियान के तहत ज़िले के प्रधानमंत्री कृषि सम्मान योजना अंतर्गत चिन्हित सभी लाभुकों को अच्छादित करने का निर्देश दिया गया। प्रधानमंत्री कृषि सम्मान योजना अंतर्गत चिन्हित सभी लाभुकों की सूची छउद्ध कैमूर को उपलब्ध कराने एवं छउद्ध कैमूर को सभी बैंकों में ङउउ हेतु विशेष कैंप लगाकर सत प्रतिशत लक्ष्य पूर्ण करने का निर्देश दिया गया।सिंचाई विभाग के एक कार्यपालक अभियंताओं को निर्देश दिया गया कि जिन क्षेत्रों में धान की फसल हेतु पानी की माँग न हो उन क्षेत्रों में में पानी आपूर्ति न करें। लघु सिंचाई अंतर्गत सभी पंचायतों में अधिष्ठापित नलकूपों को चालू करने में आ रही तकनीकी समस्याओं को दूर करने का निर्देश दिया गया। बैठक में जिला कृषि पदाधिकारी, सहायक निदेशक भूमि संरक्षण सहित अन्य लोग उपस्थित थे।

डीएम व एसपी के जन संवाद कार्यक्रम को लेकर तैयारी जोरों पर

अमनौर (सारण)प्रखंड के अमनौर कल्याण पंचायत के पंचायत सरकार भवन पुरैना के सभा कक्ष में 9 अक्टूबर को जन संवाद कार्यक्रम के तैयारी को लेकर बैठक की गई।पंचायत के सभी 15 वार्ड सदस्य एवं मुखिया प्रतिनिधि से बीडीओ मंजुल मनोहर मधूप, बीपीआरओ जितेंद्र कुमार पंचायत सरकार भवन पुरैना में होने वाले जनसंवाद को लेकर जायजा लिया।तथा साफ सफाई कराई। पदाधिकारियों द्वारा हर गतिविधि की मॉनिटरिंग की गई।पाधिकारियो ने हर बिंदु पर जांच पड़ताल की ताकि जनसंवाद कार्यक्रम के दौरान किसी प्रकार की कोई कमी रह न जाय।पंचायत सरकार भवन पुरैना में कार्यक्रम की सफलता के लिए पदाधिकारी की टीम पूरी मुस्तैदी से लगी हुई है। स्थानीय मुखिया प्रतिनिधि मुनचुन सिंह ने बताया कि सोमवार 9 अक्टूबर को प्रस्तावित कार्यक्रम में विभिन्न विभागों के अधिकारियो के अलावा पंचायत प्रतिनिधि भी मौजूद रहेंगे।

आरा के बैंक कॉलोनी मोड़ पर भव्य एवं आकर्षक पंडाल में दिखेंगी माँ दुर्गा

प्रात : किरण संवाददाता

आरा। नवरात्र का पावन महीना जैसे-जैसे नजदीक आ रहा है पूजा कमिटियों मे उत्साह और भी अधिक बढती जा रही है।बतादें कि जिले के लगभग सभी पूजा समितियां पूजा की तैयारी मे तन मन धन से जुट गई है।वही इस बार आरा के मुख्य प्रवेश द्वार बैंक कॉलोनी मोड पर भव्य एवं आकर्षक पंडाल में श्रद्धालु भक्त मां भगवती का दर्शन का दीदार करेंगे।श्री श्री दुर्गा पूजा समिति नवयुवक कला मंदिर बैंक कॉलोनी मोड आरा कमिटी के अध्यक्ष गुड्डू सिंह बबुआन, सचिव बिभु यादव, मोहित चौधरी विक्की सिंह, गुड्डू पांडे, नीतीश कुमार, भोलू, अमन, सोनी, पवन कुमार, प्रिंस कुमार,बरुन कुमार बिहारी, दीपू कुमार, सतीश कुमार, विश्वजीत सरकार, गुड्डू उपाध्याय उर्फ नारायण जी, साथी कुमार, गोलू कुमार, सुमित राय, शुभम तिवारी, हर्ष कुमार, संदीप कुमार मुरारी कुमार डीबी कुमार मुन्ना तिवारी विवेक सागर, प्रिंस, गौतम, गोलू, शैलेश, सनी, भोलू सिंह, किट्टू, रंजीत, शिवम, सत्यम, रोहित समेत 50 सदस्यीय टीम पूजा की तैयारी में जुट गई है और दिन रात काम में लगे हुए हैं। दुर्गा पूजा पंडाल में पंडाल का निर्माण अपना टेंट हाउस बाजार समिति मोहम्मद नसीम शमशेर सागर उमेश एवं तूलिका आर्ट के विजय मेहता एवं उनकी टीम के द्वारा किया जा रहा है।लगातार 8 वर्षों से यहां नवयुवक कला मंदिर के द्वारा पंडाल का निर्माण कराया जाता है।वहीं 80 फिट ऊंची पंडाल में मां दुर्गा का दर्शन इस बार भक्त गण करेंगे।वहीं 20 फीट ऊंची मां दुर्गा की प्रतिमा पंडाल में स्थापित होगी जिसका निर्माण कर्मन टोला के चर्चित मूर्तिकार मुन्ना मूर्तिकार के द्वारा किया जा रहा है। वहीं साउंड की पूरी पूरी व्यवस्था रवि डीजे इसाड़ी के द्वारा किया जाएगा।वहीं धोबी घटवा मोड़ से लेकर जीरोमाइल तक सड़क के दोनों तरफ लाइट की व्यवस्था संगम टेंट लाइट एवं साउंड बैंक कॉलोनी मोड़ की तरफ से की जाएगी।वहीं श्रद्धालु भक्तों के लिए बाबा मेडिकल धोबी घाट मोड़ की तरफ से फर्स्ट एड का व्यवस्था किया जाएगा। अष्टमी से लेकर दशमी तक खीर का प्रसाद श्रद्धालु भक्तों के बीच हर रोज वितरण किया जाएगा।सुरक्षा के लिए फायर सेफ्टी के बेहतर इंतजाम के साथ पंडाल के अंदर और बाहर आधा दर्जन सीसीटीवी कैमरे से निगरानी समेत 50 से अधिक पूजा समिति के स्वयंसेवक प्रशासन के साथ सुरक्षा में मौजूद रहेंगे।वही दुर्गा पूजा पंडाल में महिला और पुलिस के लिए दर्शन हेतु अलग-अलग व्यवस्था की गई है।

पूजा को लेकर समिति के अध्यक्ष गुड्डू सिंह बबुआन ने बताया कि पूजा को लेकर तैयारी शुरू है। सभी सदस्य दिन रात मेहनत कर रहे हैं दुर्गा पूजा में कुल बजट 10 लाख का अनुमानित है।भक्तों के लिए दर्शन पूजन की विशेष व्यवस्था पूजा कमेटी की ओर से की गई है।वही पूजा समिति के सचिव बिभु यादव ने बताया कि इस पूजा पंडाल में देश ही नहीं बल्कि विदेश ऑस्ट्रेलिया, अमेरिका, ब्रिटेन और दुबई से भी भक्तगण मां दुर्गा का ऑनलाइन दर्शन करते हैं।वही पूजा समिति के स्वयंसेवक दिन-रात लगे हुए हैं।श्री लक्ष्मी नारायण मंदिर तोताद्री मठ सोनबरसा के प्रखंड विद्वानों द्वारा पूरे विधि विधान के साथ माता का विधिवत रूप से पूजा कराया जाएगा। वहीं प्रशासन का भी भरपूर सहयोग पूजा समिति को मिलता है कमेटी के संयोजक चंदन कुमार ने बताया कि सप्तमी से लेकर दसमी तक हर रोज प्रसाद का वितरण कमेटी की तरफ से भक्तों के बीच वितरण कराया जाता है साथ ही साथ फायर सेफ्टी का इंतजाम पूजा पंडाल में किया जाता है एवं महत्वपूर्ण इमरजेंसी कांटेक्ट नंबर का डिस्प्ले भी किया जाता है।

किचड़ और गंदे पानी से मुक्त नहीं हुआ अनाईठ मिल्की : क्यामुद्दीन

प्रात : किरण संवाददाता

आरा। भाकपा माले राज्य कमिटी सदस्य व इंसाफ मंच के राज्य सचिव क्यामुद्दीन अंसारी ने एक ब्यान मे कहा कि आरा नगर निगम नरक निगम है।यहां केवल* नगर आयुक्त और मेयर को आरा के साफ-सफाई से कोई मतलब नहीं है। बल्कि मजदूरों की मजदूरी मे कैसे कटौती हो,योजनाओं मे कमिशन खोरी मे हिस्सेदारी मे बटवारा कितना हो इसी मे उझराए रहते है।

भाकपा माले नेता क्यामुद्दीन अंसारी ने कहा कि बड़े तामझाम से एक माह पहले आयुक्त और मेयर मिल्की अनाईठ का दौरा किए थे और आश्वासन दिया था कि शीघ्र मिल्की अनाईठ के जलजमाव व किचड़ को साफ कर दिया जायेगा। आज एक माह हो गया,डी। एम,एसडीओ नगर आयुक्त और मेयर के पास लाख मिन्नत और अर्जदास्त लगाने के बाद भी यहां कि गंदगी की सफाई नहीं हो पा रही है।

भाकपा माले नेता ने कहा कि स्वछता अभियान के शुरू होने पर एक उम्मीद जगी थी कि मिल्की अनाईठ की गंदगी, कचड़ा साफ हो जाऐगा पर मोदी जी के स्वछता अभियान के 7वें दिन लगने लगा है कि अनाईठ मिल्की मुहल्ला वासियों के सड़क पर लगे जलजमाव व किचड़ से मुक्ति नहीं मिलेगी। भाकपा माले नेता क्यामुद्दीन अंसारी ने कहा कि 10 तारिख को उप-मुख्यमंत्री आरा आ रहे है इसकी सिकायत माननीय नेता तेजस्वी यादव जी से की जाएगी।

मनोज कुमार झमन अपने समर्थकों के साथ जदयू मे शामिल हुए

प्रात : किरण संवाददाता

आरा। लोजपा (रा.) के जिला उपाध्यक्ष सह आरा विधानसभा के प्रभारी रहे मनोज कुमार झमन जी का जदयू में मिलन सह अभिनंदन समारोह जदयू जिलाध्यक्ष संजय कुमार सिंह की अध्यक्षता में आयोजित की गई।कार्यक्रम का संचालन जदयू प्रवक्ता शंभु प्रसाद सोनी ने किया।

कार्यक्रम में मनोज कुमार झमन 8और उनके साथ दल में शामिल हुए 40 साथियों को पूर्व मंत्री सह जदयू के राष्ट्रीय महासचिव भगवान सिंह कुशवाहा,पूर्व विधायक विजेंद्र सिंह यादव और उपस्थित दल के सैकड़ों साथियों के समक्ष जिलाध्यक्ष संजय कुमार सिंह द्वारा जदयू की सदस्यता दिलाई गयी। इस मौके पर पूर्व मंत्री श्रीभगवान कुशवाहा ने दल में शामिल हुए सभी साथियों को बधाई देने के साथ साथ मुख्यमंत्री जी द्वारा चलाये जा रहे योजनाओं पर विस्तार से प्रकाश डाला एवं इन्हें जन जन तक पहुंचाने का आह्वान किया।पूर्व विधायक विजेंद्र सिंह यादव ने दल में शामिल सभी साथियों को बधाई देने के साथ ही माननीय मुख्यमंत्री द्वारा महिलाओं एवं समाज के सभी वर्गों के लिये चलाये जा रहे योजनाओं पर विस्तार से प्रकाश डाला।जिलाध्यक्ष संजय कुमार सिंह ने दल में शामिल हुये सभी साथियों का स्वागत करते हुये कहा कि मनोज कुमार झमन और इनके साथियों के दल में शामिल होने से दल की मजबूती को बल मिलेगा। मनोज कुमार झमन और युवा जिलाध्यक्ष अभिषेक मेहता ने भी अपनी बातों को रखा। इस मौके पर भाजपा के नेताधर्मेंद्र कुमार गुप्ता, आशीष कुमार और पवन कुमार गुप्ता ने भी जदयू की सदस्यता ग्रहण की। मनोज कुमार झमन के साथ जदयू की सदस्यता ग्रहण करने वालों में अवकाश कुमार (प्रखंड अध्यक्ष लोजपा रा. जगदीशपुर),नवल कुमार, सुरज कुमार, बबलू कुमार, हरिओम कुमार, इंद्रजीत कुमार, अमरजीत कुमार, आदित्य कुमार, प्रदीप सिंह, चंदन कुमार, दिनेश कुमार, पिंकु कुमार, अजीत कुमार, बबन कुमार, कपूर सिंह, विशाल कुमार, अभिरंजन शर्मा, रितेश कुमार, सुरेंद्र कुमार सिंह, ब्रजेश कुमार सिंह, बिटु सिंह, सदिश कुमार उर्फ अरविंदर, शशि कुमार,रामायण शर्मा, राहुल कुमार, सोंनु, प्रमोद कुमार, उमेश यादव, सतीश कुमार, शिवा कुमार और जोकड पासवान शामिल हैं। कार्यक्रम में ही जिलाध्यक्ष संजय कुमार सिंह ने मनोज कुमार झमन और दल के वरिष्ठ नेता ददन राम जी को जिला उपाध्यक्ष के पद पर मनोयन की घोषणा की।

इस मौके पर वरिष्ठ नेता झुलन गोड, जितेंद्र राम, कमलेश मिश्रा, रविन्द्र कुमार सिंह, अनूप पटेल, लालबहादुर महतो, जयशंकर कुशवाहा, धर्मेंद्र यादव, हीरालाल गुप्ता, इमरान अहमद, मुन्ना बाबा, विष्णु मिश्रा, अंकुर कुशवाहा, संजय चौधरी, अरमान खान,श्रीकांत राम सहित दल के सैकड़ों साथी उपस्थित थे।

एक दिवसीय प्रशिक्षण-सह- उन्मुखी-करण कार्यशाला का आयोजन

प्रात : किरण संवाददाता

आरा। कार्यशाला का शुभारम्भ जिला पदाधिकारी भोजपुर के द्वारा दीप प्रज्जवलित कर किया गया तथा उपस्थित पदाधिकारियों का पौधा देकर सम्मानित किया गया। कबीर अंत्येष्टि अनुदान योजना अंतर्गत आने वाले कठिनाइयों का निराकरण के साथ ही सामाजिक सुरक्षा के विभिन्न पेंशन योजनाओं पर 'सक्षम' बिहार पटना से आये पदाधिकारी शहनवाज अहमद, राज्य कार्यक्रम प्रबंधक सक्षम एवं राजेश कुमार के द्वारा प्रशिक्षण में उपस्थित जिले के सभी प्रखंड विकास पदाधिकारी, कार्यपालक सहायक, डाटा इन्ट्री ऑपरेटर, प्रखंडों के मुखियागण एवं आरा नगर के वार्ड पार्षदों के कठिनाईयों दूर किया गया गया। प्रशिक्षण शिविर में उप विकास आयुक्त, भोजपुर, निदेशक जिला ग्रामीण विकास अभिकरण भोजपुर जिला लोक शिकायत निवारण पदाधिकारी, जिला आपूर्ति पदाधिकारी, जिला अल्पसंख्यक कल्याण पदाधिकारी भोजपुर, सहायक निदेशक, जिला सामाजिक सुरक्षा कोषांग भोजपुर एवं जिला सामाजिक सुरक्षा कोषांग के कर्मी विजय कुमार, विवेकानन्द, अमन कुमार सोनी एवं अन्य उपस्थित रहे।

भोजपुरी अभिनेता पवन सिंह पहुंचे आरा के सिविल कोर्ट

कुटुंब न्यायालय में चल रहा है पत्नी ज्योति सिंह के साथ तलाक का मुकदमा

प्रात : किरण संवाददाता

भोजपुरी सिनेमाके पावर स्टार कहे जाने वाले पवन सिंह और उनकी पत्नी ज्योति सिंह का आरा कोर्ट में तलाक का मामला चल रहा है।ज्योति सिंह ने पवन सिंह पर कई गंभीर आरोप लगाए थे। पिछले तारीख पर दोनों के बीच सुलह नहीं हो पाया था जिसको लेकर एक बार फिर शनिवार को आरा कुटुंब न्यायालय में मीडिएशन को लेकर दोनों पक्षों को बुलाया गया था, लेकिन मीडिएशन नहीं हो पाया। दोनों पक्ष आगे केस लड़ने को तैयार है। पवन सिंह और उनकी पत्नी कोर्ट से निकलने के दौरान मीडिया के सवालों से बचते दिखाई दिए। मीडिया के किसी भी सवालों का जवाब उन्होंने नहीं दिया। पवन सिंह के पहुंचने की खबर जैसे ही उनके प्रशंसकों को मिली हजारों की संख्या में लोग वहां पहुंच गए और कोर्ट में काफी देर तक अफरा तफरी तफरी का माहौल कम रहा उनके हजारों प्रशंसक जहां उनके साथ सेल्फी लेना चाह रहे थे वही उनको देखने के लिए काफी उत्सुक दिखे हालांकि उनके पहुंचने को लेकर प्रशासन की तरफ से सुरक्षा के कारण इंतजाम किए गए थे लेकिन भीड़ के कारण तमाम दावे खोखले साबित होते नजर आएपवन सिंह और उनकी पत्नी ज्योति सिंह तलाक मामले में आज आरा सिविल कोर्ट के फैमिली कोर्ट में सुरक्षा व्यवस्था के बीच पहुंचे। इस दौरान उनकी पत्नी ज्योति सिंह भी आर के व्यवहार न्यायालय पहुंची दरअसल, पवन सिंह ने आरा के सिविल कोर्ट के कुटुंब न्यायालय में अपनी पत्नी ज्योति सिंह से तलाक के लिए अर्जी दी है। जिसका मुकदमा आरा के कुटुंब न्यायालय में चल रहा है

वहीं इस मामले पर ज्योति सिंह के वकील विष्णुधर पांडेय ने बताया कि तकरीबन 2 घंटे तक रिकॉन्सिलिएशन हुई। इस दौरान पवन सिंह के तरफ से ज्योति सिंह को एक मकान और 1 करोड़ देने की बात कही गई लेकिन पत्नी 5 करोड़ रूपया नगद एवं एक घर की मांग कर रही हैं जिस पर पवन सिंह तैयार नहीं हुए और एक बार फिर से आज मेडिसिन की बात नहीं बन पाई। इसके बाद उनकी पत्नी की तरफ से कहा गया की हम लोग कोर्ट में केस लड़ते रहेंगे। वहीं, दलीलों के बाद पवन सिंह और ज्योति सिंह दोनों ही लौट गए।

हालांकि अब यह अंदाजा लगाया जा रहा है कि पवन सिंह की मुश्किलें बढ़ सकती हैं।बता दें कि पवन सिंह की पहली पत्नी नीलम सिंह ने 2015 में आत्महत्या कर लिया था। उसके बाद भोजपुरी सुपर स्टार पवन सिंह के अफेयर की चर्चा जाने-माने भोजपुरी अभिनेत्री अक्षरा सिंह के साथ होने लगी, लेकिन पवन सिंह उत्तर प्रदेश के बलिया जिले के रहने वाले रामबाबू सिंह की पुत्री ज्योति सिंह के साथ 7 मार्च 2018 बलिया के एक होटल से बड़े ही धूमधाम से शादी कर अपने फैंस को हैरत में डाल दिया था। वहीं, पवन की दूसरी शादी भी लंबे समय तक नहीं चल पाई। और इसी मामले में आज दोनों को कुटुंब न्यायालय में बुलाया गया था लेकिन दोनों के बीच सुलह नहीं हो पाने के कारण दोनों वापस लौट गए।

एन.सी.डी. के अन्तर्गत जिलास्तरीय एक दिवसीय ट्रेनिंग कार्यक्रम किया गया आयोजित

प्रात : किरण संवाददाता

आरा। एन.सी.डी. के अन्तर्गत जिलास्तरीय एक दिवसीय ट्रेनिंग कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में बिहार राज्य के होमी भाभा कैंसर हास्पिटल एवं रिसर्च सेन्टर के पदाधिकारी डॉ. के. एन सहाय, आर.डी.डी.एन.सी.डी., डॉ. प्रदीप नन्दन एवं आर. पी. एम. पियुष रंजन सम्मिलित रूप से दीप प्रज्ज्वलित कर उद्घाटन किया। इस अवसर पर डॉ. प्रवीण कुमार सिन्हा, जिला गैर-संचारी रोग पदाधिकारी, भोजपुर , डॉ. सुहानी भारद्वाज, डॉ. स्नेहिल स्नेहा एवं क्लस्टर कार्डिनेटर डॉ. ग्रिश्मा ने कैंसर समन्धि जानकारियां साझा किया। एन.सी.डी. संबंधी प्रशासनिक सेवा संबंधी विस्तृत जानकारी सभी प्रतिभागियों को दिया एवं भोजपुर जिले में कार्यक्रम को गति प्रदान करने के लिए प्रेरित किया। ज्ञातव्य हो कि आज 9 वें बैच की ट्रेनिंग दी गई, पुर्व में 8 बैचों में भोजपुर जिले के तमाम प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी, नोडल आफिसर एन.सी.डी. , बी. एच.एम. बी.सी.एम. तथा नर्सिंग स्टाफ को ट्रेनिंग दी जा चुकी है। ट्रेनिंग का समापन सभी प्रतिभागियों को सर्टिफिकेट वितरण के साथ किया गया।

दुर्गा पूजा को ले गड़हनी पिकेट में शांति समिति की बैठक सम्पन्न

प्रात : किरण संवाददाता

गड़हनी। भोजपुर चरपोखरी थाना के गड़हनी स्थित पुलिस पिकेट में शनिवार को दुर्गा पूजा को ले थानाध्यक्ष संजय सिन्हा के अध्यक्षता में एक शांति समिति की बैठक का आयोजन किया गया।जिसमें थानाध्यक्ष ने कहा कि प्रत्येक पंडाल वाले को शांति पूर्ण तरीके से आपसी भाईचारा के साथ त्योहारों को सम्पन्न करना होगा। डीजे साउंड नही बजाना होगा,प्रत्येक पंडाल में सीसीटीवी कैमरा लगाना अनिवार्य हैं,बिजली विभाग से सर्टिफिकेट लेना होगा।एवं सभी पंडाल में अग्निशमन यंत्र रखना होगा,पूजा को शांति पूर्ण तरीके से सम्पन्न कराने की अपील सभी कमिटी से की गई।वही शराबियों पर पैनी नजर रखना होगा।शराबी जिस पंडाल में दिखेंगे तो शराबी सहित कमिटी पर भी एफआईआर होगी।इस लिए कमिटी को अगर उसके पंडाल में शराबी दिखे तो तुरंत सूचना दे।सिर्फ शराबी के ऊपर ही करवाई की जाएगी।बैठक में इस मौके दुगार्पूजा समिति पुरानी बाजार अध्यक्ष सुमन चौरसिया,संयोजक राहुल सिंह,वार्ड पार्षद चंदन सोनी बिचली पट्टी से पंकज सिंह,नितेश सिंह,छोटन सिंह,गोला बाजार से सुरेन्द्र सिंह,पूर्व मुखिया तस्लीम आरिफ,अकबर अली, मो०असलम,भाई रमीज सहित दर्जनों जनप्रतिनिधियों व सामाजिक कार्यकर्ता उपस्थित थे।

बच्चों में सोच विकसित करने के उद्देश्य से विज्ञान प्रदर्शनी का आयोजन

प्रात : किरण संवाददाता

गया।आर.जी.एन.पब्लिक स्कूल, शेरघाटी में बच्चों में वैज्ञानिक सोच विकसित करने के उद्देश्य से विज्ञान प्रदर्शनी का आयोजन किया गया है। इस प्रदर्शनी में कक्षा सात ,आठ और नौ के विद्यार्थियों ने अपने अपने मॉडल प्रदर्शित करते हुए अपनी प्रतिभा को साबित किया है।स्कूल के निदेशक संजय कुमार ने बताया कि इस विज्ञान प्रदर्शनी का आयोजन सीबीएसई की बच्चों में वैज्ञानिक सोच विकसित करने के लिए करके सीखो नीति पर किया गया है। बच्चों में वैज्ञानिक सोच विकसित करने और उनका विज्ञान के प्रति आकर्षण बढ़ाने के लिए यह जरूरी है कि उनको वैज्ञानिक गतिविधियों में प्रतिभाग कराया जाये। उन्होंने बताया कि इस प्रदर्शनी में कक्षा सात,आठ व नौ के छात्र-छात्राओं ने आवर्त सारिणी के गुण, विद्युत चुंबकीय प्रेरण, श्रेणीक्रम व समांतरक्रम में प्रतिरोध, कार्बन के अपरूप, खाद्य श्रृंखला, ऊर्जा संरक्षण, विभिन्न प्रकार के चतुर्भुज मॉडल आदि प्रदर्शित किए और उनके बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी दी। स्कूल के इन बाल वैज्ञानिकों ने अपने मॉडलों से यह दिखाने का प्रयास किया कि आने वाला कल उनका है और वे अपनी नई वैज्ञानिक सोच के साथ आगे बढ़कर देश को नई ऊंचाइयों तक ले जाएंगे।

विज्ञान प्रदर्शनी में विंड एनर्जी -नंदिनी कौशिक, निशा भारती व अक्षरा ब्राह्मणी, राम मंदिर- कृति खत्री, रेनवाटर हार्वेस्टिंग- पायल, लाडली, वंदना, फरहीन,आवर्त सारणी- यशी कुमारी, मन्तशा परवीन ,जावेरिया,सीमा, चंद्रयान-3- रजनीश कुमार, लंदन ब्रिज- प्रिंस कुमार, सोलर सिस्टम- प्रिंस पांडे, प्रिंस श्रीवास्तव एवम प्रियांशु कुमार आदि छात्र छात्राओं ने अपने स्थैतिक एवं सजीव गतिक मॉडल प्रदर्शित कर सभी को प्रभावित किया है। इस कार्यक्रम को सफल बनाने में स्कूल शिक्षक एवं शिक्षिकाओं का योगदान रहा है।सह-निदेशक संजीव कुमार ने बताया कि विद्यालय में आयोजित विज्ञान प्रदर्शनी प्रतियोगिता मे प्रतिभाओं ने अपनी प्रतिभा का परिचय देते हुए विभिन्न विधाओं में सात पुरस्कार प्राप्त किए हैं। उन्होंने बताया कि विज्ञान प्रदर्शनी प्रतियोगिता के आयोजन का उद्देश्य विद्यार्थियों में विज्ञान के प्रति रुचि पैदा करना तथा विज्ञान विषय को बढ़ावा देना है।

बिहार के राज्यपाल ने पूर्वजों की आत्मा शांति को लेकर किया पिंडदान व कर्मकांड

गया। विश्व प्रसिद्ध पितृपक्ष मेला के दसवें दिन बिहार के राज्यपाल राजेन्द्र विश्वनाथ आर्लेकर शनिवार को गया पहुंचे जहां उन्होंने विश्व प्रसिद्ध विष्णुपद मंदिर के प्रांगण में अपने पूर्वजों की आत्मा की शांति को लेकर पिंडदान कर्मकांड किया है ।इस दौरान सुरक्षा को लेकर कड़े प्रबंध किए गए थे।सर्वप्रथम राज्यपाल गया अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा पहुंचे, जहां से वे सड़क मार्ग से विष्णुपद मंदिर पहुंचे है ।इसे लेकर शहर के कई जगहों पर बैरिकेडिंग की गई थी। इसके साथ ही बड़ी संख्या में पुलिस बल को तैनात किया गया था।उनके पुरोहित बच्चू लाल चौधरी के द्वारा विष्णुपद मंदिर के प्रांगण में पूरे विधि-विधान के साथ पिंडदान कर्मकांड कराया गया है। इस मौके पर पुरोहित बच्चू लाल चौधरी ने कहा कि राज्यपाल राजेन्द्र विश्वनाथ आर्लेकर दूसरी बार पिंडदान करने गयाजी पहुंचे है। उन्होंने अपने माता-पिता, चाचा-चाची, सास-ससुर सहित अन्य पितरों की मोक्ष की कामना को लेकर पिंडदान किया है।

सांसद ने टेकारी प्रखंड गांव स्वतंत्रता सेनानी परिवार से मिले

प्रात : किरण संवाददाता

गया।मेरा माटी, मेरा देश कार्यक्रम के तहत भाजपा के औरंगाबाद सांसद सुशील कुमार सिंह ने टेकारी प्रखंड के मऊ, संडा,चितौखर,कुतलुपुर,केसपा ग्राम में स्वतंत्रता सेनानी एवं शहीद सेनानी के घर जाकर उनके परिवारों से मुलाकात किए! इस अवसर पर प्रत्येक घर से मिट्टी और चावल कलश में लिया गया !इस अवसर पर कुतलुपुर में शहीद रामपुकार शर्मा के प्रतीमा पर माल्यार्पण किए और ग्रामवासियों एवं कार्यकताओं को संबोधित करते हुए कहा कि यह कार्यक्रम शहीदों एवं स्वतंत्रता सेनानी के प्रति समर्पित है। लोगों से देश की रक्षा करने वाले सेनानी एवं उनके परिवार को सम्मान और रक्षा करने का आह्वान किया, मोदी सरकार में भारत देश 2047 तक आत्मनिर्भर एवं विकसित देश के श्रेणी में सुमार रहेगा आश्वस्त किए!

इस अवसर पर भाजपा के वरिष्ठ नेता लघु उद्योग प्रकोष्ठ बिहार प्रदेश प्रभारी ई.शम्भु नाथ केशरी , लोकसभा संयोजक अनिल शर्मा,उतरी मंडल अध्यक्ष कुन्दन शर्मा, दक्षिण मंडल अध्यक्ष अनिल पासवान,कोच उतरी अध्यक्ष देवेन्द्र शर्मा, दक्षिण मंडल अध्यक्ष सुनील सिंह, विजय गुप्ता, शशी प्रियदर्शी,भुवन मोहिनी,शिववल्लभ मिश्रा, माया सिंह, गणेश प्रसाद, निपु शर्मा, सुधीर शर्मा, पूर्व अध्यक्ष सुरेंद्र सिंह, उपेन्द्र सिंह,महेश वर्मा , निरंजन सिंह , नागेंद्र दांगी, राजकुमार सिंह, आदि कार्यकर्ता शामिल हुए!

आरक्षण संघर्ष समिति ने गड़हनी में की सर्वदलीय बैठक

गड़हनी। महिला आरक्षण को लेकर आज आरक्षण संघर्ष समिति के बैनर तले गड़हनी सहिला पुल के पास हीरो होंडा शो रूम के बिल्डिंग में एक सर्वदलीय बैठक की गई। जिसमे महागठबंधन के सभी पार्टी के लोग उपस्थित थे।बैठक की अध्यक्षता अल्पसंख्यक प्रकोष्ठ के जिलाध्यक्ष डॉ अकबर अली व संचालन राजद राज्य परिसद के सदस्य श्रीनिवास यादव ने की। आरा से आये संघर्ष समिति के संयोजक नंदकिशोर यादव,अजय यादव,राम सकल भोजपुरिया, पपु कुमार,मंटू शर्मा ने बैठक को सम्बोधित करते हुये कहा कि महिला आरक्षण बिल भाजपा द्वारा सांसद व राज्य सभा मे लाकर सर्वसम्मति से पास करा लिया गया लेकिन कोई नेता चाहें पक्ष हो या बिपक्ष सभी ने अपना समर्थन दे दिया। सभी नेताओं ने क्यो समर्थन किया ये सोचने की बात है।

अक्षयवट में दो दिनों के अंदर मरमति का कार्य पूर्ण करें : नगर आयुक्त

प्रात : किरण संवाददाता

गया। विश्व प्रसिद्ध पितृपक्ष मेला लगातर पिंडलियों को सफाई देनी इसके लिए नगर आयुक्त अभिलाषा शर्मा गया नगर निगम द्वारा मेला क्षेत्र के अक्षयवट के पास जलापूर्ति पाइप में लीकेज हो जाने के कारण सिंगरा स्थान में नए टंकी में पानी आपूर्ति बंद हो जाने के कारण कुछ भाग में नागरिकों को जलापूर्ति बंद हो गई। इसके निरीक्षण के समय बुडको के कार्यपालक अभियंता एवं उनका पूरा टीम स्थल पर मौजूद था। कार्यपालक अभियंता द्वारा बताया गया कि उनका टीम दो दिनों के अंदर लीकेज ठीक कर जलापूर्ति चालू का देगा।निर्देश दिया गया की वर्तमान में मेला चल रहा है अतः अनुमंडल पदाधिकारी , सदर एवं ट्रैफिक पुलिस पदाधिकारी से समन्वय स्थापित कर द

ग्रीन बॉन्ड जारी कर अर्बन लोकल बॉडीज जुटा रहीं मोटा पैसा, 12 शहरों ने नगरपालिका बॉन्ड से 4,384 करोड़ जमा किये

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्रीय आवास और शहरी मामलों के मंत्रालय ने शहरी स्थानीय निकायों (अर्बन लोकल बॉडी) को सलाह दी है कि सेवाओं को आसानी से लोगों तक पहुंचाने के लिए डिजिटल प्रौद्योगिकी के एकीकरण पर जोर देना होगा। वित्तीय संसाधनों के लिए ग्रीन बॉन्ड जैसे विकल्प अपनाए जा सकते हैं। 12 शहरों ने नगरपालिका बॉन्ड के माध्यम से 4,384 करोड़ रुपये से अधिक की राशि जुटाई है। अहमदाबाद, भुवनेश्वर, मैसूर, राजकोट, नागपुर और पुणे ने शहरी विकास को लेकर कई अहम प्रयोग किए हैं। छह शहरी स्थानीय निकायों ने अपनी एकीकृत सरकारी ऑनलाइन प्रशिक्षण मंच (आईजीओटी) कर्मयोगी यात्रा शुरू की है, जिसमें कुल

3,852 अधिकारियों का नामांकन हुआ है। सामूहिक रूप से 4,561 से अधिक कोर्स पूरे किए हैं। ऑनलाइन ट्रेनिंग के जरिए अधिकारियों को ट्रेनिंग दी जा रही है ताकि लोगों को सरकारी सेवाओं का फायदा आसानी से पहुंचे।

जी20 की बैठकों के दौरान में भी शहरी विकास के लिए ग्रीन बॉन्ड जारी कर सौर ऊर्जा जैसे प्रोजेक्ट के लिए पैसा इकट्ठा करना, क्लीन ट्रांसपोर्टेशन, वेस्ट टु एनर्जी प्रोजेक्ट को बढ़ावा देना, प्राइवेट पब्लिक पार्टनरशिप के जरिए फाइनैंस को बढ़ावा देने पर जोर दिया गया था। ग्रीन कवर का दायरा बढ़ाने, वेस्ट टु एनर्जी प्रोजेक्ट, साफ पानी जैसे मुद्दों पर काम करने के लिए शहरों को एक-दूसरे के साथ रणनीति साझा करनी होगी। हाल ही में हुए एक कार्यक्रम में केंद्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने कहा कि सरकार का लक्ष्य देश भर में सभी शहरी स्थानीय निकायों (यूएलबी) के लिए क्षमता निर्माण के लिए एक एकीकृत दृष्टिकोण विकसित करना है। जो शहर अपने यहां नए प्रयोग कर रहे हैं, उनके बारे में दूसरे शहर भी देखें और अगर संभव हो तो उसको लागू करने के बारे में भी विचार किया जाए।

इंदौर बना पहला शहर

देश मे इंदौर पहला ऐसा शहर है, जहां पर ग्रीन बॉन्ड का पब्लिक इश्यू जारी किया था। विशेषज्ञों का कहना है कि क्लाइमेट फाइनैंस के लिए पब्लिक प्राइवेट पार्टनरशिप के साथ-साथ खुद के संसाधनों के विकास पर भी ध्यान देना होगा। शहर में ज्यादा से ज्यादा सौर ऊर्जा संयंत्र लगाने और बिजली पर आने वाले खर्च को कम करने के लिए यह प्लान लागू किया गया था।

18 लाख करोड़ का निवेश

केंद्रीय आवास मंत्रालय के मुताबिक देश के शहरों और कस्बों के परिवर्तन में वर्ष 2014 से 18 लाख करोड़ रुपये से अधिक का निवेश किया गया है। 13वें वित्त आयोग ने वर्ष 2010-11 से वर्ष 2014-2015 की अवधि के बीच शहरी स्थानीय निकायों को 23,111 करोड़ रुपये प्रदान किए गए थे। जबकि 15वें वित्त आयोग के अंतर्गत वर्ष 2021-22 से वर्ष 2025-2026 के बीच यह राशि छह गुना बढ़कर 1,55,628 करोड़ रुपये हो गई।

विदेशी मुद्रा भंडार 3.79 अरब डॉलर घटकर 586.91 अरब डॉलर रहा

नई दिल्ली, एजेंसी। देश का विदेशी मुद्रा भंडार 29 सितंबर को समाप्त सप्ताह में 3.794 अरब डॉलर घटकर 586.908 अरब डॉलर रह गया। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। इसके पहले के सप्ताह में देश का कुल मुद्रा भंडार 2.335 अरब डॉलर की गिरावट के साथ 590.702 अरब डॉलर था। अक्टूबर 2021 में देश का विदेशी मुद्रा भंडार 645 अरब डॉलर के सर्वकालिक उच्चतम स्तर पर पहुंच गया था। लेकिन पिछले साल वैश्विक घटनाक्रम से पैदा हुए दबावों के बीच आरबीआई ने रुपये की विनिमय दर में गिरावट को रोकने के लिए इस पूंजी भंडार का उपयोग किया था जिससे विदेशी मुद्राभंडार में कमी आई। रिजर्व बैंक के साप्ताहिक आंकड़ों के अनुसार, 29 सितंबर को समाप्त सप्ताह में विदेशी मुद्रा भंडार का अहम हिस्सा विदेशी मुद्रा आस्तियां 3.127 अरब डॉलर घटकर 520.236 अरब डॉलर रही। डॉलर में अभिव्यक्त की जाने वाली विदेशी मुद्रा आस्तियों में यूरो, पाउंड और येन जैसी गैर-अमेरिकी मुद्राओं में घट-बढ़ के प्रभावों को भी शामिल किया जाता है। स्वर्ण भंडार का मूल्य 57.6 करोड़ डॉलर घटकर 43.731 अरब डॉलर रह गया। आंकड़ों के अनुसार, विशेष आहरण अधिकार (एसडीआर) 7.4 करोड़ डॉलर घटकर 17.939 अरब डॉलर रहा। आलोच्य सप्ताह में अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) के पास रखा देश का मुद्रा भंडार 1.8 करोड़ डॉलर घटकर 5.002 अरब डॉलर रहा।

असुरक्षित कर्ज में वृद्धि पर आरबीआई ने जताई चिंता, वित्तीय स्थिरता को खतरा; मजबूत करनी होगी निगरानी

नई दिल्ली, एजेंसी। खुदरा कर्ज खासकर पर्सनल लोन और अन्य असुरक्षित कर्ज में बेतहाशा वृद्धि पर आरबीआई ने चिंता जताई है। दास ने कहा कि बिना गारंटी वाले कर्ज वित्तीय स्थिरता के लिए खतरा हैं। ऐसे में हम उम्मीद करेंगे कि हालात पर नियंत्रण के लिए बैंक, गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियां (एनबीएफसी) और फिनटेक आंतरिक निगरानी तंत्र मजबूत करें। साथ ही, मजबूत जोखिम प्रबंधन भी लागू करें। केंद्रीय बैंक के डिप्टी गवर्नर जे स्वामीनाथन ने कहा, गवर्नर की इस संबंध में टिप्पणियां सिर्फ एक सलाह है।

स्वामीनाथन ने चेतावनी दी कि बैंक व एनबीएफसी पर इस पर कार्रवाई नहीं करते हैं तो आरबीआई खुद इसकी जांच करेगा। पिछले दो वर्षों में कुल बैंकिंग कर्ज 12-14 फीसदी बढ़े हैं। इस दौरान असुरक्षित

खुदरा कर्ज में 23 फीसदी वृद्धि हुई है, जो नियामक के लिए चिंता की बात है। आरबीआई ने पीएम विश्वकर्मा को भुगतान अवसंरचना विकास कोष (पीआईडीएफ) योजना में शामिल करने का फैसला किया है। साथ ही, पीआईडीएफ योजना को दो साल के लिए 31 दिसंबर, 2025 तक बढ़ाने का प्रस्ताव है। प्रधानमंत्री मोदी ने पिछले माह पीएम विश्वकर्मा योजना की शुरुआत की थी। इसमें कारीगरों को दिए जाने वाले कर्ज पर 8 फीसदी तक की सब्सिडी देने का प्रस्ताव है। कार्ड डाटा के 'टोकनाइजेशन' की बढ़ती स्वीकार्यता को देखते हुए आरबीआई सीधे बैंक स्तर पर कार्ड-ऑन-फाइल टोकनाइजेशन सुविधाएं शुरू करने पर विचार कर रहा है। ग्राहक शिकायत निपटान तंत्र मजबूत करने के लिएआरबीआई आंतरिक लोकपाल योजना में बदलाव कर सकता है।

घरेलू बचत के 2022-23 में पांच दशक के निचले स्तर पर आने पर आरबीआई ने कहा, कोरोना के बाद आवाजाही पर लगा प्रतिबंध खत्म हो गया। इससे लोगों ने खर्च करना शुरू किया है। आरबीआई के डिप्टी गवर्नर माइकल पात्रा ने कहा, परिवारों की शुद्ध वित्तीय बचत में गिरावट में देनदारियों में वृद्धि भी शामिल है। इनमें से अधिकांश होम लोन हैं, जो अगले साल निवेश के रूप में दिखाई देंगे। पात्रा ने कहा, ऐतिहासिक रूप से औसत घरेलू बचत दर करीब 7.5 फीसदी थी। महामारी के दौरान यह कई कारकों के कारण बढ़ गई थी। इसमें प्रतिबंधों के कारण खर्च करने में असमर्थता और एहतियाती बचत भी शामिल थी।

अफॉर्डेबल रोबोटिक एंड ऑटोमेशन के शेयरों ने भरा फर्राटा, 20 रुपये से पहुंचे 600 के पार

नई दिल्ली, एजेंसी। एक छोटी कंपनी अफॉर्डेबल रोबोटिक एंड ऑटोमेशन के शेयर शुक्रवार को अचानक रॉकेट बन गए। कंपनी के शेयर 5 पर्सेंट की तेजी के साथ 684.45 रुपये पर पहुंच गए। अफॉर्डेबल रोबोटिक एंड ऑटोमेशन के शेयरों में यह तेजी राइट्स इश्यू के जरिए फंड जुटाने की मंजूरी मिलने के बाद आई है। कंपनी के बोर्ड ने शुक्रवार को हुई मीटिंग में यह अप्रूवल दी है। बोर्ड ने राइट्स इश्यू से 50 करोड़ रुपये तक जुटाने की मंजूरी दी है।

अफॉर्डेबल रोबोटिक एंड ऑटोमेशन के शेयर 15 मई 2020 को 20.50 रुपये पर थे। कंपनी के शेयर 6 अक्टूबर 2023 को 684.45 रुपये पर बंद हुए हैं। कंपनी के शेयरों ने पिछले 3 साल से कुछ ज्यादा समय में निवेशकों को 3238 पर्सेंट का रिटर्न दिया है। अगर किसी व्यक्ति ने 15 मई 2020 को अफॉर्डेबल रोबोटिक एंड ऑटोमेशन के शेयरों में 1 लाख रुपये लगाए होते और अपने इनवेस्टमेंट को बनाए रखा होता तो मौजूदा समय में इन शेयरों की वैल्यू 33.38 लाख रुपये होती।

एक साल में शेयरों में 362 प्रतिशत की तेजी

अफॉर्डेबल रोबोटिक एंड ऑटोमेशन के शेयरों में पिछले एक साल में 362 पर्सेंट की तेजी आई है। कंपनी के शेयर 7 अक्टूबर 2022 को 148.15 रुपये पर थे। मल्टीबैगर कंपनी के शेयर 6 अक्टूबर 2023 को 684.45 रुपये पर बंद हुए हैं। पिछले 6 महीने में अफॉर्डेबल रोबोटिक एंड ऑटोमेशन के शेयर 109 पर्सेंट चढ़ गए हैं। कंपनी के शेयरों का 52 हफ्ते का हाई लेवल 864 रुपये है। वहीं, कंपनी के शेयरों का 52 हफ्ते का लो लेवल 135.30 रुपये है। अफॉर्डेबल रोबोटिक एंड ऑटोमेशन का मार्केट कैप 697 करोड़ रुपये है।

देश के 10 उभरते रियल एस्टेट बाजारों में लखनऊ, कोच्चि, जयपुर शामिलः रिपोर्ट

नई दिल्ली, एजेंसी। रियल एस्टेट क्षेत्र में वृद्धि के लिहाज से लखनऊ, कोच्चि, जयपुर और भुवनेश्वर देश के 10 उभरते बाजारों में शामिल हो गए हैं। शुक्रवार को एक रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई। रियल एस्टेट निकाय क्रेडाई और सलाहकार फर्म कुशमैन एंड वेकफील्ड ने मिस्र के शर्म-अल-शेख में आयोजित 21वें नैटकॉन सम्मेलन में यह रिपोर्ट जारी की। इसमें भारत के 10 उभरते बाजारों का ब्योरा दिया गया है। इस

सूची में लखनऊ, कोच्चि, जयपुर एवं भुवनेश्वर के अलावा कोयंबटूर, इंदौर, नागपुर, सूरत, तिरुवनंतपुरम और विशाखापट्टनम को भी जगह दी गई है। कुशमैन एंड वेकफील्ड के भारत एवं दक्षिण-पूर्व एशिया प्रमुख अंशुल जैन ने कहा, दूसरी श्रेणी के शहरों की एक पूरी कहानी है जो शायद आवासीय, खुदरा रसद और कुछ हद तक कार्यालयों के कारण तेजी से विकसित हो रहे हैं। हमने रिपोर्ट में 17 शहरों गौर किया है और जनसंख्या, जीवन सुगमता सूचकांक, बुनियादी ढांचे और कौशल व सकल घरेलू उत्पाद में वृद्धि जैसे विभिन्न मापदंडों पर उनका मूल्यांकन किया है। रिपोर्ट के अनुसार, दिल्ली-एनसीआर, मुंबई, बेंगलुरु, पुणे, हैदराबाद, चेन्नई, कोलकाता और अहमदाबाद देश के अग्रणी रियल एस्टेट बाजार बने हुए हैं।

लगातार जमा पैसे निकाल रहे लोग

नई दिल्ली, एजेंसी। कोरोना के बाद लोग अपने जमा पैसे को खर्च करने पर जोर दे रहे हैं। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के मुताबिक महामारी से जुड़ी बंदिशें हटने के बाद लोगों के खर्च करने और अधिक होम लोन लेने से परिवारों की बचत दर पिछले वित्त वर्ष में घटकर 50 साल के निचले स्तर पर आ गई। आरबीआई के डिप्टी गवर्नर माइकल देवव्रत पात्रा ने कहा कि वित्त वर्ष 2022-23 में परिवारों की शुद्ध वित्तीय बचत गिरकर जीडीपी का 5.1 प्रतिशत रही। इस गिरावट के पीछे देनदारियों में बढ़ोतरी प्रमुख वजह रही जिसमें बड़ी हिस्सेदारी होम लोन की है।

क्या कहा डिप्टी गवर्नर ने- माइकल देवव्रत पात्रा ने कहा कि ऐतिहासिक रूप से भारत में औसत घरेलू बचत दर करीब 7.5 प्रतिशत रही है लेकिन महामारी के दौरान कई तरह की बंदिशें होने और एहतियाती बचत पर जोर देने से यह बढ़ गई थी। उन्होंने कहा कि महामारी खत्म होने के बाद इससे जुड़ी बंदिशें भी हट गईं और लोग खर्च करने के लिए बाहर निकलने लगे। इसके अलावा उन्होंने संकट के समय के लिए एहतियात के तौर पर बचाई गई राशि को भी निकालना शुरू कर दिया।

डिप्टी गवर्नर ने कहा कि बचत दर वित्त वर्ष 2022-23 की पहली तिमाही में 4.2 प्रतिशत पर रही थी लेकिन बाद में यह सात प्रतिशत तक पहुंच गई। उन्होंने कहा, यह घरेलू बचत दर के रुझान के अनुरूप ही है। मौजूदा मूल्य पर बचत दर 14 प्रतिशत रही है।

मुकेश अंबानी के रिटेल वेंचर पर अबू धाबी की कंपनी का दांव, 4967 करोड़ करेगी निवेश

नई दिल्ली, एजेंसी। रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड की सब्सिडयरी रिलायंस रिटेल वेंचर्स लिमिटेड को विदेश से निवेश मिला है। रिलायंस रिटेल में अबू धाबी इन्वेस्टमेंट अथॉरिटी (एडीआईए) की पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी 4966.80 करोड़ का निवेश करेगी। इसके जरिए एडीआईए मुकेश अंबानी की कंपनी रिलायंस रिटेल में 0.59 प्रतिशत की हिस्सेदारी खरीदेगी।

यह निवेश रिलायंस रिटेल को 8.38 लाख करोड़ रुपये के प्री-मनी इक्विटी वैल्यू पर रखता है, जो इसे देश में इक्विटी वैल्यू के हिसाब से शीर्ष 4 कंपनियों में से एक बनाता है। इस डील में मॉर्गन स्टेनली ने रिलायंस रिटेल वेंचर्स लिमिटेड के वित्तीय सलाहकार के रूप में काम किया।

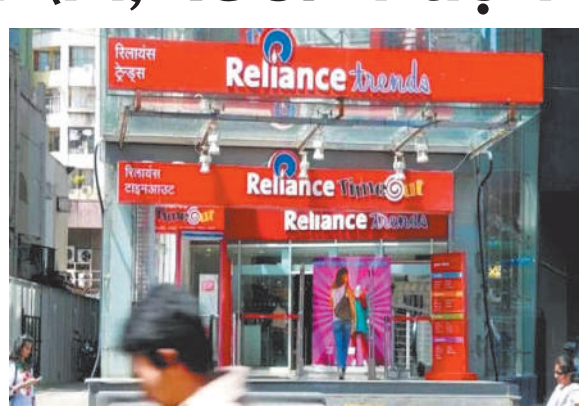

इसके अलावा सिरिल अमरचंद मंगलदास, डेविस पोल्क और वार्डवेल ने कानूनी सलाहकार की भूमिका निभाई।

रिलायंस रिटेल वेंचर्स लिमिटेड की कार्यकारी निदेशक ईशा अंबानी ने इस डील पर कहा-रिलायंस रिटेल में एक निवेशक के तौर पर एडीआईए के लगातार समर्थन से हम बेहद खुश हैं। हमें उनके साथ अपने संबंधों को और गहरा करने में खुशी हो रही है। रिलायंस रिटेल में एडीआईए का निवेश उनके विश्वास का एक और प्रमाण है।

वहीं, एडीआईए के निजी इक्विटी विभाग के कार्यकारी निदेशक हमाद शाहवान अल्धाहेरी ने कहा कि रिलायंस रिटेल ने एक ऐसे मार्केट में मजबूत ग्रोथ और परफॉर्म किया है जिसमें तूफानी तेजी है। यह निवेश हमारी पोर्टफोलियो कंपनियों को समर्थन देने की रणनीति के अनुरूप है। हम रिलायंस समूह के साथ साझेदारी करके और भारत के बढ़ते कंज्यूमर सेक्टर में हिस्सा बनकर बेहद खुश हैं।

बता दें कि रिलायंस रिटेल किराना, कंज्यूमर इलेक्ट्रॉनिक्स, फैशन और लाइफस्टाइल के अलावा फार्मा जैसी श्रेणियों में 18,500 से अधिक स्टोर और डिजिटल कॉमर्स प्लेटफॉर्म का संचालन करती है।

10000 करोड़ रुपये जुटाने की मिली मंजूरी, दौड़ पड़े बजाज ग्रुप के 2 शेयर, बनाया नया रिकॉर्ड

नई दिल्ली, एजेंसी। बजाज फाइनेंस और बजाज फिनसर्व के शेयरों में शुक्रवार को जबरदस्त उछाल आया है। इन दोनों कंपनियों के शेयरों में यह तेजी एक बड़ी खबर के बाद आई है। दरअसल, बजाज फाइनेंस के बोर्ड ने गुरुवार को 10000 करोड़ रुपये का फंड जुटाने से जुड़े मेगा प्लान को मंजूरी दे दी है। बजाज फाइनेंस, क्वॉलीफाइड इंस्टीट्यूशनल प्लेसमेंट के जरिए 8800 करोड़ रुपये जुटाएगी। इसके अलावा, कंपनी बजाज फिनसर्व के प्रमोटर्स को प्रेफरेंशियल अलॉटमेंट के जरिए 1200 करोड़ रुपये जुटा सकती है। बजाज फाइनेंस के शेयर शुक्रवार को 4 पर्सेंट से ज्यादा की तेजी के साथ 8190 रुपये पर पहुंच गए। कंपनी के शेयरों ने शुक्रवार को 52 हफ्ते का अपना नया हाई बनाया है। बजाज फाइनेंस के शेयर गुरुवार को 7849.25 रुपये पर बंद हुए थे। कंपनी के शेयरों का 52 हफ्ते का लो लेवल 5487.25 रुपये है। पिछले 6 महीने में बजाज फाइनेंस के शेयर 40 पर्सेंट चढ़ गए हैं।

भारत में कारोबार समेटने की तैयारी में डिज्नी, ओटीटी पर भिड़ेंगे अडानी और अंबानी

नई दिल्ली, एजेंसी। अमेरिकी फर्म वॉल्ट डिज्नी भारत में अपना कारोबार समेटने की तैयारी कर रहा है। कंपनी भारत में अपनी स्ट्रीमिंग और टेलीविजन कारोबार बेचने की तैयारी शुरू कर दी है। इसके साथ ही ओटीटी कारोबार में नए जंग की शुरुआत भी हो गई है। ये कारोबारी जंग अंबानी और अडानी ग्रुप के बीच है। वॉल्ट डिज्नी अपने भारतीय बिजनेस को बेचने के लिए एक खरीदार की तलाश कर रही है। इसके लिए वो अडानी और सन टीवी से संपर्क में है। अडानी समूह के मालिक गौतम अडानी और सन टीवी के मालिक कलानिधि मारन डिज्नी से संपर्क में है।

ब्लूमबर्ग की रिपोर्ट के मुताबिक वॉल्ट डिज्नी कंपनी अपना भारतीय कारोबार समेटने कई कंपनियों से बात कर रही है। माना जा रहा है कि अडानी इसके लिए डिज्नी से संपर्क में है।अगर दोनों के बीच बात बन जाती है तो डिज्नी का भारतीय कारोबार अडानी समूह के हाथों में आ जाएगा। ऐसे में ओटीटी की जंग में अंबानी और अडानी दोनों आमने-सामने आ जाएंगे। अंबानी समूह जियो सिनेमा के जरिए पहले से इस कारोबार में एंट्री कर चुका है। अगर अडानी के हाथों में डिज्नी आ जाती है तो ओटीटी पर जियो को डिज्नी से कड़ी टक्कर मिल सकती है।

जियो की वजह से डिज्नी को हुआ घाटा

इस डील के साथ ही अडानी के मीडिया कारोबार का विस्तार होगा। अपने भारतीय कारोबार को बेचने के लिए डिज्नी कई विकल्पों पर काम कर रही है। हालांकि इस खबर को लेकर अभी न डिज्नी की ओर से कोई टिप्पणी नहीं की गई है। वहीं अडानी कंपन के प्रवक्ता ने भी टिप्पणी करने से इंकार कर दिया। गौरतलब है कि आईपीएल की स्ट्रीमिंग अधिकार हाथ से निकलने के बाद से डिज्नी को भारी भरकम नुकसान हुआ। जियो ने मैच की फ्री स्क्रीनिंग कर दी। जो डिज्नी के लिए काफी चुनौतीपूर्ण रहा। अब उसे जियो की तरह भारत में खेले जा रहे क्रिकेट वर्ल्ड कप की फ्री स्ट्रीमिंग करनी पड़ रही है। दरअसल कंपनी ने ये फैसला अपने पुराने कस्टमर्स को वापस लाने के लिए किए।

40 रुपये तक जाएगा भाव! क्रिकेट वर्ल्ड कप की वजह से एक्सपर्ट बुलिश

नई दिल्ली, एजेंसी। देश में 12 साल बाद एक बार फिर से क्रिकेट वर्ल्ड कप का आयोजन किया जा रहा है। देश की इकोनॉमी के लिए यह ईवेंट शानदार रहेगा। त्योहारों का सीजन और क्रिकेट वर्ल्ड-कप से कई कंपनियों की कमाई बढ़ सकती है। लेमन ट्री होटल्स इसमें से एक है। कंपनी के शेयरों की कीमतों में पिछले 6 महीने के दौरान 50 प्रतिशत से अधिक की तेजी देखने को मिली है।

क्रिकेट वर्ल्ड-कप की वजह से होटल कारोबार को अधिक फायदा होने की उम्मीद है।लेमन ट्री होटल्स को भी इस ईवेंट से काफी उम्मीदें हैं। कंपनी के पास अलग-अलग शहरों में कई होटल हैं। ऐसे में कंपनी इस दौरान बेहतर प्रदर्शन कर सकती है। एक्सपर्ट् भी इस स्टॉक को लेकर बुलिश नजर आ रहे हैं।

एक्सपर्ट बोले 140 रुपये तक जाएगा भाव!

बिजनेस टुडे की रिपोर्ट के अनुसार हेमांग जानी ने कहा है कि लेमन ट्री होटल्स के शेयर आने वाले समय में 140 रुपये तक जा सकते हैं। साल 2023 में इस स्टॉक की कीमतों में 52 प्रतिशत की तेजी आई है। वहीं, 6 महीने पहले इस शेयर को खरीदकर होल्ड करने वाले इंवेस्टर्स को अबतक 52 प्रतिशत का फायदा हुआ है। लेमन ट्री होटल्स का 52 वीक हाई 126.70 रुपये है। और 52 वीक लो 70.25 रुपये प्रति शेयर है। कंपनी का मार्केट कैप 9411.89 करोड़ रुपये का है। बता दें, शुक्रवार को लेमन ट्री होटल्स के शेयरों का भाव 0.76 प्रतिशत की तेजी के साथ 118.80 रुपये के लेवल पर बंद हुआ था।

सुजलॉन एनर्जी ने दिया 6 महीने में 300 प्रतिशत का रिटर्न, एक्सपर्ट बोले- 40 तक जाएगा भाव

नई दिल्ली, एजेंसी। सुजलॉन एनर्जी लिमिटेड के शेयरों के लिए वित्त वर्ष 2023-24 शानदार रहा है। कंपनी के शेयरों की कीमतों में इस दौरान तूफानी तेजी देखने को मिली है। मार्च 2023 के अंत में सुजलॉन एनर्जी के एक शेयर का भाव 7.05 रुपये था। तब से अबतक कंपनी के शेयरों में तेज उछाल देखने को मिली है। यह पेनी स्टॉक बीते 6 महीने के दौरान एक मल्टीबैगर स्टॉक बनकर उभारा है। आइए जानते हैं कि आखिर क्यों सुजलॉन एनर्जी के शेयरों में तेजी देखने को मिल रही है साथ ही इसका नया टारगेट प्राइस क्या है

इस कंपनी पर नजर रखने वाले एक्सपर्ट्स के अनुसार कर्ज कम करने के प्लान ने शेयरों को बुलिश बना दिया है। साथ ही कंपनी को नए फ्रेश ऑर्डर मिले हैं। जिसकी वजह से फंडामेंटल्स पहले मजबूत हुआ है। बोंजा पोर्टफोलियो के राजेश सिन्हा कहते हैं, सुजलॉन एनर्जी के शेयरों की कीमतों में पिछले 6 महीने के दौरान तेजी

देखने को मिली है। कंपनी ने इस दौरान पोजीशनल निवेशकों को 238 प्रतिशत का रिटर्न दिया है। यह तेजी कंपनी के कर्ज कम करने के प्लान को साझा करने के बाद देखने को मिली है। कुछ ब्रोकरेज फर्म ने हाल ही में मिले ऑर्डर के बाद इसे खरीदने की सलाह दे रहे हैं। च्वाइस ब्रोकिंग के सुमित बगाडिया कहते हैं, सुजलॉन के शेयर इस समय बुलिश ट्रेंड को फॉलो कर रहे हैं। ऐसे में ये 40 रुपये के लेवल को क्रॉस कर सकते हैं। हम सुजलॉन के निवेशकों को 25 रुपये के स्टॉप लॉस को ध्यान में रखने की सलाह देते हैं। साथ ही 40 रुपये के टारगेट प्राइस तक होल्ड करने की भी सलाह देते हैं। शुक्रवार को सुजलॉन एनर्जी के शेयर का भाव 29.25 रुपये के लेवल पर पहुंचकर बंद हुआ था।

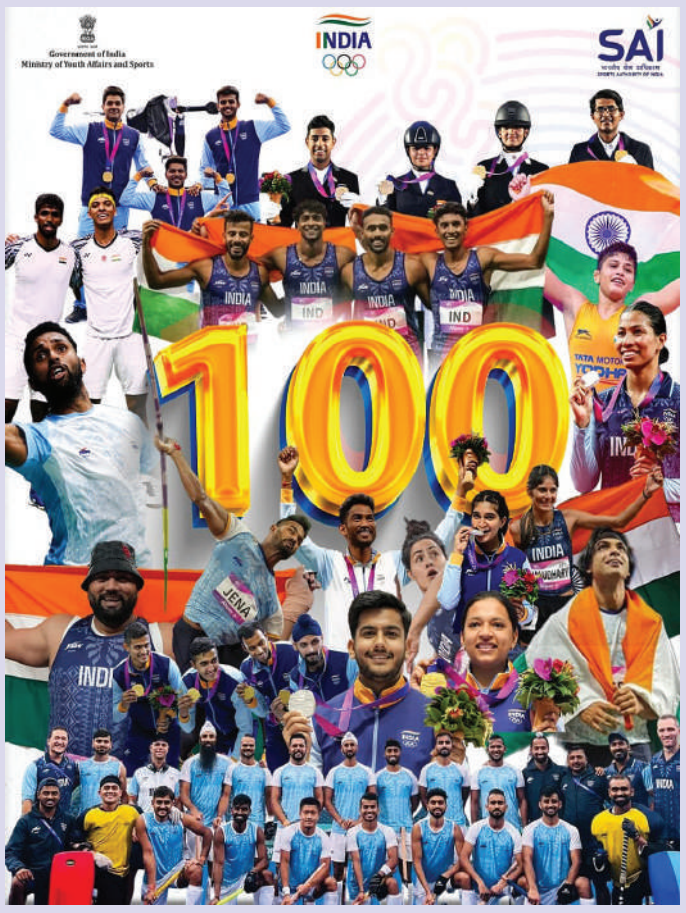

एशियन गेम्स 2023 में

भारत के नाम अब तक 105 मेडल

भारत ने ईरान को हराकर जीता कबड्डी का गोल्ड

हांगझोउ (एजेंसी)। भारत ने एशियन गेम्स के मेंस कबड्डी इवेंट का गोल्ड मेडल जीत लिया है। भारत ने विवादों से घिरे फाइनल मैच में ईरान को 33-29 से हरा दिया। भारत के अब तक 28 गोल्ड सहित 105 मेडल हो गए हैं। दोनों टीमें जब 28-28 की बराबरी पर थी तब पॉइंट्स को लेकर विवाद हो गया। मैच सस्पेंड करना पड़ा था। विवाद सुलझने के बाद मुकाबला फिर शुरू हुआ और भारत ने गोल्ड जीत लिया। भारत को दिन के अन्य गोल्ड मेंस क्रिकेट, आर्चरी (2 गोल्ड), बैडमिंटन और विमेंस कबड्डी में मिले। भारत ने पहली बार एशियन गेम्स में 100 मेडल का आंकड़ा पार किया है। इससे पहले 2018 के जकार्ता एशियन गेम्स में भारत ने सबसे ज्यादा 70 मेडल जीते थे।

सात्विक-चिराग ने बैडमिंटन युगल में ऐतिहासिक जीता गोल्ड

भारत के सात्विक साइराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी ने दक्षिण कोरिया के चोइ सोलग्यु और किम वोन्हो को 21.18, 21.16 से हराकर एशियाई खेलों की बैडमिंटन पुरूष युगल स्पर्धा में ऐतिहासिक स्वर्ण पदक जीत लिया। भारतीय जोड़ी ने कई बार वापसी करते हुए पहला गेम 29 मिनट में जीता। दूसरे गेम में उन्होंने विरोधी टीम पर दबाव बनाते हुए 57 मिनट में जीत दर्ज की। एशियाई खेलों में स्वर्ण पदक जीतने वाली सात्विक और चिराग की पहली भारतीय जोड़ी है। उन्होंने सेमीफाइनल में पूर्व विश्व चैम्पियन आरोन चिया और सोह वूइ यिक को हराया था।

महिला हॉकी टीम ने जीता ब्रॉन्ज, टूर्नामेंट में किए 35 गोल, फाइनल में जापान को हराया

भारतीय महिला हॉकी टीम ने एशियन गेम्स के दौरान वुमन इवेंट के फाइनल में जापान को हराकर ब्रॉन्ज मेडल जीत लिया है। इवेंट के दौरन भारतीय टीम ने 5 मुकाबले खेले जिनमें चार में उन्हें जीत तो एक मुकाबला गंवाना पड़ा था। भारतीय प्लेयर्स ने रिकॉर्ड 35 गोल किए जबकि विरोधी टीम सिर्फ एक बार उनके नेट को भेद सकी। इससे पहले भारतीय पुरुष हॉकी टीम ने भी जापान को फाइनल मुकाबले में हराकर गोल्ड मेडल जीता था। बता दें कि ऐसा पहली बार हुआ है जब भारतीय एथलीट्स एशिया कप में 100 से ज्यादा पदक लाने में सफल रहे हैं। इससे पहले 70 मेडल का रिकॉर्ड था।

भारतीय टीम का सफर

पहला मुकाबला बनाम सिंगापुर (13-0)

टीम इंडिया के लिए संगीता ने 3 तो नवप्रीत ने 2 गोल किए। इसके अलावा उदिता, सुशीला, दीपिका, ग्रेस, नेहा, सलिमा, मोनिका और वंदना 11 गोल करने में सफल रहीं।

दूसरा मुकाबला बनाम मलेशिया (6-0)

टीम इंडिया के लिए मोनिका, ग्रेस, नवनीत, वैश्नवी, संगीता और लालरेम्सियामी ने 1-1 गोल किया। मलेशिया 1 भी गोल नहीं कर पाया।

तीसरा मुकाबला बनाम साऊथ कोरिया (1-1)

कोरिया ने भारत को टक्कर दी और पहले 12वें मिनट में ही चो के गोल से बढ़त बना ली। भारतीय टीम को तीसरे क्वार्टर के अंत में नवनीत ने बराबरी दिलाई जबकि उनकी जोरदार शॉट का कोरियन गोलकीपर के पास जवाब नहीं था। यह मैच ड्रॉ रहा।

सेमीफाइनल बनाम चीन (0-4)

टीम इंडिया सेमीफाइनल में चीन से भिड़ी जोकि काफी मजबूत टीम है। दोनों टीमें पहले क्वार्टर में कुछ खास नहीं कर पाईं। लेकिन दूसरे और तीसरे क्वार्टर में चीन ने 1-1 गोल कर अपनी बढ़त बना ली। इसके बाद चौथे क्वार्टर के अंतिम क्षणों में भारतीय लड़कियां लय गंवा बैठीं जिसका चीन के अटैकर्स ने फायदा उठाया और दो गोल और कर दिए। भारत को यह मुकाबला 0-4 से गंवाना पड़ा।

ब्रॉन्ज मेडल मैच बनाम जापान

भारतीय टीम को पहला गोल पेनल्टी स्ट्रोक से हासिल हुआ। दीपिका की तेज शॉट को जापान की गोलकीपर रोक नहीं पाई। भारतीय टीम ने खेल के पहले पांच मिनट में ही बढ़त हासिल कर ली। दूसरे क्वार्टर में जापान की कप्तान नगई यूरी ने स्ट्राइक करते हुए गोल किया और स्कोर बराबर पर ला दिया। चौथे क्वार्टर में सुशीला चानू ने बेहतरीन खेल दिखाया और गोल कर अपनी टीम को जीत दिला दी।

भारतीय वुमन हॉकी टीम

दीपिका, लालरेम्सियामी, मोनिका मलिक, नवनीत कौर, नेहा गोयल, निशा वारसी, सविता पुनिया, सोनिका टांडी, उदिता दुहन, इशिका चौधरी, दीप ग्रेस एक्का, वन्दना कटारिया, बिच्छू देवी खारिबाम, संगीता कुमारी, वैष्णवी फाल्के, सलीमा टेटे, निक्की प्रधान, सुशीला चानू।

ज्योति ने लगाई स्वर्ण पदकों की हैट्रिक, अदिति को कांस्य, तीरंदाजों के रिकॉर्ड 9 पदक

भारत की अनुभवी कंपाउंड तीरंदाज ज्योति सुरेखा वेन्नम ने स्वर्ण पदकों की हैट्रिक लगाई जबकि अदिति स्वामी को कांस्य पदक मिला और इसके साथ ही भारतीय तीरंदाजों ने इन एशियाई खेलों में रिकॉर्ड 9 पदक अपनी झोली में डाल लिए। मौजूदा विश्व चैम्पियन अदिति स्वामी ने कांस्य पदक के एकतरफा प्लेआफ मुकाबले में इंडोनेशिया की रातिह जिलिजाती एफ को हराया। बर्लिन में दो महीने पहले विश्व चैम्पियनशिप खिताब जीतने वाली 17 वर्ष की अदिति ने 146-140 से जीत दर्ज की।

बाद में ज्योति ने दक्षिण कोरिया की सो चाएवोन को 149.145 से हराकर तीसरा स्वर्ण जीता। वह मिश्रित युगल और महिला टीम वर्ग का स्वर्ण जीत चुकी है। ज्योति ने कहा, 'मेरे पास शब्द नहीं है। इतने जज्बात उमड़ रहे हैं। मुझे सोचने के लिए समय लगेगा।

वर्षा प्रभावित मैच में भारतीय पुरुष क्रिकेट टीम ने जीता गोल्ड

भारतीय पुरुष क्रिकेट टीम ने एशियाई खेलों में अपने पदार्पण मैच में स्वर्ण पदक जीत लिया है क्योंकि अफगानिस्तान के खिलाफ फाइनल मैच बारिश के कारण रद्द हो गया था। रुतुराज गायकवाड़ की अगुवाई वाली टीम को उच्च वरीयता प्राप्त होने के कारण विजेता घोषित किया गया। बल्लेबाजी के लिए उतरी अफगानिस्तान का स्कोर 18.2 ओवर में 5 विकेट पर 112 रन था, जब लगातार बारिश के कारण झेजियांग यूनिवर्सिटी ऑफ टेक्नोलॉजी क्रिकेट फील्ड में खेल रुका और मैच फिर शुरू नहीं हुआ। अफगानों की शुरुआत खराब रही और उनके शीर्ष तीन खिलाड़ी जुबैद अकबरी (5), मोहम्मद शहजाद (4) और नूर अली जादरान (1) सस्ते में आउट हो गए, जिसके बाद चार ओवर के अंदर उनका स्कोर 12/3 हो गया। शिवम दुबे (1-0-4-1) को पहली सफलता मिली जब उन्होंने अपने पहले ओवर में अकबरी को आउट किया। भारतीय तेज गेंदबाज की बढ़ती गेंद पर हुक शॉट लगाने जा रहे अकबरी आउट हो गए। अगले ओवर में

विकेटकीपर-बल्लेबाज शहजाद बाएं हाथ के तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह (3-0-17-1) की गेंद पर कैच आउट हो गए। रवि बिश्नोई के डीप स्क्वायर लेग से जितेश शर्मा के स्टंप उखाड़ने में मदद करने के बाद जादरान रन आउट हो गए। इसके बाद शाहिदुल्लाह ने अफसर ज़ज़ई (15) के साथ साझेदारी में 43 गेंदों में नाबाद 49 (3×4, 2×6) रन बनाकर अपनी पारी को पुनर्जीवित किया। लेकिन भारत ने पलटवार किया जब लेग स्पिनर बिश्नोई (4-0-12-1) ने 37 रन की साझेदारी को तोड़ दिया और जजई को आउट कर दिया। दूसरे छोर से बाएं हाथ के स्पिनर शाहबाज़ अहमद ने करीम जनत को 1 रन पर आउट किया। इससे कप्तान गुलबदीन नैब क्रीज पर आए और उन्होंने शाहिदुल्लाह के साथ 60 रन की साझेदारी करके अफगानिस्तान के स्कोर को कुछ हद तक सम्मानजनक स्थिति प्रदान की। लेकिन बारिश के खलल डालने के कारण मैच दोबारा शुरू नहीं हो सका और श्रीलंका के मैच रेफरी ग्रीम लेब्रॉय ने मैच रद्द कर दिया जिससे भारत ने एशियाई खेलों में क्रिकेट में अपना पहला स्वर्ण पदक पक्का कर लिया।

प्लेइंग 11

अफगानिस्तान - जुबैद अकबरी, मोहम्मद शहजाद (विकेटकीपर), नूर अली जादरान, शाहिदुल्लाह कमाल, अफसर जजई, करीम जनत, गुलबदीन नायब (कप्तान), शराफुद्दीन अशरफ, कैस अहमद, फरीद अहमद मलिक, जहीर खान

भारत -यशस्वी जयसवाल, रुतुराज गायकवाड़ (कप्तान), तिलक वर्मा, वाशिंगटन सुंदर, शिवम दुबे, रिंकू सिंह, जितेश शर्मा (डब्ल्यू), शाहबाज अहमद, रवि बिश्नोई, रविश्रीनिवासन साई किशोर, अर्शदीप सिंह

विश्व कप 2023 में आज

भारत और आस्ट्रेलिया के बीच बड़ा मुकाबला

चेपॉक में शानदार है ऑस्ट्रेलिया का रिकॉर्ड

चेन्नई (एजेंसी)। मेजबान भारत अपने वनडे विश्व कप 2023 अभियान की शुरुआत रविवार 8 अक्टूबर को चेन्नई के एमए चिदंबरम स्टेडियम में 5 बार के चैंपियन ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ मुकाबले से करेगा। चेपॉक पारंपरिक रूप से स्पिनरों के अनुकूल स्थल के रूप में जाना जाता है। जिस ट्रैक पर भारत बनाम ऑस्ट्रेलिया का खेल खेला जा रहा है, उसके रैंक-टर्नर होने की उम्मीद है और स्पिन द्वारा संभावित परीक्षण से पहले ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज अपनी तैयारियों में कोई कसर नहीं छोड़ रहे हैं।

भारत अंतिम एकादश में तीन स्पिनरों - कुलदीप यादव, रवींद्र जड़ेजा और रविचंद्रन अश्विन के साथ उतर सकता है, ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाजों ने नेट्स में स्पिन गेंदबाजी के खिलाफ अपने कौशल को निखारने पर ध्यान केंद्रित किया। डेविड वार्नर, मिशेल मार्श, स्टीव स्मिथ और कंपनी जैसे लोगों ने एडम जम्पा, डी आर्सी शॉर्ट, मार्नस लाबुशाने और अन्य स्थानीय नेट गेंदबाजों जैसे अपने ही ट्विकर्स का सामना किया।

टर्निंग ट्रैक पर ऑस्ट्रेलियाई टीम को गेंद को अंतराल में भेजकर स्कोरबोर्ड को टिके रखने के महत्व को पता है क्योंकि सीमाएं बनाना मुश्किल हो सकता है। शुक्रवार को नेट्स में स्पिनरों ने ज्यादातर गेंदबाजी की, लेकिन तेज गेंदबाजों मिशेल स्टार्क, जोश हेजलवुड और ऑस्ट्रेलिया के कप्तान पैट कमिंस ने भी अन्य स्थानीय तेज गेंदबाजों के साथ कुछ समय तक गेंदबाजी की। मेन इन येलो का जन्म और पालन-पोषण भले ही घर में तेज और उछाल भरी पिचों पर हुआ हो, लेकिन वे उपमहाद्वीप के बाहर के कुछ अन्य देशों की तुलना में स्पिन को बेहतर ढंग से खेलते हैं। चेपॉक में उनका प्रभावशाली रिकॉर्ड विभिन्न परिस्थितियों में उनकी अनुकूलन क्षमता को बताता है और यह भी बताता है कि वे शीर्ष क्रिकेट खेलने वाले देशों में से एक क्यों हैं।

ऑस्ट्रेलिया और भारत का रिकॉर्ड - आयोजन स्थल पर 6 मैचों में ऑस्ट्रेलिया 5 जीतने में सफल रहा और केवल एक बार हारा है। इस बीच भारत ने चेपॉक पर 14 मैच खेले हैं, जिनमें से सात में जीत और छह में हार मिली है। इनमें से एक खेल बिना किसी परिणाम के समाप्त हुआ।

संभावित प्लेइंग 11

भारत - रोहित शर्मा (कप्तान), इशान किशन, विराट कोहली, श्रेयस अय्यर, केएल राहुल, हार्दिक पंड्या, रवींद्र जड़ेजा, रविचंद्रन अश्विन, कुलदीप यादव, मोहम्मद सिराज, जसप्रीत बुमराह

ऑस्ट्रेलिया - डेविड वार्नर, मिशेल मार्श, स्टीव स्मिथ, मार्नस लाबुशेन, ग्लेन मैक्सवेल, कैमरून ग्रीन, एलेक्स कैरी/जोश इंग्लिस, एडम ज़म्पा, मिशेल स्टार्क, सीन एबॉट, पैट कमिंस (कप्तान)

बांग्लादेश ने अफगानिस्तान को छह विकेट से हराया

धर्मशाला (एजेंसी)। बांग्लादेश ने अफगानिस्तान को विश्व कप में छह विकेट से हराकर अपने अभियान की शुरुआत जीत से की है। इस जीत के साथ उसके एक मैच में दो अंक हो गए है। वह न्यूजीलैंड और पाकिस्तान के बाद अंक तालिका में तीसरे स्थान पर है। तीनों टीमों के दो-दो अंक हैं। बेहतर नेटरनरेट के आधार पर न्यूजीलैंड शीर्ष पर है। बांग्लादेश के कप्तान शाकिब अल हसन ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी का फैसला किया। अफगानिस्तान की टीम 37.2 ओवर में 156 रन पर ऑलआउट हो गई। जवाब में बांग्लादेश ने 34.4 ओवर में चार विकेट पर 158 रन बनाकर मैच को जीत लिया। मुकाबले में अर्धशतक लगाने के अलावा तीन विकेट लेने वाले मेहदी हसन को प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया। बांग्लादेश के लिए नजमुल हुसैन शान्तो ने नाबाद 59 रन बनाए। उन्होंने 83 गेंद की पारी में तीन चौके और एक छक्का लगाया। मेहदी हसन मिराज ने 73 गेंद पर 57 रन की पारी खेली। इस दौरान पाचं चौके लगाए। शाकिब अल हसन 14 और लिटन दास 13 रन बनाकर आउट हुए। तंजीद हसन ने पांच रन बनाए। मुशफिकुर रहीम दो रन बनाकर नाबाद रहे। अफगानिस्तान के लिए फजहलहक फारूकी, अजमतुल्लाह ओमरजई और नवीन उल हक ने एक-एक विकेट लिया।

शाकिब और मेहदी की घातक गेंदबाजी

इससे पहले अफगानिस्तान के लिए रहमनुल्लाह गुरबाज ने सबसे ज्यादा 47 रन बनाए। इब्राहिम जादरान और अजमतुल्लाह ओमरई ने 22-22 रन की पारी खेली। रहमत शाह और कप्तान हशमतुल्लाह शाहिदी ने 18-18 रन का योगदान दिया। राशिद खान नौ, मोहम्मद नबी छह और नजीबुल्लाह जादरान पांच रन ही बना सके। मुजीब उर रहमान ने एक रन बनाए। नवीन उल हक खाता नहीं खोल सके। फजहलहक फारूकी खाता खोले बगैर नाबाद रहे। बांग्लादेश के लिए शाकिब अल हसन और मेहदी हसन मिराज ने तीन-तीन विकेट लिए। शोरिफुल इस्लाम को दो सफलता मिली।

ओडिशा सरकार का बड़ा ऐलान, स्वर्ण पदक विजेता हॉकी खिलाड़ियों और स्टाफ को मिलेंगे 5-5 लाख रुपए

भुवनेश्वर (एजेंसी)। एशियाई खेलों में स्वर्ण पदक जीतने वाली भारतीय पुरूष हॉकी टीम को बधाई देते हुए ओडिशा के मुख्यमंत्री नवीन पटनायक ने हर खिलाड़ी और सहयोगी स्टाफ के सदस्य को पांच पांच लाख रुपए नकद पुरस्कार देने का ऐलान किया है। पटनायक ने शुक्रवार को कहा कि एशियाई खेलों में स्वर्ण पदक जीतकर पेरिस ओलंपिक के लिये क्वालीफाई करने वाली टीम को उनके इस प्रदर्शन के सम्मान में यह पुरस्कार दिया जाएगा। मुख्यमंत्री ने वीडियो कॉल के जरिये खिलाड़ियों से बात भी की। उन्होंने कहा, 'भारतीय पुरूष हॉकी टीम को बधाई। उनके समर्पण और अथक परिश्रम ने एक बार फिर साबित कर दिया कि हॉकी वाकई भारत का खेल है। ओडिशा में हमारे दिलों में हॉकी की खास जगह है और यह ऐतिहासिक दिन हमारी स्मृतियों में हमेशा रहेगा। पेरिस ओलंपिक के लिए टीम को शुभकामना।ज ओडिशा 2018 से भारतीय हॉकी टीमों का प्रायोजक है।

चेन्नई मुकाबले से पहले बोले पैट कमिंस

हमने ऑस्ट्रेलिया से ज्यादा क्रिकेट तो भारत में खेली है

चेन्नई (तमिलनाडु) (एजेंसी)। आईसीसी पुरुष क्रिकेट विश्व कप के तहत भारत के खिलाफ अपने पहले मुकाबले से पहले ऑस्ट्रेलियाई कप्तान पैट कमिंस ने शनिवार को कहा कि उन्होंने उतनी सफेद गेंद की क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया में नहीं खेली जितनी भारत में खेल चुके हैं। कमिंस ने कहा कि उनकी टीम मेजबान टीम के खिलाफ खेलने को लेकर आश्वस्त थी, साथ ही उन्होंने कहा कि उनकी टीम परिस्थितियों को अच्छी तरह से जानती है।

कमिंस बोले- हमने पिछले 10 वर्षों में ऑस्ट्रेलिया की तुलना में भारत में अधिक सफेद गेंद क्रिकेट खेला है। हम स्थिति को अच्छी तरह से जानते हैं। सकारात्मक बात यह है कि हमने पिछले कुछ वर्षों में भारत के खिलाफ कुछ बहुत अच्छा क्रिकेट खेला है..... हम 1980, 1990 और 2000 के दशक की शुरुआत में विश्व कप जीत का श्रेय नहीं ले सकते।

ऑस्ट्रेलियाई कप्तान कमिंस ने कहा कि विश्व कप के बारे में सबसे रोमांचक बात यह है कि यह एक अभियान की तरह लगता है। यह कुछ महीनों को विशेष बनाने की कोशिश करने की यात्रा है। एक कप्तान के रूप में मेरा पहला अभियान है और यह वास्तव में विशेष है। वहीं, घरेलू मैदान पर खेलना किसी भी टीम के लिए फायदेमंद होता है क्योंकि प्रशंसक उनका उत्साह बढ़ाते हैं।

कमिंस ने मार्कस स्टोइनिस की फिटनेस पर भी अपडेट साझा करते हुए कहा कि यह टच एंड गो था। उन्होंने बताया कि अंतिम निर्णय की घोषणा टॉस के समय की जाएगी। ऑस्ट्रेलियाई ऑलराउंडरों के बारे में कमिंस ने कहा कि वनडे क्रिकेट में ऑलराउंडर एक लक्जरी है। हम कैमरन ग्रीन, मिशेल मार्श, ग्लेन मैक्सवेल और मार्कस स्टोइनिस जैसे लोगों को पाकर धन्य महसूस करते हैं। विश्व कप के पहले मैच में ऑस्ट्रेलिया रविवार को चेन्नई के एमए चिदम्बरम स्टेडियम में भारत से भिड़ेगा।

मोदी के विजय रथ को रोकने के लिए बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने विपक्षी एकजुटता का आह्वान किया

पटना, एजेंसी।
2024 के लोकसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विजय रथ को रोकने के लिए बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने विपक्षी एकजुटता का आह्वान किया, जिसमें अधिकांश विपक्षी दल साबित हुए। इसके बाद उन्होंने जाति गणना की रिपोर्ट को जारी करके अपनी मंशा को उजागर कर दिया है। उनके इस कदम से सत्ता पक्ष को भी सोचने पर मजबूर कर दिया है। भारत में जाति इतना संवेदनशील मुद्दा है कि यह महिला आरक्षण जैसे मुद्दे पर भारी साबित हो सकता है। हालांकि, राष्ट्रवाद ऐसा मुद्दा है जिसके सामने यह नहीं टिक पाता है और बीजेपी खुलकर इस मुद्दे को भुनाती है।

अब बात नीतीश कुमार की। वह ऐसे मुख्यमंत्री हैं, जिनके पास सिर्फ 48 विधायकों का समर्थन प्राप्त है। बिहार

विधानसभा में वह तीसरी बड़ी पार्टी हैं। उन्होंने अपनी प्रासंगिकता को बनाकर रखा है, जो कि उनकी राजनीति करने का स्टाइल है। यही कारण है कि नीतीश कुमार जिस जाति (कुर्मी) से आते हैं, वह बिहार की आबादी में मात्र 2.87 प्रतिशत है। इसके बावजूद वह करीब 18 वर्षों से मुख्यमंत्री बने हुए हैं। नीतीश कुमार को एक कुशल रणनीतिकार और सोशल राजनीति में माहिर खिलाड़ी माना जाता है। जाति गणना को उनके मास्टरस्ट्रोक के तौर पर देखा जा रहा है। बिहार की राजनीति की समझ रखने वाले लोगों का कहना है कि जाति गणना करवाकर नीतीश कुमार ने बिहार से लेकर दिल्ली तक अपनी प्रासंगिता को बढ़ाया है, बल्कि अपने साथी राजद को भी नियंत्रित करने की कोशिश की है। आपको बता दें कि राजद के कई नेता दबी जुबान तेजस्वी यादव के लिए मुख्यमंत्री की कुर्सी की लगातार मांग कर रहे हैं।

जेडीयू के अलावा नीतीश कुमार की महागठबंधन सरकार में राजद, कांग्रेस और वाम दलों का एक समूह शामिल है। 2020 का विधानसभा चुनाव भाजपा के साथ गठबंधन में लड़ने के बाद नीतीश ने 2022 में राज्य के विपक्षी गुट से हाथ मिला लिया। बिहार विधानसभा में राजद सबसे बड़ी पार्टी है। लेकिन जाति सर्वेक्षण के साथ नीतीश कुमार ने अपनी ताकत बढ़ा ली है। उन्होंने दोहराया है कि वह सिर्फ कुर्मियों के नेता नहीं हैं, बल्कि अत्यंत पिछड़े वर्गों (ईबीसी) के भी नेता हैं। जाति सर्वेक्षण के अनुसार, बिहार की आबादी में ईबीसी का प्रतिशत 36 है। वहीं, बिहार की आबादी में 14 प्रतिशत यादव हैं। राजद यादव-मुस्लिम गठबंधन पर निर्भर है, लेकिन यहां भी नीतीश कुमार ने जाति सर्वेक्षण से सेंध लगाने की कोशिश की है। एक रिपोर्ट के मुताबिकमुसलमानों को ईबीसी में शामिल कर नीतीश कुमार ने मुस्लिम राजनीति के पिच पर खेलने की कोशिश की है। वह पसमांदा मुस्लिम के एक वर्ग को आकर्षित करने की कोशिश कर रहे हैं। यही कारण है कि नीतीश कुमार ने पसमांदा मुसलमानों के नेता अली अनवर अंसारी को आगे बढ़ाया।

छत्तीसगढ़ में कांग्रेस आई तो जातीय सर्वे कराएगी-प्रियंका गांधी

कांकेर, एजेंसी।
कांग्रेस की नेता प्रियंका गांधी वाड्रा ने छत्तीसगढ़ की जनता से वादा किया है कि यदि उनकी पार्टी फिर सरकार बनती है तब राज्य में बिहार की तरह जाति आधारित जनगणना कराएगी। कांकेर जिले के गोविंदपुर में शुक्रवार को नगरीय निकाय एवं पंचायती राज महासम्मेलन को संबोधित करते हुए प्रियंका गांधी ने जनता से सरकार बनने पर गरीबों के लिए 10 लाख मकान बनाने का भी वादा किया।

उन्होंने यह भी कहा कि केंद्र में भाजपा के नेतृत्व वाली सरकार अमीर लोगों के लिए है और उसे गरीबों एवं मध्यम वर्ग की कोई चिंता नहीं है। प्रियंका गांधी ने कहा, अगर कांग्रेस पार्टी फिर छत्तीसगढ़ में सत्ता में आती है, तो बिहार में किए गए जातिगत सर्वेक्षण की तर्ज पर इस राज्य में भी जातिगत जनगणना कराई जाएगी।

छत्तीसगढ़ में इस घोषणा को अन्य पिछड़ा वर्ग को लुभाने के लिए एक बड़े कदम के रूप में देखा जा रहा है, जो राज्य की आबादी का लगभग 45 प्रतिशत है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा , मोदी जी कहते हैं कि यह उनकी गारंटी है (वह जो भी वादा करते हैं उसे पूरा करने की) लेकिन हर नागरिक के बैंक खाते में 15 लाख रुपये जमा करने और करोड़ों रोजगार पैदा करने की मोदी की गारंटी का क्या हुआ? जब भी कोई सवाल पूछा जाता है तो मोदी जी एक नई गारंटी दे देते हैं। उनकी गारंटी खोखली गारंटी है।

वाड्रा ने कहा कि भाजपा के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार ने देश में किसानों को कमजोर कर दिया है। उन्होंने कहा, देश में किसान प्रतिदिन 27 रुपये कमा रहे हैं, लेकिन अडानी और अन्य उद्योगपति प्रतिदिन 1,600 करोड़ रुपये कमा रहे हैं। कांग्रेस नेता ने कहा, वे (भाजपा) बस यही चाहते हैं कि देश की संपत्ति उनके उद्योगपति मित्रों को सौंप दी जाए और फिर इसे उनके माध्यम से पार्टी में भेज दिया जाए। और फिर वे चुनावों में (पैसा) खर्च करते रहते हैं। उन्होंने कहा कि उनका एकमात्र लक्ष्य सत्ता में बने रहना है, जनता का कल्याण नहीं है। प्रियंका गांधी ने राज्य में रमन सिंह के नेतृत्व वाली सरकार (2003-2018 तक) पर भी निशाना साधा और कहा कि भाजपा शासन के दौरान राज्य में हिंसा का शासन था, जबकि कांग्रेस ने पांच वर्षों में राज्य को हिंसा के चंगुल से बाहर निकाला।

राजस्थान में बीजेपी ने जमीन नीलामी का किया था दावा, पोस्टर वाले किसान ने करा दी किरकिरी

जयपुर, एजेंसी।
राजस्थान बीजेपी का अपने विधानसभा चुनाव अभियान नहीं सहेगा राजस्थान के तहत जारी किया गया एक पोस्टर विवादों में आ गया है। दरअसल, पोस्टर किसानों के मुद्दे से जुड़ा है जिसमें पार्टी ने दावा किया है कि राजस्थान में उन्नीस हजार से ज्यादा किसानों की जमीन नीलाम कर दी गई है। पोस्टर पर लिखा था 19 हजार से अधिक किसानों की जमीनें नीलाम, नहीं सहेगा राजस्थान। इस पोस्टर में पार्टी ने एक किसान की तस्वीर लगाई है। अब उसी किसान ने दावा किया है कि बिना इजाजत उसका फोटो इस्तेमाल किया गया है।

राजस्थान के जैसलमेर जिले के रामदेवरा शहर में रिखी की ढाणी के निवासी मधुरम जयपाल (70) ने दावा किया कि पोस्टर में इस्तेमाल की गई तस्वीर उनकी है। उन्होंने कहा कि हाल ही में उनके एक रिश्तेदार जयपुर आए थे, इस दौरान उन्होंने पोस्टर देखे और तस्वीरें सोशल मीडिया ग्रुप में शेयर कीं। इसके बाद उन्हें इसकी जानकारी हुई। यहां बताया गया कि विधानसभा चुनाव को देखते हुए बीजेपी ने नहीं सहेगा राजस्थान चुनाव अभियान शुरू किया है। यह अभियान 16 जुलाई को शुरू किया गया था जब बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने राज्य की राजधानी में एक बैठक की थी। इस अभियान के तहत बीजेपी ने सरकार का विरोध करने और आम लोगों से जुड़ने के लिए कई कार्यक्रम आयोजित किए।

अभियान के तहत 1 अगस्त को जयपुर में सरकार की जबरदस्त घेराबंदी की गई थी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी इसका आह्वान किया था। अभियान को आम लोगों तक पहुंचाने के लिए बीजेपी ने कई नए नारे भी गढ़े। इनमें महिलाओं पर अत्याचार नहीं सहेगा राजस्थान, पेपर लीक नहीं सहेगा राजस्थान, परेशान हो रहा युवा, दलितों पर अत्याचार नहीं सहेगा राजस्थान आदि नारे शामिल थे। इन पोस्टरों में से एक पोस्टर किसान मुद्दे से जुड़ा है। जिसमें पार्टी ने दावा किया कि राजस्थान में उन्नीस हजार से ज्यादा किसानों की नीलामी हुई है। इन पोस्टरों में मधुरम जयपाल की फोटो का इस्तेमाल किया गया है।

मधुरम ने हिंदुस्तान टाइम्स को बताया कि पहले तो बेटे भूराराम ने बताया तो मेरे कुछ समझ में ही नहीं, क्योंकि बैनर में जमीन नीलामी की बात थी। लेकिन मेरी तो कोई जमीन ही नीलाम नहीं हुई। भूराराम ने एचटी से पुष्टि की कि बीजेपी के पोस्टर में दिखाई गई तस्वीर उनके पिता मधुरम की है।

पूछताछ में उसने बताया कि छात्रा ने उसे खाना देने से मना कर दिया था

पुलिस की पिस्टल छीनकर भागा, मुठभेड़ में शौकीन घायल; ट्यूशन जा रही हिंदू लड़की पर तलवार से किए थे कई वार

नईदिल्ली, एजेंसी।
गाजियाबाद में नौवीं की छात्रा को तलवार से लहूलुहान करने वाला शौकीन गुरुवार रात पुलिसकर्मी की पिस्टल छीनकर हिरासत से भाग निकला। पीछा करने पर उसने गोली चला दी। जवाबी कार्रवाई में वह गोली लगने से घायल हो गया। पूछताछ में उसने बताया कि छात्रा ने उसे खाना देने से मना कर दिया था, जिसके चलते गुस्से में उसने घटना को अंजाम दे डाला। आरोपी से पूछताछ जारी है। जगतपुरी कॉलोनी निवासी संजय की बड़ी बेटी 15 वर्षीय दिव्या नौवीं कक्षा की छात्रा है। गुरुवार शाम चार बजे दिव्या घर से ट्यूशन के लिए निकली थी। इसी दौरान पड़ोस में रहने वाले 35 वर्षीय शौकीन ने तलवार से ताबड़तोड़ वार कर उसे बुरी तरह से लहूलुहान कर दिया। चीख-पुकार सुनकर मौके पर पहुंचे लोगों ने शौकीन को दबोचकर जमकर धुनाई की और फिर पुलिस के हवाले कर दिया। डीसीपी ग्रामीण विवेक चंद्र यादव ने बताया कि गुरुवार देर रात मोदीनगर पुलिस मेडिकल परीक्षण कराने के लिए शौकीन को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) ले गई थी।

सीएचसी का गेट बंद होने के कारण उसे गाड़ी से उतारकर पैदल ले जाया जा रहा था। इसी दौरान शौकीन ने पुलिसकर्मी की पिस्टल छीनकर भागने की कोशिश की। पीछा करने पर उसने पेड़ की आड़ में छिपकर गोली चला दी। जवाबी कार्रवाई करते हुए पुलिस ने भी फायरिंग की। मुठभेड़ के दौरान पैर में गोली लगने से शौकीन घायल हो गया। उसके कब्जे से पिस्टल और घटना में प्रयुक्त तलवार बरामद कर ली गई है।

शौकीन और छात्रा का पिता संजय साथ रहकर रंगाई-पुताई का काम करते हैं। विवाद के कारण शौकीन की पत्नी उससे अलग रहती है, जिसके चलते शौकीन संजय के घर पर खाना खाता था। शौकीन ने पूछताछ में बताया कि कुछ दिनों से संजय के परिजनों का व्यवहार उसके प्रति बदल गया था। खाने के समय दिव्या और उसकी दादी आए दिन अपमानित करते थे। दो-तीन दिन से दिव्या उसे खाना देने में आनाकानी कर रही थी। गुरुवार को भी उसने रोटी मांगी तो दिव्या ने ट्यूशन जाने की बात कहते हुए खाना देने से इनकार कर दिया। यह बात उसे नागवार गुजरी और उसने नशे में दिव्या पर तलवार से वार कर दिए। हमले में घायल छात्रा की हालत गंभीर बनी है। ऑपरेशन के बाद उसे आईसीयू में रखा गया है। चिकित्सकों का कहना है कि छात्रा की हालत के संबंध में अभी निश्चित तौर पर कुछ नहीं कहा जा सकता। उसकी रिकवरी की दर कम है।

दिल्ली मेट्रो में बॉबी डार्लिंग ने यात्री को बुरी तरह पीटा, गंदी गालियां दी; सोशल मीडिया पर वीडियो वायरल

नईदिल्ली, एजेंसी।
बॉलीवुड एक्ट्रेस और बिग बॉस के पहले सीजन में नजर आई बॉबी डार्लिंग का एक वीडियो सोशल मीडिया पर काफी वायरल हो रहा है। इस वीडियो में एक्ट्रेस दिल्ली मेट्रो के अंदर एक शख्स के साथ लड़ाई करती नजर आ रही हैं। इतना ही नहीं दोनों के बीच छीनाझपटी, गाली-गलौच होती है जो हाछापाई तक पहुंच जाती है। वायरल हो रहे वीडियो में उन्हें पुरुष यात्री के साथ दुर्व्यवहार करते हुए देखा जा सकता है। एक सीआईएसएफ जवान स्थिति को संभालते और दोनों के बीच लड़ाई को रोकने की कोशिश करते हुए देखा जा सकता है।

सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे वीडियो में दिख रहा है कि बॉबी डार्लिंग के हाथ में एक सफेद रंग का बैग है, जिसमें शायद कोई सामान है। जिसे शख्स खींचने की कोशिश करता है। वहीं सीआईएसएफ जवान हस्तक्षेप करके लड़ाई को रोकने की कोशिश करता है। इस दौरान एक्ट्रेस पुरुष यात्री को ढेरों गंदी गालियां देती हैं और उसे पीटते हुए नजर आ रही हैं। शख्स उन्हें दूर जाने और कहीं और बैठने के लिए कहता है। इसपर एक्ट्रेस कहती हैं चला जा वरना पिट जाएगा। वहीं मेट्रो में मौजूद सीआईएसएफ जवान जब हस्तक्षेप करने आता है तो एक्ट्रेस गाली कहती हैं कि ये कबसे लड़ रहा है। इस वीडियो को इंस्टाग्राम पर नाम के अकाउंट से बुधवार को शेयर किया गया है। यूजर ने इसके कैप्शन में लिखा- रिलैक्स गायज! दिल्ली मेट्रो है, चलता है। इसे अबतक 15 हजार से ज्यादा लोग देख चुके हैं। वहीं सिर्फ लोगों ने कमेंट किया है। एक यूजर ने लिखा है, ये क्या हो रहा है।

वेस्ट बैंक में इजरायली निवासी ने फिलिस्तीनी की गोली मारकर की हत्या

रामल्लाह, एजेंसी। वेस्ट बैंक शहर नब्लस के पास एक इजरायली निवासी ने शुक्रवार को 19 वर्षीय फिलिस्तीनी की गोली मारकर हत्या कर दी। चिकित्सा सूत्रों और प्रत्यक्षदर्शियों ने घटना की पुष्टि की। रामल्लाह स्थित फिलिस्तीनी स्वास्थ्य मंत्रालय ने एक बयान में कहा, लबीब अल-दामिरी को नब्लस के दक्षिण में हुवारा शहर में मार दिया गया। समाचार एजेंसी शिन्हुआ ने प्रत्यक्षदर्शियों के हवाले से बताया कि दामिरी को फिलिस्तीनी निवासियों और दर्जनों इजरायली निवासियों के बीच हुई झड़प के दौरान गोली मार दी गई थी, जिन्होंने गांव पर हमला किया, घरों और दुकानों में तोड़फोड़ की और वाहनों को जला दिया। इस बीच, इज़रायली मीडिया आउटलेट्स ने कहा कि फिलिस्तीनी दंगाईयों द्वारा एक इजरायली निवासी की कार पर पत्थरों से हमला करने के बाद हुवारा में झड़पें शुरू हो गईं, और निवासी

को मामूली चोटें आईं। फिलिस्तीनी राष्ट्रपति पद के प्रवक्ता नबील अबू रूडीनेह ने एक प्रेस बयान में कहा, फिलिस्तीनी लोगों के खिलाफ हत्या और शहरों और गांवों पर हमला करने की नीति को लागू करने पर जोर देकर इजरायल ने सभी रेड लाइन्स को पार कर लिया। उन्होंने वेस्ट बैंक में इजरायली सेना और बसने वालों द्वारा किए गए अपराधों के लिए इजरायली और अमेरिकी प्रशासन को पूरी तरह से जिम्मेदार ठहराया। गुरुवार को, इजरायली सेना ने एक फिलिस्तीनी व्यक्ति को मार डाला, जिस पर हुवारा में एक इजरायली वाहन पर गोलीबारी के लिए जिम्मेदार होने का आरोप था, और दो अन्य को तुल्कर्म शहर के पास शुफा गांव में झड़प के दौरान मार डाला गया था।

लूलू ग्रुप के अध्यक्ष ने की भारतीय प्रधानमंत्री के लीडरशिप की जमकर तारीफ

अबू धाबी , एजेंसी। लूलू ग्रुप ने भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की जमकर तारीफ की है। लूलू ग्रुप के अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक यूसुफ अली ने कहा है कि संयुक्त अरब अमीरात भारत में काफी निवेश कर रहा है और दोनों देशों के बीच मजबूत संबंध हैं।

उन्होंने आगे कहा कि दोनों देश और उनके संबंध दिन-प्रतिदिन बढ़ रहे हैं। यूएई भारत से बहुत सारे उत्पाद आयात करता है। यूएई भारत को पेट्रोलियम उत्पाद और पेट्रोलियम उप-उत्पाद निर्यात करता है । उन्होंने आगे कहा,भारत और संयुक्त अरब अमीरात के बीच संबंध आजकल और भी करीब आ रहे हैं। मोहम्मद बिन जायद अल नाहयान की तीन बार भारत यात्रा कर चुके हैं और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की कई बार संयुक्त अरब अमीरात आ चुके हैं। अबू धाबी चैंबर द्वारा आयोजित भारत और संयुक्त अरब अमीरात के शीर्ष व्यापारिक नेताओं के साथ बैठक में यूसुफ अली ने कहा कि भारत प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के गतिशील नेतृत्व के तहत भारत को एक उभरती हुई शक्ति और दुनिया की सबसे मजबूत अर्थव्यवस्थाओं में से एक माना जाता है। उन्होंने कहा कि यूएई और भारत का साझा फोकस शांति, स्थिरता और आर्थिक प्रगति है। उन्होंने कहा कि 3.54 मिलियन भारतीय यूएई की अर्थव्यवस्था के विकास का अभिन्न अंग हैं ।

परमाणु परीक्षण प्रतिबंध संधि का अनुमोदन रद्द करेंगे, संसद अध्यक्ष बोले- वाशिंगटन-ब्रुसेल्स ने छेड़ा युद्ध

मॉस्को, एजेंसी। राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन द्वारा एटमी परीक्षण फिर शुरू करने की संभावना जताने के बाद रूस ने संकेत दिया कि वह व्यापक परमाणु परीक्षण प्रतिबंध संधि (सीटीबीटी) का अनुमोदन रद्द करने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है। क्रेमलिन (रूसी संसद) अध्यक्ष व्याचेस्लाव वोलोदिन ने कहा, दुनिया की स्थिति बदल गई है और वाशिंगटन व ब्रुसेल्स ने हमारे विरुद्ध युद्ध छेड़ दिया है। पुतिन ने बृहस्पतिवार को कहा था कि रूस के परमाणु सिद्धांत को आगे बढ़ाने की जरूरत नहीं है, लेकिन वह अभी यह कहने के लिए तैयार नहीं हैं कि रूस को परमाणु परीक्षण फिर से शुरू करने की आवश्यकता है या नहीं। पुतिन के कुछ घंटों बाद ही रूसी शीर्ष नेता व संसद अध्यक्ष वोलोदिन ने कहा कि अब हमें (रूस को) सीटीबीटी की पुष्टि को रद्द करने पर विचार करना है, क्योंकि अमेरिका ने इस पर हस्ताक्षर किए हैं लेकिन इसकी पुष्टि नहीं की है। पुतिन और वोलोदिन से संकेत मिलता है कि रूस सीटीबीटी के समर्थन को रद्द करने का मन बना चुका है, जो एटमी धमाके पर पाबंदी लगाता है। मौजूदा समय में रूस और अमेरिका के बीच तनाव 1962 के क्यूबा मिसाइल संकट के बाद किसी भी दौर से अधिक है। ऐसे में रूस, अमेरिका या दोनों देशों के द्वारा परमाणु परीक्षणों को फिर से शुरू करना पूरी दुनिया को अत्यधिक अस्थिर करने वाला होगा। रूस को सोवियत संघ के परमाणु हथियार विरासत में मिले हैं। पुराने सोवियत संघ से मिले इन्हीं हथियारों की बदौलत रूस के पास दुनिया का एटमी हथियारों का सबसे बड़ा जखीरा है। ऐसे में यह तनाव वैश्विक संकट खड़ा कर सकता है। संयुक्त राष्ट्र के अनुसार, 1945 और 1996 की व्यापक परमाणु परीक्षण-प्रतिबंध संधि के बीच पांच दशकों में, 2,000 से अधिक परमाणु परीक्षण किए गए। इनमें से 1,032 अमेरिका ने और 715 सोवियत संघ ने किए। सोवियत संघ ने अपने विघटन से पूर्व आखिरी बार 1990 में परीक्षण किया, जबकि अमेरिका ने आखिरी बार 1992 में परीक्षण किया था। सीटीबीटी के बाद से अब तक 10 परमाणु परीक्षण हो चुके हैं। संयुक्त राष्ट्र के अनुसार, भारत ने 1998 में दो, पाकिस्तान ने भी 1998 में दो और उत्तर कोरिया ने 2006, 2009, 2013, 2016 (दो बार) और 2017 में परीक्षण किए। अमेरिका में परमाणु हथियारों का भंडार है और ये हथियार कई साल पुराने हैं इसलिए अब अगले साल नेवादा के रेगिस्तान में इनके परीक्षण की तैयारी की जा रही है। वैज्ञानिकों का कहना है कि इन हथियारों के भूमिगत परीक्षण से कोई भी भयावह अनहोनी होने का जोखिम है। राष्ट्रीय रक्षा लैब के विशेषज्ञ 1992 में भूमिगत परीक्षण रोकने के बाद से एटमी हथियारों की विश्वसनीयता की पुष्टि नहीं कर पाए हैं। लेकिन ऊर्जा विभाग के अधिकारियों ने बृहस्पतिवार को घोषणा की कि वे नियंत्रित तरीके से और बिना बड़ा एटमी धमाका किए, इन हथियारों का परीक्षण करने जा रहे हैं।

मेक्सिको में अवैध तरीके से अमेरिका जा रहे प्रवासियों की बस पलटी, 16 की मौत व 29 घायल

वेनेजुएला, एजेंसी।
दक्षिणी मेक्सिको में शुक्रवार तड़के एक बस हादसे में वेनेजुएला और हैती के कम से कम 18 प्रवासियों की मौत हो गई। अधिकारियों ने बताया कि मेक्सिको के नेशनल इमिग्रेशन इंस्टीट्यूट ने शुरू में 18 लोगों की मौत होने की बात कही थी, लेकिन बाद में मृतक संख्या घटा दी गई। ये प्रवासी अमेरिका में अवैध घुसपैठ के लिए डोंकी लगाने के इरादे से बस में जा रहे थे । दक्षिणी राज्य ओक्साका में अभियोजकों ने बताया कि कुछ शव क्षत-विक्षत हो गए थे, जिसकी वजह से गिनती में गलती हुई और मरने वाले लोगों की वास्तविक संख्या 16 है। सूत्रों के मुताबिक, मृतकों में दो महिलाएं और तीन बच्चे शामिल हैं। उन्होंने बताया कि हादसे में 29 लोग घायल हुए हैं और उनकी स्थिति के बारे में तत्काल कोई सूचना नहीं मिली है। हादसे से जुड़ी तस्वीरों में ओक्साका में राजमार्ग पर एक मोड़ के किनारे पलटी हुई बस को देखा जा सकता है। टेपेलमेमे शहर में

हुई इस दुर्घटना के कारणों की जांच की जा रही है। नेशनल इमिग्रेशन इंस्टीट्यूट ने बताया कि वाहन में कुल 55 प्रवासी सवार थे, जिनमें से ज्यादातर वेनेजुएला के रहने वाले थे। अमेरिकी सीमा की तरफ जाने वाले प्रवासियों की संख्या में वृद्धि के बीच मेक्सिको में हादसे में प्रवासियों मौतों की यह ताजा घटना है। दरअसल, प्रवासन अधिकारी अक्सर नियमित बसों पर छापा मारते हैं, इसलिए बड़ी संख्या में प्रवासी और तस्कर अनियमित बस, ट्रेन या फिर मालवाहक ट्रक में सवार होकर दूसरे देशों की सीमा में घुसने के जोखिम भरे तरीके अपनाते हैं।

तुर्की सेना ने 26 कुर्द आतंकवादियों को मार गिराया

अंकारा, एजेंसी।
तुर्की रक्षा मंत्रालय ने शुक्रवार को कहा कि उसके बलों ने सीरियाई कुर्द पीपुल्स डिफेंस यूनिट्स (वाईपीजी) के हमले का जवाब दिया और 26 कुर्द आतंकवादियों को मार गिराया। समाचार एजेंसी शिन्हुआ ने मंत्रालय के एक बयान के हवाले से बताया कि अंकारा की जवाबी कार्रवाई वाईपीजी द्वारा गुरुवार देर रात उत्तरी सीरिया में तुर्की सेना के यूफ्रेट्स शील्ड ऑपरेशन क्षेत्र में दाबिक बेस क्षेत्र पर हमला शुरू करने के बाद हुई।

मंत्रालय के अनुसार, तुर्की के युद्धक विमानों ने भी वाईपीजी के खिलाफ हवाई हमले किए और गुरुवार रात ताल रिफात, जजीरा और डेरिक क्षेत्रों में 30 ठिकानों को निशाना बनाया। सेमी-ऑफिशियल अनादोलु एजेंसी ने बताया कि

गुरुवार तड़के, राष्ट्रीय खुफिया संगठन (एमआईटी) ने वाईपीजी के हथियारों और गोला-बारूद के गोदामों पर सशस्त्र ड्रोन से हमला किया। रविवार को अंकारा में एक आत्मघाती बम विस्फोट के बाद युद्धग्रस्त देश में सीरियाई कुर्द समूह और तुर्की बलों के बीच तनाव बढ़ गया। प्रतिबंधित कुर्दिस्तान वर्कर्स पार्टी (पीकेके) ने रविवार को तुर्की के आंतरिक मंत्रालय के सामने हुए हमले की जिम्मेदारी ली, जिसमें एक हमलावर ने खुद को उड़ा लिया और दूसरा पुलिस की गोलीबारी में मारा गया। हमले में दो पुलिस अधिकारी घायल हो गये। आंतरिक मंत्री अली येरलिकाया ने कहा कि एक अन्य घटनाक्रम में, तुर्की पुलिस ने शुक्रवार को 11 प्रांतों में पीकेके के 75 संदिग्ध सदस्यों को हिरासत में लिया। तुर्की सेना ने रविवार से उत्तरी इराक में पीकेके ठिकानों के खिलाफ तीन हवाई अभियान चलाए हैं।

तुर्की सेना ने पड़ोसी देश के भीतर अपनी सीमा पर वाईपीजी मुक्त क्षेत्र बनाने के लिए 2016 में ऑपरेशन यूफ्रेट्स शील्ड, 2018 में ऑपरेशन ओलिव ब्रांच, 2019 में ऑपरेशन पीस स्प्रिंग और 2020 में उत्तरी सीरिया में ऑपरेशन स्प्रिंग शील्ड लॉन्च किया। तुर्की, संयुक्त राज्य अमेरिका और यूरोपीय संघ द्वारा आतंकवादी संगठन के रूप में सूचीबद्ध पीकेके तीन दशकों से अधिक समय से अंकारा सरकार के खिलाफ विद्रोह कर रहा है।

मुद्रक तथा प्रकाशक रंजीत राय द्वारा स्वामी आर.डी. प्रिंटर एंड पब्लिशर्स प्राइवेट लिमिटेड, प्लॉट नं. सी-16 एवं 17, रोड नं. 9, पाटलिपुत्रा इंडस्ट्रीयल एरिया, पटना-800013 के पक्ष में आर.डी. प्रिंटर एंड पब्लिशर्स प्राइवेट लिमिटेड प्रेस से मुद्रित एवं सी-20, एस.के. पुरी, नियर बसावन पार्क, पटना, बिहार-800013 से प्रकाशित संपादक- देवन प्रसाद
(नोटः प्रकाशित सभी लेखों आदि से संपादक का सहमत होना आवश्यक नहीं और किसी भी कानूनी वाद-विवाद का निपटारा पटना न्यायालय में ही किया जाएगा।) RNI. No. BIHHIN/2013/ 49676, Email: news@pratahkiran.com, patna@ pratahkiran.com, 9212228045, 8130691216, 9971557129